जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौन सिटी

Rashtradoot

फोनः- 230200, 230400 फैक्सः- 07469-230600 वर्षः 17 संख्याः 14 प्रभात हिण्डौन सिटी, रविवार 17 नवम्बर, 2024 पो. रजि.SWM-RJ-6069/2017-18 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

मोदी, अमित शाह व राहुल गांधी के चुनावी भाषणों के खिलाफ काफी शिकायतें

चुनाव आयोग ने दोनों पार्टियों के अध्यक्षों को सोमवार एक बजे तक का समय दिया, इन शिकायतों पर जवाब मांगा

- केन्द्रीय मंत्री अर्जुन मेघवाल के नेतृत्व में अरुण सिंह, शहजाद पूनावाला व ओम पाठक ने चुनाव आयोग के समक्ष शिकायत की, कि ऐसे मामलों में राहुल गांधी आदतन ''अपराधी'' हैं, तथा मुम्बई में 6 नवम्बर को कांग्रेस द्वारा आयोजित चुनावी सभा में उन्होंने कहा कि, पांच -छः लाख नौकरियां महाराष्ट्र से गुजरात शिफ्ट की गई हैं।
- दूसरी ओर कांग्रेस ने एक शिकायत दर्ज की है भाजपा के खिलाफ, चुनाव आयोग के समक्ष, कि प्र.मंत्री मोदी ने 8 नवम्बर को नासिक व धूले में आयोजित रैली में आरोप लगाया, कि, कांग्रेस के प्र.मंत्री नेहरु, इंदिरा गांधी व राजीव गांधी, अनुसूचित /जनजाति व ओ.बी.सी. के हितों के खिलाफ थे, तथा इन समुदायों को आरक्षण देने के खिलाफ थे।
- कांग्रेस ने प्र.मंत्री मोदी के, शोलापुर, महाराष्ट्र में दिये गये भाषण के खिलाफ शिकायत की। कांग्रेस के अनुसार, मोदी ने नारा दिया था, कि, ''एक हैं तो सेफ हैं'' नारे के अनुसार कांग्रेस चाहती है कि ओ.बी.सी. अलग-अलग जात (कास्ट) में विभाजित हों, जिससे कांग्रेस को और ऑक्सीजन मिलेगी। क्या आप यह चाहते हैं।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 नवम्बर। भारतीय चुनाव आयोग, झारखंड को लेकर भाजपा व कांग्रेस की झारखंड महाराष्ट्र चुनाव प्रचार में प्रधानमंत्री मोदी, गृह मंत्री अमित शाह तथा कांग्रेस नेता राहुल गांधी की टिप्पणियों के सम्बंध में की गई शिकायतों की जांच कर रहा है।

महाराष्ट्र तथा झारखंड में चल रहे विधानसभा चुनावों में इलैक्शन कमिशन ऑफ इंडिया (ई.सी.आई.) ने भाजपा तथा कांग्रेस द्वारा दर्ज शिकायतों का संज्ञान लिया है। भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा तथा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को अलग-अलग भेजे गए पत्र में चुनाव आयोग ने दोनों दलों द्वारा लगाए गए आरोपों पर औपचारिक जवाब मांगा है।

आयोग ने सोमवार 18 नवम्बर को दोपहर एक बजे तक जवाब देने को कहा है और दोनों दलों को, लोकसभा चुनावों के दौरान, 22 मई, 2024 को जारी की गई अपनी सलाह की याद दिलाई है, जिसमें प्रचारकों से शिष्टाचार बरतने तथा आदर्श आचार संहिता का पालन करने का आग्रह किया गया है।

केन्द्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल के नेतृत्व में भाजपा प्रतिनिधिमण्डल ने नई दिल्ली में ई.सी.आई. से संपर्क किया और 6 नवम्बर को मुंबई की चुनाव रैली में कांग्रेस सांसद तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा की गई टिप्पणियों को लेकर चिंता व्यक्त की। प्रतिनिधिमंडल में भाजपा नेता अरुण सिंह, शहज़ाद पूनावाला एवं ओम पाठक भी शामिल थे।

भाजपा ने भारतीय न्याय संहिता (बी.एन.एस.) की धारा 353 के तहत गांधी के विरुद्ध एफ.आई.आर. दर्ज करने की मांग की और आरोप लगाया कि वे मर्यादा उल्लंघन के आदतन अपराधी हैं।

छः नवंबर को महाराष्ट्र की एक रैली में राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि एपल आईफोन और बोईंग एयरप्लेन का अन्य राज्यों में निर्माण किया जा रहा है जिसका नुकसान महाराष्ट्र को हो रहा है। राहुल ने कहा, ''ये परियोजनाएं पांच लाख युवाओं के लिए रोजगार पैदा करती हैं, जिन्हें आपसे छीनकर गुजरात को दे दिया गया है।''

दूसरी तरफ कांग्रेस ने चुनाव आयोग में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें उन पर महाराष्ट्र राज्य विधानसभा चुनाव 2024, के लिए प्रचार रैलियों के दौरान ''झूठे विभाजनकारी, दुर्भावनापूर्ण और निंदनीय बयान'' देने का आरोप लगाया गया है।

शिकायत में, प्रधानमंत्री की नासिक और धुले की 8 नवम्बर की रैलियों में दिए गए मोदी के निम्नलिखित बयानों का हवाला दिया गया है। ''एक तरफ कांग्रेस और उसके सहयोगी जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 की बहाली को खत्म करके दलितों, आदिवासियों और ओ.बी.सी. के अधिकारों को छीनना चाहते हैं। दूसरी तरफ वे महाराष्ट्र में इनको धोखा देने के लिए संविधान के नाम पर एक झूठी किताब लहराते हैं।''

''तीन पूर्व कांग्रेसी प्रधानमंत्री--- दलितों, आदिवासियों और ओ.बी.सी.

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सिंगापुर की राजनैतिक पार्टी की टीम भारत में

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 16 नवम्बर। ''भाजपा को जानिए'' की पहल के सिलसिले में, भाजपा के आमन्त्रण पर सिंगापुर के सत्तारूढ़ दल ''पीपुल्स ऐक्शन पार्टी'' (पी.ए.पी.) के वरिष्ठ नेताओं का एक सोलह सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल भारत आ रहा है, जो 17 नवम्बर से 21 नवम्बर तक भारत में रहेगा। इस प्रतिनिधिमंडल में तीन मंत्री, चार सांसद तथा अन्य लोग शामिल हैं। इस दल का नेतृत्व डॉ. जनील पुतुचेरी कर रहे है, जो

- सिंगापुर की पीपुल्स एक्शन पार्टी भाजपा के आमंत्रण पर भारत आई है तथा दिल्ली व जयपुर का दौरा करगी।

''सीनियर मिनिस्टर ऑफ स्टेट फोर कम्यूनिकेशन एंड इन्फॉर्मेशन एंड फॉर हैल्थ'' है।

इस यात्रा के दौरान, पी.ए.पी. प्रतिनिधिमंडल नई दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा तथा अन्य भाजपा के अन्य वरिष्ठ नेताओं से मिलेगा। प्रतिनिधिमंडल जयपुर भी जायेगा, जहाँ वह राजस्थान के मुख्यमन्त्री भजनलाल शर्मा से मिलेगा तथा राज्य पार्टी कार्यालय में, राजस्थान भाजपा के अध्यक्ष तथा राज्य के अन्य प्रमुख पार्टी पदाधिकारियों से बातचीत करेगा।

भाजपा ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि इस यात्रा का प्राथमिक उद्देश्य भाजपा और पी.ए.पी. के बीच, दो पार्टियों के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

महाराष्ट्र में राहुल गांधी के सामान की तलाशी

अमरावती जिले में राहुल का हैलिकॉप्टर लैंड होते ही चुनाव आयोग ने तलाशी की कार्यवाही की

- डॉ. सतीश मिश्रा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 16 नवम्बर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी को चुनाव आयोग ने फिर निशाना बनाया है। महाराष्ट्र विधान सभा चुनावों से पहले, उन्हें उस जांच का सामना करना पड़ा, चुनाव आयोग के अधिकारियों ने राहुल के अमरावती जिले में पहुंचने पर, उनके बैगों की चैकिंग की।

इस चैकिंग से एक दिन पहले ही, उस समय भी एक विवाद पैदा हो गया, जब उनके हैलिकॉप्टर को झारखंड में खड़ा रखा गया था। आज की गई इस चैकिंग से कांग्रेस चुनाव आयोग पर पक्षपात का आरोप लगाने के लिए मजबूर हो गई।

राहुल गांधी 20 नवम्बर को होने वाले विधानसभा चुनावों के प्रचार के सिलसिले में एक जनसभा को संबोधित करने के लिए धमनगांव रेलवे स्टेशन पर पहुंचे थे, जो अमरावती जिले के आठ विधानसभा क्षेत्रों में से एक है। उनके हेलिकॉप्टर वहां उतरने के थोड़ी देर बाद ही, चुनाव आयोग के अधिकारीगण कांग्रेस नेता की टीम के पास पहुंचे तथा चुनाव आयोग के आदर्श आचार संहिता-प्रवर्तन के एक हिस्से के रूप में, उन्होंने राहुल और उनकी टीम के सामान की चैकिंग की।

सोशल मीडिया पर सर्कुलेट हो रहे एक वीडियो में यह सारी कार्यवाही कैद

- कांग्रेस इस घटना पर क्रुद्ध है। उसका कहना है कि भाजपा के इशारे पर चुनाव आयोग पक्षपात कर रहा है।
- चुनाव आयोग ने कहा कि चुनाव आचार संहिता के तहत सभी नेताओं के सामानों की तलाशी ली जा रही है।

है। जब आयोग के अधिकारी राहुल गांधी के बैगों की चैकिंग कर रहे थे, उस समय गांधी वहीं पास ही खड़े हुए थे। कुछ क्षण बाद, वे अपनी पार्टी सहयोगियों के पास चले गये और उनसे बात करने लगे।

यशोमति ठाकुर, जो कांग्रेस विधायक तथा राज्य की पूव मंत्री हैं, ने इस चैकिंग को लेकर जबरदस्त नाराजगी व्यक्त की तथा पूछा कि क्या चुनाव आयोग के अधिकारी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह या महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिन्दे के बैगों की भी तलाशी ले रहे हैं।

इस घटना से पहले इसी प्रकार का विवाद उस समय पैदा हुआ, जब यवतमाल में प्रचार अभियान के दौरान, शिवसेना (यू. बी. टी.) नेता उद्धव ठाकरे के बैगों की चैकिंग हुई।

ठाकरे ने इस घटना को लेकर आयोग के अधिकारियों पर चयनित प्रवर्तन (सलैक्टिव एन्फोर्समेंट) का आरोप लगाया। लेकिन, बाद में सामने आये वीडियो यह दिखा रहे हैं कि इसी प्रकार की चैकिंग अमित शाह, देवेन्द्र फड़नवीस सहित, भाजपा नेताओं तथा अजित पवार के सामान की भी हुई है।

शुक्रवार को झारखंड के गोड्डा में राहुल गांधी के हेलिकॉप्टर में रोके रखना तथा आज की घटना, कथित रूप से ''प्रोटोकॉल रैस्ट्रिक्शन'' का नतीजा बताई जा रही हैं। कांग्रेस नेताओं ने भाजपा सरकार पर आरोप लगाया कि सुनियोजित तरीके से विलम्ब पैदा कर के, गांधी के निर्धारित कार्यक्रमों में बाधा डाली जा रही है। इन्हीं कार्यक्रमों में, प्रख्यात आदिवासी नेता बिरसा मुण्डा की जयन्ती के दिन होने वाली सभा भी शामिल हैं।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश के अनुसार, गांधी की फ्लाइट, जिसका समय अपरान्ह 1.15 बजे का था, में दो घंटे का विलम्ब कर दिया गया, क्योंकि अन्य राजनेताओं के लिए ''नो फ्लाई ज़ोन'' की घोषणा कर दी गई थी। रमेश ने भाजपा पर ओछी हरकतें करने का आरोप लगाया तथा इस कार्यवाही को चुनावी निष्पक्षता का खुला उल्लंघन बताया।

सुखबीर सिंह बादल ने शिरोमणि अकाल दल का अध्यक्ष पद छोड़ा

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 16 नवम्बर। सुखबीर सिंह बादल शनिवार को शिरोमणि अकाली दल (एस. ए. डी.) के अध्यक्ष पद से हट गये, क्योंकि पार्टी प्रमुख के रूप में उनका कार्यकाल समाप्त हो गया था।

उन्होंने अपना त्याग पत्र पार्टी की वर्किंग कमेटी को दे दिया तथा इस प्रकार नये अध्यक्ष के चुनाव के लिए रास्ता साफ कर दिया। उन्होंने सभी पार्टी नेताओं तथा कार्यकर्ताओं को धन्यवाद दिया और कहा कि उन सबने उनके नेतृत्व में विश्वास व्यक्त किया तथा पूरे कार्यकाल में उन्हें पूरे मन सहयोग दिया।

एस. ए. डी. के वरिष्ठ नेता दलजीत सिंह चीमा ने बादल के इस्तीफे की पुष्टि की तथा इसकी घोषणा ''एक्स'' पर कर दी।

दरअसल, बादल ने अध्यक्ष पद पार्टी की आन्तरिक असहमति के चलते छोड़ा है। ज्ञातव्य है कि अकाल तख्त ने उन्हें ''तनखैया'' घोषित कर दिया था।

- सूत्रों का कहना है कि सुखबीर सिंह बादल को अकाल तख्त ने ''तनखैया'' घोषित कर दिया था और इस वजह से पार्टी में उनके खिलाफ भारी असंतोष पैदा हो गया था। इसलिए सुखबीर सिंह बादल को मजबूरन त्याग पत्र देना पड़ा।
- बादल के इस्तीफे से नए अध्यक्ष के चयन का रास्ता साफ हो गया है।
- बादल को 2007 से 2017 के बीच, उनकी सरकार के कार्यकाल के दौरान किए गए कृत्यों के लिए तनखैया घोषित किया गया है।

''तनखैया'' धार्मिक दुराचरण के अपराध का सूचक होता है। वे पार्टी में आलोचना का सामना कर रहे थे तथा हाल ही के चुनावों में खराब प्रदर्शन के बाद, उनके इस्तीफे की मांग होने लगी थी। उन्हें ''तनखैया'' किये जाने का संबंध उनकी उन कथित ''गलतियों'' से हैं, जो बादल से 2007 से 2017 के बीच उनके कार्यकाल के दौरान हुई बताई जाती हैं।

शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी (एस. जी. पी. सी.) की पूर्व अध्यक्ष बीबी जागीर कौर के अनुसार, बादल के साथ विभिन्न मुद्दों पर चर्चाओं में प्रतिरोध आये थे। असहमति एवं विरोध के बावजूद, एस. ए. डी. वर्किंग कमेटी ने बादल को पूरा समर्थन देने की घोषणा की थी तथा विद्रोह को पार्टी की एकता के लिए घातक बताते हुए, विद्रोह को खारिज कर दिया था।

'लोक अदालत के फैसले की पालना नहीं होना गंभीर विषय'

जयपुर, 16 नवंबर। जिले की स्थाई लोक अदालत ने दो साल पहले दिए गए आदेश का पालन नहीं करने पर राजस्थान हाउसिंग बोर्ड के अध्यक्ष को 5 दिसंबर को व्यक्तिगत तौर पर, पेश होकर अपना पक्ष रखने का निर्देश दिया है। स्थाई लोक अदालत के पीठासीन अधिकारी अनूप कुमार सक्सैना व

- स्थाई लोक अदालत ने राजस्थान हाउसिंग बोर्ड के अध्यक्ष को 5 दिसम्बर को व्यक्तिगत तौर पर पेश होने के निर्देश दिये।

दीपक चाचान ने यह आदेश गोपाल लाल खत्री बनाम हाउसिंग बोर्ड मामले में दिया। मामले के अनुसार, स्थाई लोक अदालत ने इस मामले में 16 अगस्त 2022 के आदेश से हाउसिंग बोर्ड पर 72 हजार रुपए का हर्जाना लगाते हुए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मोदी जी-20 शिखर सम्मेलन के लिये विदेश रवाना

पांच दिवसीय यात्रा में प्रधानमंत्री ब्राज़ील, नाईजीरिया तथा गुयाना जायेंगे

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि उन्हें शिखर सम्मेलन में ''एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य'', पर सार्थक चर्चा की आशा है।

नयी दिल्ली, 16 नवंबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के ब्राजील और नाइजीरिया एवं गुयाना की पांच दिवसीय यात्रा पर शनिवार को रवाना हो गए। मोदी ने पालम वायुसैनिक अड्डे से विशेष विमान से रवाना होने से पहले अपने वक्तव्य में जी-20 शिखर सम्मेलन में ग्लोबल साउथ की प्राथमिकताओं तथा 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' के भारत के दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए सार्थक चर्चा की आशा जताई।

मोदी ने कहा, मैं नाइजीरिया, ब्राज़ील और गुयाना की पाँच दिवसीय यात्रा पर जा रहा हूँ। राष्ट्रपति बोला अहमद टीनुबू के निमंत्रण पर यह नाइजीरिया की मेरी पहली यात्रा होगी, जो पश्चिम अफ्रीकी क्षेत्र में हमारा करीबी भागीदार है। मेरी यात्रा हमारी रणनीतिक साझीदारी को आगे बढ़ ाने का अवसर होगी, जो लोकतंत्र और बहुलवाद में साझा विश्वास पर आधारित है। मैं भारतीय समुदाय और नाइजीरिया के दोस्तों से मिलने का भी उत्सुकता से इंतजार कर रहा हूं, जिन्होंने मुझे हिंदी में गर्मजोशी से स्वागत संदेश भेजे हैं।

मोदी ने कहा, ब्राजील में, मैं ट्रोइका सदस्य के रूप में 19वें जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लूंगा। पिछले साल, भारत की सफल अध्यक्षता ने जी-20 को लोगों के जी-20 के रूप में ऊपर उठाया और ग्लोबल साउथ की प्राथमिकताओं को अपने एजेंडे की मुख्यधारा में शामिल किया। इस वर्ष, ब्राज़ील ने भारत की विरासत को आगे बढ़ ाया है। मैं 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' के हमारे दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए सार्थक चर्चा की आशा करता हूँ। मैं इस अवसर का उपयोग कई अन्य नेताओं के साथ द्विपक्षीय सहयोग को आगे बढ़ ाने पर विचारों का आदान-प्रदान करने के लिए भी करूंगा।

मोदी ने कहा, राष्ट्रपति मोहम्मद इरफ़ान अली के निमंत्रण पर मेरी गुयाना यात्रा 50 से अधिक वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली यात्रा होगी। हम अपने अनूठे रिश्ते को रणनीतिक दिशा देने पर विचारों का आदान-प्रदान करेंगे, जो साझा विरासत, संस्कृति और मूल्यों पर आधारित हैं। मैं सबसे पुराने भारतीय प्रवासियों में से एक के प्रति भी अपना सम्मान व्यक्त करूंगा, जो 185 साल से भी अधिक समय पहले प्रवासित हुए थे।

उन्होंने कहा, इस यात्रा के दौरान, मैं दूसरे भारत-कैरिकॉम शिखर सम्मेलन के लिए कैरेबियाई भागीदार देशों के नेताओं के साथ भी शामिल होऊंगा। हम हर सुख-दुख में एक साथ खड़े रहे हैं। शिखर सम्मेलन हमें ऐतिहासिक संबंधों को नवीनीकृत करने और नए क्षेत्रों में हमारे सहयोग का विस्तार करने में सक्षम बनाएगा।

'मीडिया आत्महत्या कर रही है, अपने कृत्यों से'

बैंगलोर में आयोजित मीडिया डे समारोह में पूर्व सूचना प्रसारण मंत्री वीरप्पा मोईली ने कहा, कि जब तक मीडिया सरकार से, तथा सत्ता में बैठे लोगों से निर्भीक भाव से सवाल पूछना पुनः शुरु नहीं करती

- मोईली ने यह भी कहा, कि प्रेस के सम्मुख एक चुनौती यह भी है, कि प्रधानमंत्री अब मीडिया से इन्टरएक्ट करने या जानकारी देने में विश्वास नहीं करते तथा इस रवैये से प्रेस जानकारियों से महरुम हो जाता है।
- और अब प्र.मंत्री की देखा- देखी मंत्री व अफसर भी मीडिया से बात करने व जानकारियां देने को टालते हैं और, मीडिया जानकारियों व खबरों से वंचित रह जाता है।
- नेशनल मीडिया डे इसलिये मनाया जाता है, क्योंकि, इस दिन प्रेस काउन्सिल ऑफ इण्डिया का गठन हुआ था, तथा प्रेस की स्वतंत्रता का संकल्प लिया गया था।

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 नवम्बर। गत कुछ वर्षों के हालात से ऐसा लग रहा है कि भारतीय मीडिया एक स्तर पर न केवल आत्महत्या कर रहा है बल्कि दूसरे स्तर पर इसकी हत्या की जा रही है। बैंगलौर में हुए नैशनल मीडिया डे कार्यक्रम में यही बात उभर कर आई।

पूर्व केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री और कानून मंत्री तथा कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री वीरप्पा मोईली कार्यक्रम में मुख्य अतिथि थे। उन्होंने मीडिया पर पड़ रहे दबाव को बताने के लिए पत्रकारों पर हमले, पत्रकारों की हत्या, फेक न्यूज़ और पत्रकारों के खिलाफ मुकदमों का उदाहरण दिया। और कहा, ऐसा गत कुछ वर्षों से हो रहा है''

इसी दिन प्रैस काउन्सिल ऑफ इंडिया का उद्घाटन हुआ था कर्नाटक में इस कार्यक्रम का आयोजन राज्य के सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग ने किया था। इस अवसर पर मोईली का बतौर मुख्य अतिथि मौजूद होना न्यायोचित था। उन्होंने ही कर्नाटक मीडिया एकैडमी बनाई थी। मोईली मीडिया के क्षेत्र में काफी अनुभवी रहे हैं। सूचना प्रसारण मंत्री के रुप में उनका मीडिया से निकट सम्पर्क रहा था और फिर कानून मंत्री के रुप में मीडिया से जुड़े कई कानूनों का प्रारुप बनाने में उनकी अहम भूमिका रही थी।

कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकारों से लेकर पत्रकारिता क्षेत्र के विद्यार्थी भी मौजूद थे, जो बैंगलोर और कर्नाटक के विभिन्न मीडिया संस्थानों से थे। कार्यक्रम का शीर्षक था ''चेन्जिंग नेचर ऑफ प्रैस''अर्थात प्रैस की बदलती प्रकृति। वरिष्ठ कांग्रेस नेता मोईली ने सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए कहा कि मीडिया जो कह रहा है, जो बदलाव ला रहा है उससे लगता है वह आत्महत्या कर रहा है। उन्होंने आगे कहा गत कुछ वर्षों से मीडिया ने सत्ता से सवाल करना बंद कर दिया है और जो सरकार से सवाल पूछने की हिम्मत करते हैं उन्हें या तो चुप करा दिया जाता है या इस प्रोफेशन से ही बेदखल कर दिया जाता है, पूर्व केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि ग्लोबल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

छत्तीसगढ़ में पांच नक्सली मुठभेड़ में मरे

कांकेर, 16 नवंबर। छत्तीसगढ़ के कांकेर और नारायणपुर जिले की सीमा पर अबूझमाड़ इलाके में शनिवार को पुलिस और नक्सलियों के बीच हुई भीषण मुठभेड़ में अब तक पांच नक्सली मारे गये जबकि सुरक्षा बलों के दो जवान घायल हुए हैं। सुरक्षा बलों ने बड़ी मात्रा में नक्सलियों के कब्जे से हथियार भी बरामद किए हैं।

- कांकेर और नारायणपुर जिले की सीमा पर पुलिस और नक्सलियों के बीच भीषण मुठभेड़ हुई। पुलिस ने बड़ी मात्रा में हथियार बरामद किये।

पुलिस अधीक्षक आई के एलिसेला ने मुठभेड़ की पुष्टि की है। कोर इलाका होने के कारण जवानों से संपर्क नहीं हो पा रहा है। इस मुठभेड़ में कई नक्सलियों के मारे जाने की खबर है। बताया जा रहा है कि मौके से भारी मात्रा में हथियार भी बरामद हुए हैं।

उत्तरअबूझमाड़ क्षेत्र में नक्सलियों की उपस्थिति की सूचना मिलने पर सर्चिंग अभियान पर संयुक्त पुलिस पार्टी गई थी। सुबह आठ बजे से लगातार डीआरजी,एसटीएफ और सीमा सुरक्षा बल (बी.एस.एफ.) की संयुक्त पुलिस पार्टी और नक्सलियों के सामने डटी हुई है।

घायल हुए जवानों की स्थिति सामान्य है। दोनों खतरे से बाहर हैं। दोनों घायल जवानों को बेहतर इलाज की व्यवस्था की जा रही है।

बहरहाल मुठभेड़ अभी भी जारी है तथा रुक-रुककर दोनों ओर से फायरिंग हो रही है।

उपभोक्ता आयोग ने फुलेरा के अस्पताल व डॉक्टरों पर 19.70 लाख का हर्जाना लगाया

आयोग ने यह आदेश संजय सोनी के परिवाद पर सुनवाई करते हुए दिए

- सत्यम अस्पताल, डॉ. के.सी. बंसल व डॉ. एस.के. मोंगिया पर मरीज के फिशर के ऑपरेशन में लापरवाही करने का आरोप है, जिसके बाद से मरीज की रीढ़ की हड्डी में लगातार सूजन बनी हुई है।

जयपुर, 16 नवंबर। जिला उपभोक्ता आयोग, द्वितीय ने मरीज के फिशर का ऑपरेशन करने के दौरान लापरवाही बरतने पर फुलेरा के सत्यम अस्पताल, डॉ. एसके मोंगिया और डॉ. केसी बंसल पर कुल 19.70 लाख रुपए का हर्जाना लगाया है। आयोग ने यह आदेश संजय सोनी के परिवाद पर सुनवाई करते हुए दिए। आयोग अध्यक्ष ग्यारसी लाल मीना और सदस्य हेमलता अग्रवाल ने अपने आदेश में कहा कि ऑपरेशन में लापरवाही के कारण एक नौजवान की जिंदगी नरक बन गई है। उसकी रीड की हड्डी के अंतिम छोर में घाव हो गया है और लगातार सूजन बनी रहती है, जिसे ठीक करना असंभव है। यहां तक कि वह मल भी नहीं रोक पा रहा है, जिसके कारण वह कहीं आ-जा भी नहीं सकता है। इसके चलते परिवादी एक तरह से दिव्यांग हो गया है, जिसकी क्षतिपूर्ति किसी भी कीमत पर किया जाना संभव नहीं है।

परिवाद में कहा गया कि वह विपक्षी अस्पताल में फिशर का ऑपरेशन कराने के लिए 14 फरवरी, 2016 को भर्ती हुआ था। उसी दिन उसका ऑपरेशन कर डिस्चार्ज भी कर दिया गया और उससे 13 हजार रुपए का भुगतान लिया गया। परिवाद में कहा गया कि ऑपरेशन के दौरान चिकित्सकों ने लापरवाही बरतते हुए, मलद्वार की मांसपेशियों, टिश्यूज और तंत्रिकों को ज्यादा काटकर क्षतिग्रस्त कर दिया, जिससे वह मल नहीं रोक पा रहा और रीढ़ की हड्डी में भी लगातार सूजन बनी हुई है, जिसे पुनः सही कराना अब संभव नहीं है। ऐसे में उसे अस्पताल और चिकित्सकों से क्षतिपूर्ति दिलाई जाए। परिवाद की सुनवाई करते हुए आयोग ने अस्पताल और चिकित्सकों पर हर्जाना लगाया है।

विचार बिन्दु

अपनी करनी कभी निष्फल नहीं जाती। -कबीर

पुराने वनों का संरक्षण सबसे बड़ा प्राकृतिक जलवायु समाधान है

ऐसे वन जो विकास के उन्नत चरण में हैं या जहाँ विविध प्रजातियों के पुराने, मोटे और बड़े वृक्षों की बहुतायत है उन्हें दुनिया प्राइमरी फॉरेस्ट्स या ओल्ड-ग्रोथ फॉरेस्ट्स के नाम से जानती है। ऐसे वनों के पारिस्थितिक, सामाजिक और आर्थिक महत्त्व पर विश्व भर में बड़ी शोध हुई है।ओल्ड-ग्रोथ फॉरेस्ट्स की अभी भी कोई एक मानक परिभाषा नहीं है। फिर भी इन वनों में प्रमुख प्रजातियों की लंबी उम्र, प्राकृतिक गड़बड़ी का कम से कम होना, मानव हस्तक्षेप का कम होना, छाया-सहिष्णुता या छाया में भी उग सकने वाली प्रजातियों की बहुलता, विशिष्ट संरचनाओं, जैसे बड़े-बड़े पेड़, खोखलों में घोंसले बनाने वाले पक्षियों की उपस्थिति और बहुतायत, भारी-भरकम पुराने वृक्षों के यत्र तत्र गिरे-पड़े संचित सूखे तने, मिट्टी के ऊपर पत्तियों और सूखी टहनियों की मोटी परत आदि लक्षणों के संदर्भ में पहचाना और परिभाषित किया जाता है। इन क्षेत्रों में मिलने वाले बड़े वृक्षों में मधुमक्खियों के छत्ते भी प्रायः देखे जाते हैं। इसके अलावा बड़े वृक्षों के मुख्य तने में छाल में निवास करने वाले विविध प्रजातियों के कीडे मकोड़े पाये जाते हैं। सैप्रोजायलिक कवक, लाइकेन तथा कीडों की प्रजातियां बड़ी संख्या में सूखी गिरी पड़ी लकड़ी पर निर्भर होती हैं।

ओल्ड-ग्रोथ फॉरेस्ट के नीचे की मिट्टी की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें पोषक तत्वों की प्रायः कोई कमी नहीं पाई जाती। नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटेशियम के साथ सूक्ष्म पोषकतत्व भी प्रचुर मात्रा में मिलते हैं क्योंकि यदि आग, चराई और कटान नहीं हो रहा है तो बायोजियोकेमिकल चक्र सुचारु रुप से चलते हैं। ऐसा संभव है ओल्ड-ग्रोथ फॉरेस्ट्स के आसपास कोई नदी नाला या नम भूमि इत्यादि हो। प्रायः यह भी देखा गया है कि ओल्ड ग्रोथ फॉरेस्ट्स में पौधों और प्राणियों की जो प्रजातियां मिलती हैं वे समीपवर्ती वन क्षेत्रों से कुछ भिन्न हो सकती हैं। इन क्षेत्रों में प्रायः बड़े बीजों वाली प्राणी-विकीर्णित वृक्ष प्रजातियों का बाहुल्य होता है।

उष्णकटिबंधीय वनों में जहां प्रजातियों की विविधता और प्राकृतिक वातावरण पर मानव दबाव दोनों ही अधिक हैं, भूमि-उपयोग परिवर्तन जैव-विविधता को गंभीर खतरे में डालते हैं। कृषि, लकड़ी के लिये कटान, उद्योगों की स्थापना और अन्य उपयोगों के लिये उष्णकटिबंधीय वनों के तेजी से बदलाव उष्णकटिबंधीय जैव-विविधता को नष्ट कर देते हैं। एक शोध जो 138 अध्ययनों की मेटा-एनालिसिस का उपयोग कर की गयी, के परिणाम उष्णकटिबंधीय जंगलों में मानवीय दखल के कारण विक्षोभ और भूमि रूपांतरण से जैव-विविधता पर पड़ने वाले प्रभाव का वैश्विक मूल्यांकन प्रदान करते हैं (देखें, एल. गिब्सन इत्यादि, नेचर, 478(7369):378-381, 2011)। इस अध्ययन में प्राथमिक वनों जिनमें कोई मानवीय दखल नहीं था और बिगड़े वनों जिनमें मानवीय दखल था, में जैव-विविधता का तुलनात्मक विश्लेषण किया गया। यह पाया गया अवक्रमित या बिगड़े वनों में जैव-विविधता की स्थिति तमाम कारणों से बहुत ख़राब थी। यह वैश्विक शोध निर्विवाद रूप से सिद्ध करती है की वन-विनाश के विविध कारणों का उष्णकटिबंधीय जैव-विविधता पर अत्यंत हानिकारक प्रभाव पड़ता है। उपरोक्त एवं अन्य शोध के परिणाम स्पष्ट रूप से इंगित करते हैं कि जब उष्णकटिबंधीय जैव-विविधता को बनाये रखने की बात आती है, तो प्राथमिक वनों का कोई विकल्प नहीं है (देखें, जे. बार्लो इत्यादि, प्रोसीडिंग्स ऑफ़ द नेशनल अकैडमी ऑफ़ साइंसेज यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ़ अमेरिका, 104(47):18555-18560, 2007)।

संपूर्ण विश्व के कुल 23 से 26 प्रतिशत वन ही अब प्राइमरी या ओल्ड ग्रोथ फॉरेस्ट्स के रूप में बचे हैं। राजस्थान में कई जिलों में ओल्ड ग्रोथ फॉरेस्ट्स अभी भी बचे हुये हैं, हालांकि ऐसे वन उष्णकटिबंधीय शुष्क क्षेत्रों में विशेष रुप से संकटापन्न हैं। संकट के मुख्य कारण आसपास रहने वाली मानव आबादी के पालतू मवेशियों द्वारा चराई, जलाऊ लकड़ी के लिये कटाई और घर बनाने के लिये इमारती लकड़ी की कटाई इत्यादि हैं। ऊपर से प्राकृतिक और मानव-जनित कारणों से आग भी ओल्ड-ग्रोथ फॉरेस्ट्स को बड़ी हानि पहुँचती है। कई क्षेत्रों में बड़े वृक्षों की शाखाओं को काट कर साल दर साल चारे के रूप में भी प्रयोग किया जाता है। उदाहरण के लिये पुराने वनों से अर्जुन (कहुआ, कोहड़ा) के बड़े वृक्षों की शाखाओं को काटकर भैंसों के चारे के रूप में उपयोग होता है। हर साल शाखा कटान के कारण इन वृक्षों में फूल, फल और बीज लगने की प्रक्रिया भी बाधित होती है। बीजों का उत्पादन और विकीर्णन नहीं होने से प्राकृतिक पुनरुत्पादन बाधित होता है। जिन क्षेत्रों में बीजों का उत्पादन होता भी है वहां बीज विकीर्णन करने वाली वन्य-प्राणी प्रजातियां ना होने से अब केवल बड़े वृक्ष ही बचे हैं क्योंकि प्राकृतिक पुनरुत्पादन नहीं के बराबर है। जो भी थोड़ा बहुत पौधे उगते हैं वे भी बड़े होने के पहले ही चर लिये जाते हैं। आग का भी प्रकोप होता है, हालांकि उष्णकटिबंधीय शुष्क वनों में पिछले 30 वर्षों वनों में प्रायः सतही आग ही लगी है। इससे बड़े वृक्षों को भले ही हानि ना होती हो, किंतु बीजों, बिजौलोंव प्राकृतिक पुनरुत्पादन को बड़ी हानि पहुंचती है। क्लाइमेट चेंज की दशा में आर्द्र तराई क्षेत्रों के वनों में हर जगह पुराने जंगलों में जमीन के ऊपर के जैवभार (बायोमास) में कमी आने की भारी आशंका है। उष्ण कटिबंध में वर्ष 2081-2100 के मध्य तक तापमान बढ़ने के कारण इस कमी का अनुमान 41 प्रतिशत और विश्व स्तर पर 29 प्रतिशत है (देखें, एम. लर्जावारा इत्यादि, कार्बन बैलेंस एंड मैनेजमेंट, 16(1):31, 2021)।

हर साल शाखा कटान के कारण इन वृक्षों में फूल, फल और बीज लगने की प्रक्रिया भी बाधित होती है। बीजों का उत्पादन और विकीर्णन नहीं होने से प्राकृतिक पुनरुत्पादन बाधित होता है। जिन क्षेत्रों में बीजों का उत्पादन होता भी है वहां बीज विकीर्णन करने वाली वन्य-प्राणी प्रजातियां ना होने से अब केवल बड़े वृक्ष ही बचे हैं क्योंकि प्राकृतिक पुनरुत्पादन नहीं के बराबर है।

पुराने वनों का संरक्षण और प्रबंध प्राकृतिक जलवायु समाधान के रूप में विशेष महत्व रखता है। कार्बन सीक्वेस्ट्रेशन और भंडारण के साथ हीइन वनों के अनगिनत लाभ हैं। वनानुभव व पारिस्थितिक पर्यटन, मानव के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य हेतु संसाधन, जैव-विविधता व आनुवंशिक संसाधन का संरक्षण, भौम-जलस्तर में बढ़त व जल-धाराओं, झरनों व नदियों के रूप में पानी की उपलब्धता, देववनों के रूप में स्थानीय सांस्कृतिक मूल्यों के वाहक होते हैं। ऐसे वनों के संरक्षण को बढ़ावा देने वाली रणनीतियाँ केवल इन वनों को केन्द्रित कर बनाये जाने के बजाय सम्पूर्ण भू-परिदृश्य के स्तर पर बनाना आवश्यक होता है। पहली बात इनमें बड़े वृक्षों की बहुतायत के कारण बड़ी मात्रा में कार्बन जमा होता है और सैकड़ों साल तक होता रहता है, इसीलिये ओल्ड-ग्रोथ फॉरेस्ट्स को विश्व के कार्बन भण्डार के रूप में जाना जाता है। क्लाइमेट चेंज मिटीगेशन के लिए यह भण्डार अति महत्वपूर्ण है (देखें, एस. लुस्स्येर्ट इत्यादि, नेचर, 455(7210):213-215, 2008)। दूसरी बात यह है कि पुराने पेड़ों में अपेक्षाकृत स्थिर विकास दर होती है, जो ग्लोबल वार्मिंग के विरुद्ध उल्लेखनीय प्रतिरोध देती है (देखें, एम. कोलेंगेलो इत्यादि, साइंस ऑफ़ द टोटल एनवायरनमेंट, 801,149684, 2021)। इसके साथ ही सर्वाधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि ऐसे वन अन्य क्षेत्रों में वनों के पुनर्स्थापन के लिये उन प्रजातियों के बीजों और जैव-विविधता के सबसे महत्वपूर्ण स्त्रोत हैं जो लोगों के सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन में महत्वपूर्ण स्थान रखती हैं किन्तु उष्णकटिबंधीय वनों के अन्य क्षेत्रों से स्थानीय रुप से विलुप्त हो चुकी हैं (देखें, डी.एन. पाण्डेय, कन्जर्वेशन बायोलॉजी, 17(2):633-635, 2003)।

इसी बात को ध्यान में रखते हुये देश के विभिन्न राज्यों में सभी ओल्ड-ग्रोथ फॉरेस्ट्स को चिन्हित कर संरक्षण व संवर्धन एवं सतत विकास किया जाना आवश्यक है। इन क्षेत्रों के अंदर पुराने और बड़े वृक्षों का संरक्षण और साथ में संपूर्ण क्षेत्र का संरक्षण दोनों को ही ध्यान रखना आवश्यक है। यहाँ चराई और कटाई से बचाव के साथ-साथ यहां सूखी गिरी पड़ी लकड़ी को भी बाहर निकालने से रोकना आवश्यक है। जैसा कि ऊपर बताया गया है सूखे गिरे पड़े वृक्ष भी तमाम प्रजातियों के संरक्षण के लिये आवश्यक हैं।

यदि इन क्षेत्रों में प्राकृतिक पुनरुत्पादन नहीं हो रहा है तो वनों के वितान में जहां खुले स्थान मिल रहे हैं वहां पर उसी प्रकार की प्रजातियों का रोपण आवश्यक है जो ओल्ड-ग्रोथ फॉरेस्ट में पाई जाती हैं। ऐसी प्रजातियां प्रायः बड़े बीजों वाली और चौड़ी पत्ती वाली होती हैं। बड़े बीज होने से इनका विकीर्णन बड़े शरीर वाले प्राणियों द्वारा ही हो सकता है परंतु चूंकि अनेक क्षेत्रों से बड़े शरीर वाले प्राणी विलुप्त हो चुके हैं इसलिए हमें वृक्षारोपण, सीधी बुवाई और डंडारोपण करना आवश्यक हो जाता है। उदाहरण के लिए राजस्थान में बड़े बीजों वाली प्रजातियों में आम, महुआ, जामुन, अर्जुन, बहेड़ा, सादड़, कणज, घटबोर, लिसोड़ा, बीजासाल, खाखरा, कड़ाया, सीताफल, बेल, नीम, कचनार, तेंदू, बिस्तेंदू, गोदल, ऊंबिया, इमली, सागवान, बेर, खजूर, अचार या चारोली, कुसुम, हिंगोट, अरीठा, आदि शामिल हैं। कुछ ऐसी प्रजातियाँ भी उगाना चाहिये जो फलों के लिये प्रसिद्ध हैं, भले ही वे छोटे बीज वाली हों। आँवला, बरगद, कैंथगूलर, पीपल, कैर, लिसोड़ा, जाल, खेजड़ी आदि फल के लिये जानी जाती हैं (देखें, डी.एन. पाण्डेय, अरावली के वन्य वृक्षः वनवर्धन एवं पौधशाला प्रबंध, पृष्ठ 1-24, 1992)।

चूंकि ओल्ड-ग्रोथ फॉरेस्ट्स का दायरा धीरे-धीरे बढ़ाना आवश्यक है। इसके लिए सबसे उपयोगी यह है कि ऐसे क्षेत्रों को फॉरेस्ट रेस्टोरेशन के लिये चयनित किये जा रहे बड़े क्षेत्रों के अंदर लेकर बड़े दायरे में बीजारोपण व बहुत आवश्यक हो तो वृक्षारोपण करना चाहिये। बाहर के दायरे में जहां प्रजाति विविधता कम है या क्षेत्र खाली हो गये हैं वहां पर अर्ली-सक्सेशनल, मिड-सक्सेशनल, और लेट-सक्सेशनल प्रजातियों के मिश्रण की मृदा व जल संरक्षण के साथ सीधी बुवाई किया जाना उपयोगी रहेगा। साथ ही थोड़ी-बहुत वनस्पति जो उस क्षेत्र में हो उसका संरक्षण करना उपयोगी रहेगा। ऐसा करने से धीरे-धीरे ओल्ड-ग्रोथ फॉरेस्ट का दायरा बढ़ने लगेगा। इस रणनीति का एक लाभ यह भी है कि क्षेत्र में पक्षियों द्वारा विकीर्णित होने वाले बीजों का विकीर्णन भी पूरे वृक्षारोपण क्षेत्र में बढ़ेगा। सुरक्षित क्षेत्र में होने वाला अंकुरण और पनपने वाले पौधों के सुरक्षित बड़े पौधों के रूप में विकसित होने की संभावना बढ़ जाती है।

प्राचीन, विशालकाय वृक्षों वाले उष्णकटिबंधीय वन जैव-विविधता की जीती-जागती अनमोल विरासत हैं। इनका संरक्षण वैश्विक प्राथमिकता है। उष्णकटिबंधीय वनों और जैव-विविधता से मानवता को प्राप्त होने वाले सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय लाभ हेतु पुराने प्राथमिक वनों का कोई विकल्प नहीं है। प्राकृतिक जलवायु समाधान के रूप में इन वनों के प्रमाण-आधारित प्रबंध में निवेश अनिवार्य है।

-अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(भारतीय वन सेवा से सेवानिवृत्त; वर्तमान में अनेक विश्वविद्यालयों में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं)

भारत की समकालीन राजनीति में साधु-संत-योगियों की पहचान

महावीर सिंह

आजकल प्रिंट व टीवी मीडिया में साधु, संतों व योगियों की भारत की राजनीति में खासी चर्चा रहती है। भारत के संविधान के अनुसार साधु, सन्तो, योगियों को चुनावी राजनीति करने की पूर्ण स्वतंत्रता है। चुनाव लड़ना नागरिक का अधिकार है। इसलिए यह प्रश्न उठाना बेबुनियाद है कि इस सम्मानित श्रेणी के लोग चुनाव की राजनीति करते है। प्रश्न यह हो सकता है कि क्या जो इस श्रेणी के लोग चुनावी राजनीति में है, उनका आचरण, व्यवहार साधु-संतों-योगियों के शास्त्रोक्त गुणों-व्यवहार-दृष्टि (विजन) के अनुरूप है?

यह भी सुनने को मिलता है कि धर्म के बिना राजनीति नही हो सकती। आइए एक आम आदमी की दृष्टि से इन चर्चाओं-परिचर्चाओं को समझने का प्रयास करें। सामान्य रूप से सभी बड़े धर्मों- यथा--हिन्दू, ईसाई, इस्लाम, जैन, सिख आदि धर्मों में संतों, महात्माओं, योगियों के सम्बंध में उनके कर्तव्यों, गुणों आदि पर सम्बंधित शास्त्रों में उल्लेख मिलता है। दैनिक जीवन में भी प्रत्यक्ष रूप से देखा जा सकता है। हिन्दू धर्म में इन्हें संत, साधु, योगी आदि नाम दिए हुए है, इस्लाम में इनके समक्ष पीर, औलिया, दरवेश आदि है तो ईसाई धर्म में इन्हें मुख्यतः संत का नाम दिया हुआ है।

हिन्दू धर्म में साधु, संत व योगी तीन अलग श्रेणियां है।

साधु की पहचान--- सभी मनुष्यों के प्रति उसके व्यवहार में शांति व समता, नम्रता, मित्रता, सद्व्यवहार प्रलक्षित होना चाहिए। साधु का आचरण-व्यवहार-वार्तालाप सत्य पर आधारित हो।साधु में सहनशीलता, जीवमात्र के प्रति दया होती है।साधु के दुश्मन नही हो सकते। उसका स्वयं के शरीर, मन पर पूर्ण नियंत्रण हो। सच्चे साधु के मुंह से दूसरे धर्म, व्यक्ति के लिए निंदा के शब्द निकल ही नही सकते।

साधारण बोल चाल की भाषा में आम आदमी साधु के व्यवहार-आचरण को इस प्रकार समझता है-

पानी बहता और साधु चलता-फिरता भला वरना उनमें मोह, माया के विकार उत्पन्न हो जाएंगे। इस से भी अधिक सरलता से साधु को कुछ प्रसिद्ध दोहों के माध्यम से समझ सकते है-

''सिंहो के झुंड नहीं, हंस न मिले पाँति, लालों की नही बोरियां, साधु न चले जमात'' अर्थात सम, सद्व्यवहारी व ज्ञानी साधु दुर्लभ होते हैं, जमात बनाकर न रहते न चलते न ज्ञान बांटते फिरते।

''जात न पुछो साधु की पूछ लीजिए ज्ञान, मोल करो तलवार का आदि रहण दो म्यान''--अर्थात साधु की जाती उसका ज्ञान है--किस परिवार, धर्म, जाती में पैदा हुआ वह महत्वहीन है। सन्त कहलाने का केवल वह व्यक्ति ही अधिकारी है जो सत्यवादी, आत्मज्ञानी हो। यह गुण संत के व्यवहार, आचरण में झलकता है। कुछ प्रसिद्ध गृहस्थ संतों के रूप में कबीरदास जी व कई ओर नाम उल्लेखित कुए जा सकते हैं। संत शब्द में साधु, सन्यासी, विरक्त, त्यागी सब शामिल है।

इसी प्रकार एक सच्चा योगी अपने ज्ञान का सही तरीके से जनहितार्थ सदुपयोग करता है। वह शरीर को ईश्वरीय कार्यों को पूर्ण करने का साधन मात्र मानता है। मन और इंद्रियों पर उसका पूर्ण नियंत्रण है, इसका उसे कोई अभिमान नहीं होता। योगी अपरिग्रही होता है अर्थात वह अनावश्यक धनदौलत-साधनों का संग्रहण नहीं करता। योगी एक प्रमुख लक्षण होता है-**-'आत्मवत् सर्वभूतेषु'** अर्थात सर्वत्र सब में एक ही ईश्वरीय सत्ता को देखता है। योगी अहंकार रहित होता है योगी अपनी मानवीय भूलों को निःसंकोच स्वीकार करता है। सम-विषम सभी परिस्थितियों को योगी निरपेक्ष भाव से देखता है। योगी का व्यवहार-आचरण-वाणी-कर्म में सर्वत्र-सदैव परहित सरस धर्म नहीं भाई की ही भावना झलकती है। समाजिक व धार्मिक दृष्टि से इन अत्यंत गरिमामय पदवियों के धारक जो राजनीति में हैं उनका आचरण, उनके लिए विहित गुणों व आचरण के अनुरूप है या नही इस पैमाने पर ही जांचा जाना चाहिए कि वे राजनीति में आने के बाद सही मायने में इन पदवियों के पात्र हैं भी या नहीं?

प्रायः ही देखने में आया है कि इस श्रेणी के कुछ राजनीतिज्ञ अत्यंत विषैली व मनुष्यों में हर तरह का भेदभाव करने वालीभाषा में आलोचना करते है तो वे संत, साधु या योगी जैसे गरिमामय पदवियाँ कैसे धारण कर सकते हैं? सामान्यतः देखने में तो यही आ रहा है कि कई लोग जो साधु, साध्वी, संत, योगी जैसी अत्यंत सम्मानित पदवियाँ लगाकर राजनीति करते है, उनका आचरण इनके अनुरूप नही है।

साधु संतों से भिन्न कथावाचको की भी बड़ी अद्भुत दुनिया है। उनके नाम के पीछे भी बड़ी-बड़ी धार्मिक पदवियाँ लगी हुई होती है। इन लोगों का भी समाज पर व राजनीति में बडा प्रभाव है। आजकल अनेक ऐसे कथा वाचक बड़े जोर-शोर से आक्रोशित भाषा में, रात और दिन सनातन (जिसको इसे जैसे समझना है समझे) के प्रचार-प्रसार में लगे हुए हैं। कई ऐसे निःस्वार्थ भाव से करते हैं और अखबारी सूचनाओं के अनुसार कईयों को उनके काफिले की व्यवस्था के लिए काफी फीस भी देनी पड़ती है। इस लेखक का इन प्रसिद्ध कथावाचकों से वे जो कुछ कहते-करते है उसके अतिरिक्त इन बातों पर भी ध्यान दें तो अत्यंत परोपकारी कार्य होगा।

बहुत से लोग अपने व्यवसायों, दुकानों, उत्पादों पर देवी-देवताओं, भगवान के अवतारों पर नाम रख लेते हैं उसे रुकवाए। जैसे धरि शंकर पान भंडार, रेस्टोरेंट/ भोजनालय I/ अगरबती आदि-आदि। शायद किसी अन्य धर्म के अनुयायी ऐसा करते हों। क्या सुधि पाठक इस प्रकार के नाम रखना उचित मानते है?? मंदिरों के नाम भी ऐसे मिलते है जैसे रोजगारेश्वर--पतालेश्वर--दक्षिण मुखी फला-फला देवता आदि। इसी प्रकार लोग मनमर्जी से सार्वजनिक रास्तों, भूमियों पर मंदिर निर्माण कर लेते है। इस से सामान्य मनुष्य के मन-मष्तिष्क में देवी/देवता की प्रतिष्ठता के सम्बन्ध में क्या असर पड़ता होगा? बहुत ही कम लोग अपनी स्वयं की भूमि पर ऐसा करते है। चूंकि नामी कथावाचकों का लोगों पर काफी प्रभाव होता है, उन्हें इस दिशा में अपने भक्तों को सद् मार्ग दिखाना चाहिए।

क्या प्रसिद्ध कथावाचक इस दिशा में कोई सार्थक पहल कर सकते है??

-महावीर सिंह,
(पूर्व आईएएस)

देश की आजादी, जनजाति स्वाभिमान में बिरसा मुंडा का योगदान अविस्मरणीय : उपराष्ट्रपति

■ भगवान बिरसा मुंडा की 150 वीं जयंती पर उदयपुर के कोटडा में जनजाति गौरव महोत्सव आयोजित

कोटडा में भगवान बिरसा मुंडा की जयंती कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ शामिल हुये।

उदयपुर, (कासं)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि भगवान बिरसा मुण्डा का नाम सामने आते ही हालात बदल जाते हैं, महज 25 साल की उम्र भी नहीं हुई और देश की आजादी, जनजाति समाज के स्वाभिमान व मिट्टी के लिए उनका योगदान अकल्पनीय और अविस्मरणीय है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के उपलक्ष में उदयपुर जिले के सुदूर कोटडा कस्बे में जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग तथा राजस्थान वनवासी कल्याण परिषद के तत्वावधान में आयोजित जनजाति गौरव महोत्सव को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि बड़ा अच्छा लग रहा है, जो हमारे मन में है और सदैव प्रातः स्मरणीय हैं उनका आज सम्मान हो रहा है। उनकी सोच दूरदर्शी थी और उनका संकल्प था कि हमारा राज आएगा और उनका राज जाएगा। सांस्कृतिक सोच को इस बालक योद्धा ने तीन शब्दों में समाहित कर दिया जल, जंगल और जमीन। उन्होंने बिरसा मुण्डा को इस धरती का पुजारी और पर्यावरण का हितैषी बताते हुए कहा कि आपके दृढ़ संकल्प को सच होता देखकर मेरा मन अति प्रसन्न है कि अब अपना देश बदल रहा है। देश के सर्वाच्च पद राष्ट्रपति के पद पर जनजाति की महिला द्रोपदी मूर्मु बिराजमान है और यह हम सभी के लिए गौरव की बात है। यह सम्मान कोई बक्शीस नहीं है, आपका और हमारा अधिकार और उस अधिकार को प्राप्त कर पद को सुशोभित किया है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि संसद में स्थापित भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा हमें हमेशा प्रेरित करेंगी। राष्ट्र भावना का संचार करेंगी।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि आजादी की लडाई में हजारों लाखों लोगों ने योगदान दिया। पता नहीं क्यों इतिहासकारों ने बिरसा मुंडा के योगदान, मानगढ़ धाम के बलिदान को भूला दिया। आजादी के अमृतकाल में आजादी की लड़ाई के भूले बिसरे नायकों को सम्मान दिया जा रहा है। हर वर्ष 15 नवंबर को बिरसा मुण्डा की जन्म जयंती को राष्ट्रीय जनजाति गौरव दिवस के रूप मनाया जा रहा है।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा का पूरा जीवन राष्ट्रवाद का संदेश है। उन्होंने आमजन से आव्हान किया कि सभी इस महापुरूष को समझे और इनके कृत्य को आदर्श माने और हमेशा राष्ट्रवाद को सर्वापरि रखे। धनखड़ ने महिला सशक्तिकरण की दिशा में बढ़ते कदमों का जिक्र किया। इस अवसर पर समारोह को संबोधित करते हुए प्रदेश के जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराडी ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा जनजाति गौरव के प्रतीक हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार जनजाति संस्कृति और सम्मान को पुनर्जीवित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। कार्यक्रम के प्रारंभ में वनवासी कल्याण परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष सत्येंद्र सिंह खारवा एवं राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री भगवान सहाय ने उपराष्ट्रपति का स्वागत किया। सह संगठन मंत्री भगवान सहाय ने वनवासी कल्याण परिषद के विभिन्न प्रकल्पों और गतिविधियों की जानकारी दी।

समारोह में जिले के प्रभारी एवं राजस्व मंत्री हेमंत मीणा, राज्यसभा सांसद चुन्नीलाल गरासिया, लोकसभा सांसद डॉ. मन्नालाल रावत, गोगुंदा विधायक प्रताप भील, उदयपुर ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा, उप जिला प्रमुख पुष्करलाल तेली, संभागीय आयुक्त प्रज्ञा केवलरमानी, सीईओ जिला परिषद हेमेंद्र नागर, उपखंड अधिकारी हंसमुख कुमार सहित विभिन्न विभागीय अधिकारी मौजूद रहे। कोटड़ा में आयोजित जनजाति गौरव महोत्सव में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने जनजाति प्रतिभाओं का सम्मान किया। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने एमबीबीएस चिकित्सक डॉ. रामलाल मीणा, डॉ. कन्हैयालाल मीणा, डॉ. खुमाणसिंह मईडा, पीएचईडी के दिलीपसिंह भील, इंजीनियर मुकेश डामोर, अंतर्राष्ट्रीय तीरंदाज धनेश्वर तथा अंतराष्टीय तीरंदाज नरेश डामोर को प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया।

वहीं राजस्थान वनवासी कल्याण परिषद परिसर में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ मां के नाम अभियान के तहत अपनी माताश्री स्व. केशरीदेवी तथा सुदेश धनखड़ ने अपनी माता भगवतीदेवी की स्मृति में पौधारोपण किया। उप वन संरक्षक अजय चित्तौडा ने धनखड़ को जिले में अभियान के तहत पौधरोपण की जानकारी दी। कोटडा स्थित राजस्थान वनवासी कल्याण परिषद परिसर में धनखड़ के स्वागत में लोक कलाकारों ने परंपरागत गवरी नृत्य किया। उन्होंने एक कलाकार से ढोल लेकर स्वयं ढोल पर थाप देकर कलाकारों का उत्साहवर्धन किया।

स्कूल व्याख्याता प्रतियोगी परीक्षा (संस्कृत शिक्षा विभाग) आज से

■ 21 नवंबर तक चलेगी परीक्षा, इस परीक्षा में 1 लाख 12 हजार 968 अभ्यर्थी शामिल होंगे

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) की ओर से स्कूल व्याख्याता प्रतियोगी परीक्षा-2024 (संस्कृत शिक्षा विभाग) का आयोजन 17 से 21 नवंबर तक होगा। इस परीक्षा में 52 पदों के लिए 1 लाख 12 हजार 968 अभ्यर्थी पंजीकृत किए गए हैं। पहले दिन रविवार को जनरल अवेयरनेस एंड जनरल स्टडी की परीक्षा होगी। यह परीक्षा अजमेर, जयपुर, जोधपुर, कोटा और उदयपुर के जिला मुख्यालयों पर आयोजित की जाएगी। अभ्यर्थियों को पांचवें विकल्प को भरने के लिए 10 मिनट का अतिरिक्त समय दिया जाएगा। जनरल अवेयरनेस एंड जनरल स्टडी विषय की परीक्षा रविवार को सुबह 10 से 11:30 बजे तक होगी।

ऐच्छिक विषयों की परीक्षाएं 18 से 21 नवंबर तक दो पारी में ली जाएंगी। परीक्षा केंद्र पर परीक्षा प्रारंभ होने के एक घंटे पूर्व तक ही प्रवेश दिया जाएगा। अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र पर मूल फोटो पहचान-पत्र लेकर उपस्थित होना होगा। ऐच्छिक विषय हिन्दी की परीक्षा 18 नवंबर सुबह 9 से 12 बजे तक, इतिहास की 18 नवंबर दोपहर 2:30 से सायं 5:30 बजे तक, राजनीति विज्ञान विषय की 19 नवंबर सुबह 9 से 12 बजे तक, अंग्रेजी विषय की 19 नवंबर दोपहर 2:30 से सायं 5:30 बजे तक, यजुर्वेद विषय की 20 नवंबर सुबह 9 से 12 बजे तक, जनरल ग्रामर विषय की 20 नवंबर दोपहर 2:30 से 5:30 बजे तक, ग्रामर विषय की 21 नवंबर सुबह 9 से 12 बजे तक और लिटरेचर विषय की 21 नवंबर दोपहर 2:30 से सायं 5:30 बजे तक आयोजित की जाएगी।

राशिफल रविवार 17 नवम्बर, 2024

पंडित अनिल शर्मा

मार्गशीर्ष मास, कृष्ण पक्ष, द्वितीया तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2081, रोहिणी नक्षत्र सायं 5:23 तक, शिव योग रात्रि 8:21 तक, तैतिल करण प्रातः 6:52 तक, चन्द्रमा रात्रि 4:31 से मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-वृश्चिक, चन्द्रमा-वृष, मंगल-कर्क, बुध-वृश्चिक, गुरू-वृष, शुक्र-धनु, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज द्विपुष्कर योग सायं 5:23 से रात्रि 9:07 तक है। राजयोग सायं 5:23 से सूर्योदय तक है। आज अशून्य शयन व्रत, रोहिणी व्रत है।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़ियाः चर 8:11 से 9:31 तक, लाभ-अमृत 9:31 से 12:11 तक, शुभ 1:31 से 2:31 तक।

राहूकालः 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 6:52, सूर्यास्त 5:31

मेष

अपने आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। घर-परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है।

वृष

वर्तमान में चल रहा मानसिक तनाव दूर होगा। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मिथुन

आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। अनावश्यक धन खर्च में वृद्धि हो सकती है। अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा। मन में असंतोष बना रहेगा।

कर्क

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यक्तिगत परेशानियों से राहत मिलेगी।

सिंह

अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा।

कन्या

परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है। महत्वपूर्ण कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी।

तुला

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

वृश्चिक

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। अतिथियों का आगमन रहेगा।

धनु

अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी।

मकर

महत्वपूर्ण मामलों के संबंध में सोच-विचार हो सकता है। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। सुख-सुविधाओं पर धन खर्च होगा।

कुंभ

घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

मीन

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज नये-पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है। मित्रों के साथ मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

जिला कलेक्टर के निर्देशन में जिलेभर में अधिकारियों ने परखी स्कूलों का व्यवस्थाऐं

भरतपुर (निस)। जिला कलक्टर डॉ. अमित यादव के निर्देशन में शनिवार को जिले भर में प्रशासनिक अधिकारियों, विभिन्न विभागों के अधिकारियों द्वारा विद्यालयों का आकस्मिक निरीक्षण कर शैक्षिणक गुणवत्ता, भवन की स्थिति, विद्यालय परिसर की साफ-सफाई एवं योजनाओं में पात्र विद्यार्थियों को लाभान्वित की स्थिति का जायजा लिया। जिला कलेक्टर डॉ यादव ने जिला मुख्यालय स्थित महाराजा बदनसिंह राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय का आकस्मिक निरीक्षण कर शैक्षिणक गुणवत्ता का परखा तथा विषयवार कमजोर विद्यार्थियों के लिए अतिरिक्त प्रयास करने के निर्देश दिये। उन्होंने सम्पूर्ण परिसर का भ्रमण कर भवन की स्थिति, साफ-सफाई व्यवस्था का भी निरीक्षण किया तथा क्षितग्रस्त भवनों को हटवाने एवं नवीन कक्षों के निर्माण का प्रस्ताव भिजवाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि छोटी-छोटी कमियों को समय पर एसडीएमसी के माध्यम से ठीक कराया जाये। उन्होंने कहा कि आने वाले सर्दी के मौसम एवं मच्छरों से बचाव के लिए कमरों की खिडकियों के टूटे हुए शीशे एसडीएमसी के माध्यम से जाली के साथ नये लगवाने की कार्यवाही शीघ्र करायें। जिला कलक्टर ने कहा कि पुराने जर्जर भवन के अनुपयोग को दखते हुए इसे नगर विकास न्यास के माध्यम से जमीदोज करायें जिससे किसी प्रकार का हादसा नहीं हो। उन्होंने कमरे में आनी वाली सिलन को रोकने के लिये पानी की टंकी के नल को प्लम्बर द्वारा बदलवाने के निर्देश दिये। उन्होंने शौचालय की साफ सफाई एवं भवन की छतों की साफ-सफाई लेबर लगाकर करवाने, सीढ़ियों की साफ-सफाई एवं पेड़ों की कटाई करवाने हेतु लेबर लगाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि पुस्तकालय की मरम्मत हेतु राशि के लिये प्रस्ताव बनाकर समसा के माध्यम से करवाये जाने की कार्यवाही करें जिससे विद्यार्थियों को पुस्तकालय काम आ सके। उन्होंने कमरों की देहरी को एसडीएमसी से माध्यम से हटवाने के निर्देश भी दिये।

■ जिला कलेक्टर डॉ यादव ने जिला मुख्यालय स्थित महाराजा बदनसिंह राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय का आकस्मिक निरीक्षण कर शैक्षिणक गुणवत्ता का परखा तथा विषयवार कमजोर विद्यार्थियों के लिए अतिरिक्त प्रयास करने के निर्देश दिये

कलेक्टर के निर्देशन में शनिवार को जिले भर मे विद्यालयों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया।

जिला कलक्टर के निर्देशन में जिलेभर में 14 प्रशासनिक एवं विभागीय अधिकारियों द्वारा 31 स्कूलों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण दल ने विद्यालयों में शैक्षिणक गुणवत्ता, परिसर में साफ-सफाई, भवन की उपयोगिता, प्रयोगशालाओं, पुस्तकालयों का उपयोग की स्थिति तथा विभागीय योजनाओं का विद्यार्थियों को लाभ की स्थिति को देखा। निरीक्षण दल में जिला कलक्टर के अतिरिक्त, प्रशिक्षु आईएएस राहुल श्रीवास्तव, उपखण्ड अधिकारी भरतपुर राजीव शर्मा सहित जिले के सभी उपखण्ड अधिकारी, एसीईओ जिला परिषद, जिले के सभी तहसीलदार, नायब तहसीलदार शामिल रहे।

कार्यशाला का शुभारंभ

भरतपुर (निस)। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान भरतपुर में प्राचार्य नीलमणि चौधरी की अध्यक्षता में पांच दिवसीय ई-कंटेंट निर्माण कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। प्राचार्य चौधरी ने बताया कि इस कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों के लिए विभिन्न विषयों को सरल और रोचक ढंग से से प्रस्तुत करने के लिए नवीनतम डिजिटल टूल्स का उपयोग करना है। और यह प्रशिक्षण शिक्षकों को डिजिटल सामग्री का निर्माण करने में कुशल बनाएगा, जो शिक्षा क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। ईटी प्रभाग अध्यक्ष मुकेश कुमार अग्रवाल और ईटी प्रभाग प्रभारी प्रभा गुप्ता ने कार्यशाला की रूपरेखा प्रस्तुत की और कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि बदलते समय के साथ शैक्षिणक परिदृश्य में बड़ा बदलाव आ रहा है। इसमें ई-कंटेंट का भी बहुत महत्त्व है। नई शिक्षा नीति में शिक्षा के डिजिटलीकरण और गुणवत्ता को प्राथमिकता दी गई है। ई-कंटेंट न केवल छात्रों को शिक्षा का नवीन अनुभव प्रदान करता है बल्कि उनके समझने के कौशल को भी बढ़ाता है। डिजिटल युग में शिक्षकों के लिए यह आवश्यक है कि वे नए तरीकों को अपनाकर विद्यार्थियों को आकर्षित कर सकें और शिक्षा को सजीव बना सकें। ई-कंटेंट के माध्यम से न केवल शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार होगा, बल्कि बच्चों के सीखने में रुचि भी बढ़ेगी और यह एक अहम कदम साबित होगा।

सार-समाचार

अन्नकूट प्रसादी का आयोजन

करौली (नि.स.)। दीपावली पर्व के बाद गोवर्धन पूजा से शुभारंभ हुए अन्नकूट प्रसादी कार्यक्रमों का सिलसिला अभी जारी है शनिवार को शहर के शिव पैलेसके अलावा केसरिया धाम हनुमान मंदिर रणगमा ताल एव चैबे कॉलोनी मे भक्तो द्वारा अन्नकूट प्रसादी का आयोजन किया गया जिसमें लोगों ने पंगत लगाकर प्रसादी ग्रहण कि। शहर के अस्पताल रोड स्थित शिव पैलेस में भक्त मंडल के कैलाश चंद मास्टर, मोहनलाल गुप्ता, मदन मोहन गुप्ता, नरेश मावा वाला, वीरेंद्र गुर्जर उर्फ ठंडी, मदन पान वाले, अशोक गुप्ता,हरिओम गुर्जर,मनोज बीड़ी वाले,ब्रह्मा हलबाई,विशंभर गुप्ता, रामेश्वर गुप्ता, कन्हैयालाल माली, विजय सपोटरा आदि के द्वारा अन्नकूट प्रसादी का आयोजन किया गया जिसमें क्षेत्रीय विधायक दर्शन सिंह गुर्जर ने पहुंचकर प्रसादी ग्रहण कि जहां आयोजकों ने क्षेत्रीय विधायक का माला साफा पहनाकर भव्य स्वागत किया। शहर के लोगों ने पंगत लगाकर प्रसादी ग्रहण की उधर चैबे पांडे में भी भक्त मंडल द्वारा हनुमान मंदिर पर अन्नकूट प्रसादी का आयोजन किया गया जिसमें सैकड़ो कि संख्या में लोगों ने पहुंचकर प्रसादी ग्रहण की वही रणगमा ताल स्थित केसरिया धाम हनुमान मंदिर पर भक्त मंडल द्वारा प्रसादी का आयोजन किया गया जिसमे भी लोगों ने बड़ी संख्या में पहुंचकर प्रसादी ग्रहण की। इस मौके पर क्षेत्रीय विधायक दर्शन सिंह गुर्जर ने कहा कि यह सनातनी धार्मिक परंपरा सदियों से चली आ रही है जिसको आज तक लोग बखूबी से निभा रहे हैं और दीपावली के बाद गोवर्धन पूजा से लेकर पूर्णिमा तक अन्नकूट प्रसादी का आयोजन बड़े धूमधाम के साथ करते आ रहे है ऐसे आयोजनों से भाईचारा, आपसी प्रेमभाव बढ़ता है ऐसे आयोजन होते रहने चाहिए।

तीन जनो को किया गिरफ्तार

गंगापुर सिटी । पुलिस ने गंगापुर सिटी में जुआ खेलते तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों से 3 हजार 680 रुपए सहित ताश के पत्ते जब्त किए हैं। उदेई मोड और वजीरपुर थाना पुलिस ने अलग-अलग कार्रवाई की। उदेई मोड थानाधिकारी नरेश पोसवाल ने बताया कि एसपी ममता गुप्ता के आदेशानुसार चलाए जा रहे अभियानों को सफल बनाते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गंगापुर सिटी राकेश राजौरा व पुलिस उपाधीक्षक संतराम मीना के निर्देशन में थाना उदेई मोड, वजीरपुर ने कार्रवाई करते 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। शिवचरण पुत्र प्रभुदयाल मीना निवासी अरनियां थाना सदर गंगापुरसिटी, सद्दाम पुत्र शकुर निवासी चूलीगेट गंगापुरसिटी को ताश के पत्ते व जुआ राशि 2 हजार 560 रुपए को जब्त कर एवं दोनों अभियुक्तों को धारा 13 आरपीजीओ के तहत गिरफ्तार किया गया। इसी प्रकार वजीरपुर थाना पुलिस ने लईक अहमद पुत्र सईद अहमद निवासी पुराने थाने के सामने बजीरपुर को सट्टा उपकरण सहित गिरफ्तार किया है। आरोपी से जुआ राशि 1 हजार 120 रुपए बरामद हुए हैं।

5 घंटे बंद रहेगी बिजली सप्लाई आज

गंगापुर सिटी । मेंटेनेंस के चलते रविवार को सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक शहर में 5 घंटे तक बिजली बंद रहेगी। इसके चलते हजारों बिजली उपभोक्ता प्रभावित होंगे। कनिष्ठ अभियंता सालौदा सतीश मीणा ने बताया कि बायपास रोड गंगापुर सिटी एनएचएआई द्वारा 33 केवी लाइन पर कार्य किया जाएगा। इसके कारण 33 केवी सालौदा और 33 केवी पीलौदा लाइन पर सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक बिजली बंद रहेगी। इसके चलते पूरे सालौदा पावर हाउस की बिजली आपूर्ति बंद रहेगी। कनिष्ठ अभियंता सतीशचंद ने बताया कि मरम्मत कार्य के चलते उदेई मोड, कॉलेज रोड, सालौदा व रीको औद्योगिक क्षेत्र की बिजली आपूर्ति सुबह 8 से दोपहर 12 बजे तक बंद रहेगी। उन्होंने बताया कि शहर में ही सालौदा पावर से जुडे उदेई मोड, कॉलेज, सालोदा, रीको क्षेत्र में करीब 1० हजार उपभोक्ता हैं और 17 नवंबर को बिजली बंद रहने से इस क्षेत्र के उपभोक्ता प्रभावित होंगे।

पौन किलो गांजे के साथ एक गिरफ्तार

गंगापुर सिटी । नादौती थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ गांजा बेचते हुए एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 754 ग्राम गांजा जब्त किया है। पुलिस आरोपी से खरीद-फरोख्त को लेकर पूछताछ कर रही है। थानाधिकारी महेन्द्र कुमार ने बताया कि पुलिस अधीक्षक ममता गुप्ता के निर्देशानुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश राजौरा व टोडाभीम पुलिस उपाधीक्षक मुरारी लाल मीना के सुपरविजन में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत की जा रही गश्त के दौरान मुखबिर की सूचना पर भीलापाडा रोड नादौती से एनडीपीएस एक्ट में कार्रवाई करते हुए अभियुक्त कप्तान सिंह पुत्र मोहर सिंह गुर्जर निवासी सिकन्दरपुर नादौती थाना को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 754 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा बरामद किया है। पुलिस ने बताया कि पकडे गए आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज किया है। पुलिस टीम में थानाधिकारी महेन्द्र कुमार शर्मा, कॉन्स्टेवल बनवारी, बहादुर सिंह, हरेन्द्र और कॉन्स्टेबल ड्राइवर प्रमोद शामिल था।

नये कैम्पस की साफ-सफाई की

भुसावर (निस)। कृषि महाविद्यालय भुसावरके एन.एस.एस. वालण्टियर्स ने महाविद्यालय के नये कैम्पस की साफ-सफाई की। नये पौधों के थाले बनाये तथा अवांछित शाखाओं को हटाकर पौधों को सही आकार दिया। कैम्पस में इस वर्ष लगाये गये लगभग 200 पौधों को सहारा दिया ताकि पौधे सीधे बढें। महाविद्यालय के डीन डॉ उदय भान सिंह ने बताया कि अच्छी बढवार के लिए नये पौधों के थाले बनाकर गुडाई करना तथा खाद व पानी देना जरूरी है। डॉ राहुल कुमार ने कहा कि कृषि महाविद्यालय भुसावर के एनएसएस वालण्टियर्स को प्रेरित कर देश व समाज सेवा के लिए तैयार किया जा रहा है। उन्हें स्वच्छता, रक्तदान, पीड़ितों की सेवा सहित तमाम सामाजिक सरोकारों से जोडा जा रहा है। उन्होंने कहा कि युवाओ को शारीरिक श्रम का महत्व समझना चाहिए। डॉ. उदय भान सिंह ने कहा कि हमें "मै नही आप" थीम पर काम करना चाहिए।

राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन

भरतपुर (निस)। राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर लोहागढ़ प्रेस क्लब समिति की ओर से शनिवार को प्रेस का बदलता स्वरूप विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमे वक्ताओं ने पत्रकारों की स्वतंत्रता और पत्रकारों की जिम्मेदारी को लेकर अपने विचार व्यक्त किये। प्रेस क्लब के अध्यक्ष उमेश लवानिया की अध्यक्षता में आयोजित हुई संगोष्ठी में वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान परिपेक्ष्य में प्रेस की स्वतंत्रता पर राजनीति हावी होती जा रही है और पत्रकार खुलकर अपने विचार प्रकट नहीं कर पाते हैं। अध्यक्ष उमेश लवानिया ने कहा कि प्रेस लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है जो नागरिकों को सटीक, निष्पक्ष और निर्भिक सूचना प्रदान करता है यह न केवल सशक्त समाज का निर्माण करता है बल्कि सत्ता की जबाबदेही भी सुनिश्चित करता है। पत्रकारिता के उच्चतम मापदण्डों को अपनाने और अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता का सम्मान करने का संकल्प लें। संगोष्ठी में टोंक जिले के अलीगढ के समरावत गाँव में पत्रकार अजीत सिंह शेखावत व कैमरामैन धर्मेन्द्र के साथ कवरेज के दौरान की गई मारपीट की निन्दा करते हुये राज्य सरकार से शीघ्र ही दोषियों को गिरफतार करने की माँग रखी गयी। समाचार प्रकाशित करने से पूर्व पत्रकार को राजनीति से जुडे लोग सोचने पर मजबूर कर देते हैं। इस दौरान उन्होंने लोकतंत्र में पत्रकारों की स्वतंत्रता और जिम्मेदारी का एहसास करते हुए कहा कि स्वच्छंद और साफ सुथरी पत्रकारिता का भविष्य चौपट होता हुआ दिखाई दे रहा है। गिने चुने पत्रकार ही है जो ईमानदारी व कर्तव्य निष्ठा के साथ अपनी पत्रकारिता के कार्य को निष्ठा के साथ पूर्ण कर रहे हैं।

कार्यशाला का आयोजन

भरतपुर (निस)। गांव आऊ में भाजपा का संगठन पर्व कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित सुनील प्रधान जिला प्रभारी एवं पूर्व जिला उपाध्यक्ष के मुख्य आतिथ्य एवं कार्यशाला की अध्यक्षता तारा सिंह सिनसिनवार ग्रामीण भाजपा मण्डल अध्यक्ष डीग तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में मनोज खंडेलवाल के सानिध्य मे आयोजित की गई। इस संगठन कार्यशाला में मंडल में निवास करने वाले जिला पदाधिकारी मंडल पदाधिकारी मंडल बूथ अध्यक्ष शक्ति केंद्र संयोजक उपस्थित हुए। जिनमें मुख्य रूप से शक्ति केंद्र संयोजक राकेश एवं तहसील ब्लाक तहसील अध्यक्षयुवा मोर्चा युवा मंडल मोर्चा मंडल अध्यक्ष बृज बिहारी जादौन शक्ति केंद्र संयोजक गोपाल पंडित एवं हेमंत शर्मा मंत्री ब्लॉक कमेटी व्यक्ति एवं लोक उपस्थित हुए।

कलाकारों की दमदार प्रस्तुति से सफल रहा नाटक

भरतपुर (निस)। नेट थिएट कार्यक्रमों की श्रृंखला में नाद सोसायटी के रंगमंडल द्वारा अनिल मारवाड़ी द्वारा लिखित और निर्देशित ढुढाडी भाषा का नाटक चोखा की आस का सफल मंचन किया गया। नेट थिएट के राजेंद्र शर्मा राजू ने बताया कि इंसान भक्ति करता है तो उसे भगवान फल जरूर देता है लेकिन जब उसका परिवार लालची बन जाता है तो बर्बाद होता है।

'कथाकार' गांव के पंडित जी भजन गाने का शौक रखते हैं लेकिन उनकी पत्नी इस बात से जलती है। इस भजन गाने की शौक से वह अपना घर का खर्चा नहीं चला पाता एक बार इस बात पर पंडिताइन झगड़ा कर लेती है और पंडित की बेज्जती कर घर से बाहर निकाल देती है। पंडित इसे अपनी बेइज्जती समझ आत्महत्या करने के लिए चले जाते। जंगल में उन्हें एक हंस मिलता है और वह उन्हें भजन गाने की एवज में एक खजाने का पता देता है। जो की एक शेर की गुफा होती है किंतु पंडित थोड़ा सा धन लेकर चले जाते हैं, जब इस बात का पंडिताइन को पता चलता है तो बड़ी नाराज होती है और फिर से जंगल जाने के लिए कहती है, पंडित दोबारा हंस के पास जाते है तो वहां हंस की जगह एक कौवा मिलता है वो पंडित को गुफा से सारा धन ले जाने के लिए कहता है। किंतु जैसे ही पंडित गुफा में जाते है तो वहां शेर आ जाता है और उन्हें मार कर खा जाता है और पंडित की मृत्यु हो जाती है। इस नाटक में वरिष्ठ रंग कमी मनोज स्वामी, रेनू सनाढ्य, अर्जुन देव, धृति शर्मा, जिवतेश शर्मा ने अपने पात्रों को जीवंतता से जी कर अभिनय की दर्शकों पर छाप छोड़ी। नाटक में भजन कलाकार आनंद पुरोहित ने अपने भजनों से नाटक को ऊंचाइयां दी। मजीरे पर आयुष पुरोहित सहयोगी कलाकार योगेश शर्मा रहे। कार्यक्रम में खुश खरीद की देवेंद्र सिंघवी की ओर से कलाकारों को स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए।

■ नाद सोसायटी के रंगमंडल द्वारा अनिल मारवाड़ी द्वारा लिखित और निर्देशित ढुढाडी भाषा का नाटक चोखा की आस का सफल मंचन किया गया।

राजस्थान शिक्षक संघ के विजेन्द्र खटाना बने अध्यक्ष

गंगापुर सिटी । राजस्थान शिक्षक संघ (सियाराम) जिला गंगापुर सिटी की जिला कार्यकारिणी का चुनाव शनिवार को पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गंगापुर सिटी में हुए। मुख्य संरक्षक व प्रांतीय प्रशासनिक सदस्य सियाराम शर्मा ने बताया कि जो भी व्यक्ति संघ और शिक्षकों की हित में कार्य करेगा उसके लिए संघ हमेशा लडने के लिए तैयार हैं, उसके खिलाफ कोई भी कार्रवाई यदि उच्च अधिकारी करते हैं तो उसके प्रति हम हमेशा खडे रहेंगे। निर्वाचन अधिकारी रामलाल वैष्णव और सहायक निर्वाचन अधिकारी सुरेश शर्मा ने बताया कि संरक्षक के पद पर जगदीश नारायण मिश्र, सभा अध्यक्ष पद के लिए करण सिंह मीणा, उपसभा अध्यक्ष जयप्रकाश शर्मा, अध्यक्ष पद पर विजेंद्र सिंह खटाना, कार्यकारी अध्यक्ष चंद्रप्रकाश गर्ग, प्रारंभिक शिक्षा उपाध्यक्ष भाग सिंह बैंसला, माध्यमिक शिक्षा उपाध्यक्ष सुरेश चंद्र गर्ग, महिला उपाध्यक्ष कविता जांगिड, मंत्री रामबाबू शर्मा, महिला मंत्री ज्योति वैष्णव, कोषाध्यक्ष पद पर गोपाल लाल गुप्ता, ऑडिटर पद पर बनवारी लाल मित्तल, प्रवक्ता देवेंद्र सिंह गुर्जर के रूप में निर्वाचित किया गया। सदस्य रूप में सदस्य प्रिंसिपल मुकेश कुमार मीणा, सदस्य वरिष्ठ अध्यापक महेशचंद शर्मा, सदस्य अध्यापक महेशलाल शर्मा, सदस्य पंचायत राज दिगंबर सिंह, सदस्य शारीरिक शिक्षक जसवंतसिंह राजपूत, सदस्य प्रयोगशाला सहायक दीपेंद्र सिंह मंगावा, प्रयोगशाला सदस्य दिनेश कुमार गोयल, सदस्य सेवानिवृत्त शिक्षक कृपाशंकर उपाध्याय, संगठन मंत्री मुरारी लाल मीणा, छोटा भीम महिला संगठन मंत्री, संयुक्त मंत्री गिरीश कुमार गुप्ता, क्षेत्रीय संगठन मंत्री रामसहाय मीणा, कार्यालय मंत्री भगवान सहाय सैनी को निर्विरोध निर्वाचित किए गए।

जीतेश मीना गिरफ्तार

करौली(नि.स.)। चोरी किये कपडे माल मशरूका बरामद थाना सदर हिण्डौन 13 अप्रेल 2024 को दलजीतसिंह उर्फ चीकू पुत्र सुरेशचन्द जाति मीना निवासी कटकड थाना सदर हिण्डौन जिला करौली ने उपस्थित थाना होकर एक रिपोर्ट इस आश्य की पेश कि 11अप्रेल 2024 की रात्रि को अज्ञातजन द्वारा दुकान के पीछे कि दीवार तोडकर रेडीमेट कपडे,जूता,चप्पल व लगभग नकद 6 हजार रूपये व डी जे की दो मशीन जिन्हे अज्ञातजन चुराकर ले गये।जिसका हिण्डौन सदर थाने पर मुकदमो दर्ज है। सदर थाना हिण्डौन कि पुलिस टीम ने आसूचना पर आरोपी जीतेश पुत्र रमसी उम्र 30 जाति मीना निवासी बीचकापुरा कटकड को गिरफ्तार किया।

जवाहर सिंह बेढम खिलाड़ियों को बधाई दी

डीग (निस)। 68वी राष्ट्रीय विद्यालयी खेल कूद तीरंदाजी 19 वर्ष छात्र छात्रा प्रतियोगिता 2024-25 स्पोर्ट्स ऑथोरिटी ऑफ गुजरात कॉम्पलेक्स नडियाद गुजरात में चीफ डे मिशन गंगा सिंह गुर्जर डिप्टी फिजिकल भरतपुर संभाग भरतपुर के कुशल नेतृत्व में राजस्थान के तीरंदाजो ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एक स्वर्ण, 5 रजत तथा 7 कांस्य पदक जीतकर राजस्थान को गौरवान्वित किया। कम्पाउण्ड चटीम बालक वर्ग में योगेश जोशी, विशाल चौधरी, गौरव विरेन्द्र, ललित कुमार ने ब्रॉन्ज मेडल जीते। कम्पाउण्ड टीम बालिका वर्ग में कियारा, भव्या, अन्वी, सुहाना ने ब्रान्ज मेंडल जीते। इण्डियन राउंड टीम बालक वर्ग में पवन कुमावत, रामदेव धोबी, प्रमोद, हिमांशु ने ब्रान्ज मेंडल जीते। रिकर्व टीम बालक वर्ग' में अयांश विश्नोई, कृष कुमार, नरेंद्र जाट, अजय कुमार नागरवाल ने सिल्वर मेडल जीते। व्यक्तिगत स्पर्धा में कृष कुमार ने 70 मीटर में सिल्वर, 50 मीटर में सिल्वर, 30 मीटर में ब्रॉन्ज जीता। रिकर्व व्यक्तिगत स्पर्धा में प्रांजल ठोलिया ने 70 मीटर में ब्रॉन्ज, 60 मीटर में ब्रॉन्ज, 50 मीटर में सिल्वर, 30 मीटर में सिल्वर इस प्रकार कुल एक स्वर्ण पदक, 5 रजत पदक व 7 कांस्य पदक जीते।

भाजपा के सदस्यता अभियान को लेकर बैठक आयोजित

सदस्यता अभियान को लेकर कार्यकर्ताओ को संबोधित करते पूर्व विधायक।

गंगापुर सिटी । जयपुर बाइपास पर पूर्व विधायक मानसिंह गुर्जर के निवास पर भाजपा के संगठन पर्व 2024 के अंतर्गत सदस्यता अभियान को लेकर बैठक आयोजित की गई। जिसमें भाजपा पदाधिकारी-कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस दौरान भाजपा के सदस्यता अभियान को लेकर समीक्षा की गई। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि गंगापुर सिटी शहर मंडल में ऑनलाइन सदस्य 1539, ऑफलाइन सदस्य 1757, ग्रामीण मंडल में ऑनलाइन सदस्य 300, ऑफलाइन 2550 वजीरपुर मंडल में ऑनलाइन सदस्य 95, ऑफलाइन सदस्य 1842, तलावडा मंडल में ऑनलाइन 165 और ऑफलाइन 3311 सदस्य बने। इस तरह भाजपा के सदस्यता अभियान में कुल 2099 ऑनलाइन जबकि 9405 ऑफलाइन सहित कुल 11 हजार 559 भाजपा के सदस्य बनाए गए। पूर्व विधायक मानसिंह गुर्जर ने मौजूदगी सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि अब सभी को मिलकर भाजपा परिवार को और विशाल करना है, जिसके लिए हम सभी को कडी मेहनत के साथ सदस्यता अभियान में शामिल होकर अधिक से अधिक आमजन को भाजपा की विचारधारा से परिपूर्ण कर सदस्य बनाकर भाजपा की विचारधारा से जोडना है। इस मौके पर सभापति शिवरतन अग्रवाल ने बताया कि भाजपा का सदस्यता अभियान देशव्यापी है। यह अभियान 2047 में विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने के लिए चलाया जा रहा है। उन्होंने आ ान किया कि घर-घर जाकर लोगों को सदस्यता अभियान से जोडे। पूर्व जिला महामंत्री मनोज बंसल ने बताया कि भाजपा है तो भरोसा है, भाजपा है तो गारंटी है। भाजपा सरकार में देश और प्रदेश में खुशहाली है। भाजपा सरकार में महिला, किसान, नौजवान, गरीब, व्यापारी सुरक्षित और निडर है।

सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन

भरतपुर (निस)। शनिवार को पूर्व नगर निगम पार्षद नीतू मौसी किन्नर के द्वारा 13वां सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन अभिनन्दन मैरिज होम पर किया गया। जिले में यूं तो कई सामाजिक संगठनों के द्वारा सामूहिक विवाह समारोहों का आयोजन कर शादियां कराई जाती है। जिनमें कई संस्थाएं जरूरतमंद बेटियों की शादी के आगे बढकर उनकी शादी कराती हैं। जिनमें सरकार के द्वारा भी सहयोग दिया जाता है। लेकिन नगर निगम की पूर्व पार्षद नीतू मौसी के द्वारा जिस पर गंगा जमुनी तहजीब की मिसाल दी जाती है। जिसमें वे किसी भी भामाशाह व सरकार से आर्थिक सहायता नहीं लेती है। उनके द्वारा अपनी राशि से जरूरतमंद बेटियों की शादी कराई जाती है। साल भर में जजमानों के घर से जो भी बधाई मिलती है उसका 80: गरीब कन्याओं की शादी में खर्च कर देती है। नीतू मौसी के द्वारा हर वर्ष एक ही मंडल के नीचे हिन्दू व मुस्लिम बेटियों की शादियां कराई जाती है। नीतू मौसी अब तक 13 सामूहिक विवाह समारोहों के दौरान 130 गरीब हिंदू व मुस्लिम बेटियों की शादी करवा चुकी हैं। सामूहिक विवाह समारोह में उनके द्वारा कन्या को 5 तोला सोना, चांदी की बिछिया, तोड़िया, हाथ की घड़ी, फ्रिज, कूलर बैड सहित 51 बर्तन के साथ गृहस्थी का पूरा सामान दिया जाता है। विवाह सम्मेलन की सबसे खास बात यह है कि एक ही विवाह मंडप में वैदिक मंत्र और निकाह की आयतें गूंजती हैं। इस मौके पर शहर के लोगों के द्वारा भी सामूहिक विवाह समारोह में कन्याओं को अपनी और से तोहफा देकर कन्यादान कर वर वधू को आशीर्वाद दिया जाता है।

हजारों दीपकों की रोशनी से झिलमिलाया माता का मंदिर

करौली। (नि.स.)। करनपुर वाली गुमानो माता के दरबार में भव्य कार्यक्रम आयोजित हुआ इस दौरान हजारों दीपकों की रोशनी से माता का मंदिर प्रांगण झिलमिला उठा वहीं माता को छप्पन भोग लगाकर फूल बंगला कि झांकी सजाते हुए रात भर देवी जागरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मां करणपुर गुमानो दीपदान सेवा समिति करौली के तत्वाधान में करनपुर वाली गुमानो माता के दरबार में विशाल दीपदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया इस दौरान करौली से पहुंचे सैकड़ो की संख्या में महिला पुरुष मां भक्तों ने माता के मंदिर प्रांगण में दीप प्रज्वलित कर अपनी मनौतिया मांगी इस दौरान हजारों दीपकों कि रोशनी से पूरा मंदिर प्रांगण झिलमिला उठा वही समिति के तत्वाधान में माता रानी के मंदिर को फूल बंगला कि झांकी से सजाकर छप्पन भोग लगाए गए एवं करौली वालों की धर्मशाला में देवी जागरण व भंडारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जागरण कार्यक्रम में श्रीजी म्यूजिकल ग्रुप के कलाकार अंकेश पाराशर ने गणेश वंदना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया इसके बाद माता कि भेंट,भजन और लांगुरिया की प्रस्तुति के दौरान श्रद्धालु अपने स्थान पर खड़े होकर ठुमके लगाने लगे और जमकर तालियां बटोरी जागरण कार्यक्रम प्रातः 5:00 बजे आरती के साथ संपन्न हुआ। इस दौरान भक्तों को लड्डू की प्रसादी का वितरण किया गया गुमानो माता के मंदिर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान हजारों की संख्या में श्रद्धालु माता रानी के दर्शन करने पहुंचे जहां पूरा मंदिर प्रांगण श्रद्धालुओं से अटा नजर आया और चारों तरफ माता रानी के जयकारे गूजते रहे इस दौरान समिति के रेवती प्रसाद शर्मा, हरि काका तंबोली, आकाश भगत, कैलाश शर्मा, महेश उपाध्याय,सुमित गर्ग,चंचल जागा,रवि बजाज,कैला'ा शर्मा के अलावा अन्य पदाधिकारी सदस्य उपस्थित रहे।

प्रेस दिवस मनाया

करौली(नि.स.)। जिला मुख्यालय पर शनिवार को अग्रसेन आदर्श उच्च माध्यमिक विद्यालय फूटाकोट पर प्रेस दिवस मनाया गया कार्यक्रम प्रातः 11:00 बजे आरंभ हुआ। वरिष्ठ पत्रकार नेमीचंद शर्मा और शिव कुमार शर्मा हरदैनियां ने मां सरस्वती और महात्मा गांधी के चित्रपट्ट पर पुष्पाहार चढा दीप प्रज्वलित करके किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय स्टाफ ,व्यवस्थापक रामदयाल व्यास और जिला मुख्यालय के पत्रकारों का माला पहनाकर स्वागत किया गया।

कार्यक्रम के संयोजक शिवकुमार शर्मा हरदैनियां ने बताया कि आजादी से पूर्व पत्रकार दिन में सोते-रात को जागते थे तब जाकर अंग्रेजों को भगाया जा सका स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद 1966 से प्रेस दिवस 16 नवंबर को मनाया जाने लगा पत्रकार धर्मेंद्र शर्मा ने छात्र व छात्राओं से समाचार चैनल देखने कि बात कही और प्रातः समाचार पत्र पढते रहने चाहिए इससे सामान्य ज्ञान का विकास होगा और प्रतियोगिताओं में सफलता प्राप्त करोगे। दिनेश शर्मा ने भी रोजाना ज्ञान का विस्तार, विकास के लिए टीवी चैनल,समाचार पत्रों के उपयोग करने पर जोर देते हुए कहा कि अपने क्षेत्र व मोहल्ले कि कोई समस्या हो तो समाचार पत्र कार्यालय में इसकी जानकारी अव'य देवें। विद्यालय कि प्राधानाचार्य श्रीमति अनीता गुप्ता ने एवं व्यवस्थापक रामदयाल व्यास ने भी छात्र-छात्राओं को समाचारों का प्रेस दिवस पर महत्व बताया कृष्ण गोपाल शुक्ला पत्रकार,विवेक चतुर्वेदी, अभय कुमार शास्त्री जिला अध्यक्ष अंतर्राष्ट्रीय ब्राह्मण महासंगठन करौली,अखिलेश भारद्वाज, राहुल प्रजापत,महेंद्र कुमार एवं समस्त विद्यालय स्टाफ,छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

प्रशिक्षण शिविर प्रारंभ

भरतपुर (निस)। राजकीय वरिष्ठ उपाध्याय संस्कृत विद्यालय में तीन दिवसीय योग आधारित प्रशिक्षण शिविर रविवार से प्रारंभ हुआ। यह प्रशिक्षण 19 नवम्बर तक चलेगा। प्रशिक्षण के प्रथम दिन रविवार को भारतीय शिक्षण मण्डल जयपुर प्रांत के प्रांतीय सम्पर्क प्रमुख अनिल भारद्वाज, राजस्थान मुख्य प्रशिक्षक योगाचार्य देवेन्द्र भारद्वाज, प्रशिक्षण कार्यक्रम के अध्यक्ष रघुनाथ सिंह द्वारा सर्वप्रथम मां शारदे की तस्वीर पर माल्यार्पण व दीप प्रज्जवलन किया एवं मां शारदे की वन्दना की गई।

आम सूचना

हर आम एवं खास को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्रीमती कुसुमा पत्नी श्री अशोक कुमार जो कि मकान जो वार्ड नं. 20 सेड का मद पुराना भरतपुर, बनाप 2385 वर्गफीट है। सर्वप्रथम उक्त मकान का पट्टा जो कि नगर पालिका भरतपुर, द्वारा श्री निनुआराम पुत्र श्री तुलीया के हक में दिनांक 22.12.1966 को जारी किया। तत्पश्चात् श्री निनुआराम पुत्र श्री तुलीया द्वारा जरिये पंजीकृत ने वसीयतनामा दिनांक 06.06.1992 को अपनी पुत्र की पत्नी श्रीमती चंद्रवती पत्नी श्री मदनलाल के पक्ष में कर दिया गया जो कि उप पंजीयक भरतपुर में क्रम संख्या 45 में पंजीबद्ध किया है तथा उक्त पट्टा कही खो चुका है। तत्पश्चात श्री निनुआराम पुत्र श्री तुलीया का स्वर्गवास हो चुका है। तत्पश्चात श्रीमती चंद्रवती पत्नी श्री मदनलाल द्वारा उक्त भूखण्ड को जरिये पंजीकृत बयनामा दिनांक 22.05.2008 से श्रीमती कुसुमा पत्नी श्री अशोक कुमार को विक्रय कर दिया जो कि उप पंजीयक भरतपुर में क्रम संख्या 2008002398 में पंजीबद्ध किया है। तत्पश्चात् नगर पालिका भरतपुर, द्वारा श्रीमती कुसुमा पत्नी श्री अशोक कुमार के हक में नाम हस्तांतरण नं. 3539-541 दिनांक 28.07.2021 को जारी किया। उक्त सम्पत्ति पर मेरे श्रीमती कुसुमा पत्नी श्री अशोक कुमार Cholamandalam Investment & Finance Company Limited से ऋण प्राप्त कर रहे है। यदि उक्त सम्पत्ति, खोए हुए दस्तावेज, वारिसान, हकत्याग, बेचान बाबत् किसी भी व्यक्ति, बैंक व वित्तीय संस्था को कोई भी आपत्ति हो तो 7 दिन के अन्दर-अन्दर मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता से नीचे लिखे पते पर सम्पर्क करें अन्यथा बाद गुजरने याद कोई भी आपत्ति मान्य नहीं होगी व सो सूचित रहे।

मुकुंद पंचारिया (एडवोकेट)
711, सातवां तल, एलिमेन्ट्स मॉल, DCM, अजमेर रोड, जयपुर मो. 9829290229
दिनांक 16.11.2024

बिना फायर एन.ओ.सी. चल रही डायपर फैक्टरी में आग लगी, 18 करोड़ का नुकसान

मनोहरपुर की मंगलम कॉलोनी के पास करीब ढाई बीघा जमीन में 14 महीने पूर्व बच्चों के डायपर और सैनेटरी नैपकिन बनाने की फैक्टरी लगी थी

मनोहरपुर, (निसं)। थाना क्षेत्र के मंगलम कॉलोनी में स्थित हाइजीन प्रोडक्शन प्राइवेट लिमिटेड डायपर और नैपकिन फैक्टरी में शनिवार दोपहर में अचानक शार्ट सर्किट होने से आग लग गई। आग लगने से फैक्टरी में रखा 18 करोड़ रुपए का सामान जलकर राख हो गया है। पालिका क्षेत्र में करीब 40 से 50 फैक्टरी संचालित हैं। पर इनपर कार्यवाही नहीं होने के कारण इनके हौसले बुलंद हैं। जानकारी के अनुसार करीब 40 वर्कर फैक्टरी में कार्य करते हैं तो 20 हजार लीटर का टैंक होना जरूरी हैं।

जानकारी अनुसार मंगलम कॉलोनी के पास करीब ढाई बीघा जमीन में नागौर निवासी अशोक कुमार चौधरी ने करीब 14 महीने पूर्व बच्चों के डायपर और सैनेटरी नैपकिन की फैक्टरी लगा रखी है। जानकारी अनुसार फैक्टरी मालिक ने फैक्टरी संचालित तो कर दी, पर 14 महीने बीतने के बाद भी एनओसी नहीं ली। फैक्टरी के पास न तो फायर एनओसी थी और ना ही मिट्टी की बाल्टी, पाइप लाइन भी उपलब्ध नहीं है। शुक्रवार को फैक्टरी में करीब 10 करोड़ की नई मशीनें आई थी, जिनको लगाने का कार्य चल रहा था। वहीं फैक्टरी में नियमित रूप से चल रहा प्रोडक्शन का कार्य भी चल रहा था, जिसमें करीब 40 से 45 मजदूर कार्य कर रहे थे। इसी दौरान करीब 11.45 बजे अचानक शॉर्ट सर्किट होने से तार कच्चे सामान पर गिर गया, जिसके बाद फैक्टरी में लगे सभी तारों ने आग पकड़ ली। आग लगने से फैक्टरी में अफरा तफरी मच गई और सभी मजदूर जान बचाकर बाहर भाग गए। वहीं फैक्टरी में फायर सिस्टम नहीं होने से पास ही इन्हीं की पास स्थित दूसरी फैक्टरी से हैंड फायर सिस्टम लाया गया। जब तक उससे आग बुझाने का प्रयास किया जाता आग ने विकराल रूप ले लिया। बाद में फैक्टरी मलिक ने मामले की सूचना थाना पुलिस और फायर ब्रिगेड को दी और मौके पर बुलाया गया, लेकिन जब तक शाहपुरा से दमकल पहुंचती आग ने पूरी तरह से फैक्टरी को अपनी गिरफ्त में ले लिया।

जयपुर, शाहपुरा, आमेर, चौमूं, कोटपुतली, विराटनगर सहित कई स्थानों से दमकल को बुलवाकर आग पर काबू पाने का प्रयास किया।

आग की सूचना पर तहसीलदार मनोहरपुर नीलम राज, पुलिस उपाधीक्षक शाहपुरा मुकेश चौधरी, थाना प्रभारी राजेंद्र यादव, हल्का पटवार संघ के कार्मिक मौके पर पहुंचे और विभिन्न स्थानों से 10 दमकलों और 4 टैंकरों को बुलाकर आग पर काबू पाने का प्रयास किया गया। किंतु देर शाम तक भी आग पर काबू नहीं पाया गया और फैक्टरी में करीब 10 करोड़ की मशीन सहित करोड़ों का कच्चा सामान जलकर राख हो गया। आग की भयावहता इतनी तेज थी कि करीब 10 किलोमीटर दूर से भी धुएं का गुबार दिखाई दे रहा था।

कई स्थानों से बुलवाई दमकल :- इस दौरान मौके पर जयपुर, शाहपुरा, आमेर, चौमूं, कोटपुतली, विराटनगर सहित कई स्थानों से 10 दमकल गाड़ियों को बुलवाकर आग पर काबू पाने का प्रयास किया गया। इस दौरान पानी की उचित व्यवस्था नहीं होने से पांच पानी के टैंकर भी मंगवाए गए। दमकल और टैंकरों ने करीब 31 फेरे करने के बाद भी आग नहीं बुझ पाई। घटना की जानकारी मिलने पर तहसीलदार शाहपुरा नीलम राज, विधायक मनीष यादव, भाजपा नेता उपेन यादव, पूर्व विधायक आलोक बेनीवाल, कांग्रेस प्रदेश सचिव प्रवीण व्यास, पालिका अध्यक्ष सुनीता प्रजापत, गिरदावर रामगोपाल जाट, पटवारी राजेन्द्र गुर्जर घटना स्थल पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली।

दमकल की कमी खली :- मनोहरपुर को नगरपालिका में क्रमोन्नत तो की दिया गया किंतु पालिका में फायर ब्रिगेड की गाड़ी नहीं होने से हर बार आग लगने पर शाहपुरा से दमकल मंगवानी पड़ती है। जब तक दमकल मौके पर पहुंचती है तब तक सब कुछ जल जाता है। ग्रामीणों ने विधायक मनीष यादव को अवगत करवाकर शाहपुरा में खड़ी रहने वाली दमकलों में से एकदम क मनोहरपुर में खड़ी करवाने की मांग की। ग्रामीणों ने कहा यदि मनोहरपुर नगरपालिका में फायर ब्रिगेड की गाड़ी होती तो समय रहते आग पर काबू पाया जा सकता था।

तहसीलदार ने कहा कि सोमवार तक सभी फैक्टरी संचालकों को नोटिस थमाया जाएगा। डायपर फैक्टरी सहित कई फैक्टरी में फायर सिस्टम नहीं होने की जानकारी मिली और वहीं फैक्टरी में फायर सिस्टम नहीं होने से आग बेकाबू हो गई जिस पर देर शाम तक भी काबू नहीं पाया जा सका।

नायब तहसीलदार निगम रजनी बताया कि मालिकों को नोटिस देकर उनसे फैक्टरी में फायर सिस्टम और फायर एनओसी के बारे में जानकारी ली जाएगी। जिनके पास फायर सिस्टम नहीं पाया जाएगा उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

फैक्टरी में काम करने वाले यूनिस खान और खोजावाला निवासी उगंता देवी ने बताया कि कार्य करने के दौरान शार्ट सर्किट से अचानक तर टूटकर कच्चे मटेरियल पर गिर गया। जिसने आग पकड़ ली। बाद में फैक्टरी के चारों तरफ तारों में भी आग लग गई। जिसके बाद श्रमिकों में भगदड़ मच गई। उन्होंने बाहर निकालकर मलिक को मामले की सूचना दी जिसके बाद हैंड फायर सिस्टम से आग बुझाने का प्रयास किया लेकिन आग पर काबू नहीं पाया गया। कार्य करने वाले कर्मियों ने भाग कर अपनी जान बचाई।

- अचानक शॉर्ट सर्किट होने से तार कच्चे सामान पर गिर गया, जिसके बाद फैक्टरी में लगे सभी तारों ने आग पकड़ ली
- आग की भयावहता इतनी तेज थी कि करीब 10 किलोमीटर दूर से भी धुएं का गुबार दिखाई दे रहा था

पचास लाख की फिरौती मांगने वाले तीन गिरफ्तार

बीकानेर, (निसं)। एक व्यक्ति से पचास लाख रुपए की फिरौती मांगने के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन जनों को गिरफ्तार कर लिया है। इसमें मुख्य अभियुक्त को महाराष्ट्र के पुणे से गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार सात नवम्बर को बीकानेर के एक शख्स को छह नवम्बर को रात करीब पौने ग्यारह बजे कॉल आया। व्हाट्सएप कॉल पर पचास लाख रुपए की फिरौती मांगी गई। परिवादी ने पुलिस को बताया कि 6 नवम्बर को रात में करीब10.46 बजे मुझे अज्ञात नम्बरों से व्हाट्सएप कॉल आया व मैसेज आया। 7 नवम्बर को सुबह करीब 8.54 बजे मुझे उसी व्हाट्सअप नम्बर से फिर व्हाट्सअप कॉल आया। फिर मुझे उसने बोला कि 50 लाख रुपए दो, नहीं तो तुझे और तेरे परिवार को गोलियों से उड़ा दिया जायेगा। तुम्हारे पास सिर्फ 24 घंटे का समय है। परिवादी ने पुलिस को बताया कि मुझे और मेरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी गई। उक्त रिपोर्ट पर पुलिस थाना हदां में मामला दर्ज किया गया। घटना की गम्भीरता को देखते हुए एसपी कावेन्द्र सिंह सागर और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण कैलाश सांदू के निर्देशन में कॉल करने वालों की पड़ताल की गई। कोलायत वृताधिकारी संग्रामसिंह थानाधिकारी हंदा ओमप्रकाश उनि और एएसआई दीपक यादव के नेतृत्व में साईबर सैल व पुलिस थाना हदां की अलग-अलग टीमों का गठन किया गया। पुलिस की टीमों ने पूर्व में चालानशुदा अपराधियों की कुंडली खंगाली। संदिग्ध व्यक्तियों पर तकनीकी रूप से कार्य किया व बदमाशों को चिन्हित किया गया। अनुसंधान में पुलिस को महत्वपूर्ण सुराग मिले। हदां थानाधिकारी ओमप्रकाश ने सतपाल उर्फ सतु को पुणे (महाराष्ट्र) से तथा लालसिंह व विक्रम को बीकानेर से गिरफ्तार किया। मुख्य मुल्जिम सतपाल उर्फ सतु की ईतला पर एक अवैध पिस्टल बरामद की गई।

पूछताछ के दौरानकई महत्वपूर्ण तथ्य सामने आये कि परिवादी से व्हाट्सअप कॉल कर डरा-धमका कर रूपये हड़पना चाहते थे। उन पैसों से मौज मस्ती करनी थी। परिवादी के घर की रैकी भी की गई थी। लालसिंह व सतपाल उर्फ सतु पर पूर्व में फायरिंग व आर्म्स एक्ट के भी प्रकरण दर्ज है। पुलिस ने इस मामले में सतपाल उर्फ सतु पुत्र बस्तीराम बिश्नोई निवासी खिंदासर पीएस हदां जिला बीकानेर, लालसिंह पुत्र मांगूसिंह राजपूत निवासी खिंदासर पीएस हदां जिला बीकानेर और विक्रम पुत्र करणाराम आचार्य निवासी खजोड पीएस हदां जिला बीकानेर को गिरफ्तार किया है।

- व्हाट्सअप कॉल से धमकी मिली थी कि 50 लाख रुपए दो, नहीं तो तुझे और तेरे परिवार को गोलियों से उड़ा दिया जायेगा
- पुलिस ने सतपाल उर्फ सतु को पुणे (महाराष्ट्र) से तथा लालसिंह व विक्रम को बीकानेर से गिरफ्तार किया

हिरण का शव मिलने से ग्रामीणों में आक्रोश

सूरतगढ़, (निसं)। इलाके में एक बार फिर हिरण शिकार की कोशिश का मामला सामने आया है। देर रात को गोपालसर गांव के रोही के चक 3 आरजेएम में ग्रामीणों ने हिरण का शव देखा और इसकी सूचना जीवरक्षा प्रेमियों को दी। सूचना मिलते ही जीवरक्षा के जिला अध्यक्ष मुकेश सुथार सहित अन्य वन्यजीव प्रेमी मौके पर पहुंचे।

जीवरक्षा प्रेमियों की सूचना पर वन विभाग के अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंचे। विभाग की टीम ने मृत हिरण के शव को उठाने का प्रयास किया, लेकिन इस पर स्थानीय ग्रामीण आक्रोशित हो गए और उन्होंने इसका विरोध किया। इसके बाद विवाद बढ़ गया और मामला हाथापाई तक पहुंच गया। ग्रामीणों ने मृत हिरण की पीठ पर गोली लगने की आशंका जताते हुए शव को उठाने नहीं दिया। वहीं, वन विभाग के अधिकारियों का कहना था कि मृत हिरण के शव का पोस्टमॉर्टम कराए जाने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि गोली लगी थी या नहीं। घटना की जानकारी मिलने के बाद राजियासर थाना पुलिस भी रात करीब 11 बजे मौके पर पहुंची और वन्यजीव प्रेमियों और ग्रामीणों से समझाइश की। हिरण के शिकार की आशंका को लेकर वन्यजीव प्रेमियों में आक्रोश था। वहीं, मौके पर मौजूद ग्रामीण वन विभाग के अधिकारियों से इस मामले में सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे थे।

नाबालिग का अपहरण, पंचायत भवन परिसर में सामूहिक दुष्कर्म

ग्रामीणों ने दो दुष्कर्मियों को पकड़ा, तीसरा फरार हुआ

बीकानेर, (निसं)। जिले में श्रीडूंगरगढ़ के एक गांव में तीन बदमाश 13 साल की लड़की को घर से उठाकर ले गए और पंचायत भवन परिसर के सुनसान इलाके में सामूहिक दुष्कर्म किया। ग्रामीणों ने दो बदमाशों को मौके पर पकड़ लिया, लेकिन तीसरा फरार हो गया।

श्रीडूंगरगढ़ के एक गांव में रहने वाले पति-पत्नी देशनोक में करणी माता की ओरण परिक्रमा में गए थे। घर पर उनकी 13 साल की पुत्री और बच्चे ही थे। आरोप है कि रात को करीब नौ बजे गांव के ही भागीरथ जाट, पूनमचंद जाट व मोटर पार्ट्स का काम करने वाला रमेश कुम्हार घर में घुस गए और नाबालिग लड़की को अकेला देखकर उसका मुंह बांधकर उठा ले गए। घर के पास ही पंचायत भवन परिसर की चारदीवारी में सुनसान जगह ले जाकर लड़की से सामूहिक दुष्कर्म किया। लड़की ने शोर मचाया तो राहगीरों ने पड़ौसियों को बताया। ग्रामीण मौके पर पहुंचे तो वहां दो बाइक खड़ी मिली। ग्रामीणों ने घेराबंदी की तो पूनमचंद मौके से फरार हो गया, जबकि भागीरथ और रमेश पकड़े गए। इत्तला मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंच गई और आरोपियों को हिरासत में लिया। करीब 10 बजे पीड़िता के माता-पिता भी पहुंच गए। पीड़िता डरी हुई थी। सुबह उसने अपने परिजनों को पूरा घटनाक्रम बताया। उसके पिता की ओर से श्रीडूंगरगढ़ पुलिस थाने में मुकदमा दर्ज करवाया गया है।

एसएचओ इन्द्रकुमार ने बताया कि पीड़िता का मेडिकल करवाया गया है। घटनास्थल की एफएसएल से जांच कराई गई है। हिरासत में लिए दोनों आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। आरोपियों की दो बाइक जब्त कर ली है। फरार पूनमचंद को पकड़ने के लिए पुलिस की टीमों को भेजा गया है। मामले की जांच सीओ निकेत पारीक करेंगे।

141 किलो डोडा-चूरा पकड़ा, जोधपुर के दो युवक गिरफ्तार

बिना नंबरी टाटा टैंपो के पीछे ट्रॉली में बनाये गुप्त चैंबर में रखा था डोडा

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले की मंगरोप थाना पुलिस ने बिना नंबरी टाटा टैंपो के पीछे ट्रॉली में बनाये गये गुप्त चैंबर से तस्करी कर जोधपुर ले जाया जा रहा 141.890 किलोग्राम डोडा-चूरा पकड़ा है। इस मामले में जोधपुर के दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया है।

मंगरोप थाना प्रभारी डॉ. विवेक हरसाना ने चित्तौड़गढ़-भीलवाड़ा हाइवे पर विशेष अभियान के तहत मंडपिया स्टेशन पर नाकाबंदी कर वाहनों की जांच शुरू की। इस दौरान पुलिस टीम ने चित्तौड़गढ़ की ओर से आये एक बिना नंबरी टाटा टैंपो को रोका। उसमें दो लोग सवार थे। पूछताछ में चालक ने खुद को जोधपुर जिले के कासती निवासी ओमाराम (25) पुत्र भगाराम जाट व उसके साथी ने खुद को सेवकीकलां निवासी राधेश्याम (22) पुत्र जोगाराम मेघवाल होना बताया। पुलिस ने टैंपो के पीछे बनी खाली ट्रॉली का निरीक्षण किया तो उसमें एक गुप्त चैंबर मिला, जिसमें डोडा-चूरा भरा था। पुलिस ने डोडा-चूरा कब्जे में लेकर वजन करवाया जो 141 किलो 890 ग्राम पाया गया। पुलिस ने डोडा-चूरा सहित टैंपो जब्त कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। इन आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया, जिसकी जांच पुर थाना प्रभारी जय सुल्तान सिंह को सौंपी गई है।

मंगरोप थाना पुलिस ने डोडा-चूरा सहित दो युवकों को गिरफ्तार किया।

सड़क किनारे खड़े ट्रक में मृत मिला चालक

मालपुरा, (निसं)। जयपुर-भीलवाड़ा स्टेट हाइवे के मालपुरा-केकड़ी सड़क मार्ग पर इंदोली के पास शनिवार की दोपहर सड़क किनारे एक ट्रक मे मृत अवस्था में मिले चालक के शव को पुलिस ने कब्जे में लिया।

लाम्बाहरिसिंह थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार शनिवार की दोपहर इंदोली के पास सड़क किनारे खड़ी एक आईसर गाड़ी में चालक के अचेतावस्था में पड़ होने की मिली सुचना पर तत्काल पुलिस टीम मौके पर पहुंची। एम्बूलेंस के पायलट औंकार चौधरी व ईएमटी राहुल शर्मा के सहयोग से पुलिस ने अचेत चालक को मालपुरा अस्पताल में भर्ती करवाया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने शव को मोर्चरी में रखवा गाड़ी के नम्बर के आधार पर गाड़ी मालिक की पहचान करते हुये गाड़ी जयपुर के झोटवाडा स्थित गौशाला की होना सामने आया। सुचना पर गौशाला संचालक व अन्य लोग तत्काल मालपुरा पहुंचे। जिन्होंने मृतक की पहचान श्याम विनोद पुत्र पुरूषोतम निवासी ग्राम घाटोली गोर्वधन गिरराजजी यूपी के रूप में की। गौशाला संचालकों ने बताया कि श्याम विनोद लम्बे समय से गौशाला की गाड़ी चला रहा था। प्रथमदृष्टया पुलिस ने चालक की मौत हृदयघात से होना मानते हुये मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ग्राम देवमाली पहुंची, भगवान देवनारायण के दर्शन किये

मसूदा, (निसं)। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने शनिवार को ग्राम देवमाली में भगवान देव नारायण के दर्शन कर देश व राज्य में खुशहाली की कामना की। मसूदा विधायक वीरेन्द्र सिंह कानावत के देवमाली ग्राम आने के न्यौता देने पर शनिवार को उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी देवमाली पहुंची, जहां उन्होंने ने देवमाली को बेस्ट टूरिस्ट विलेज बनाए जाने पर सभी को बधाई दी।

साथ ही गांव के बारे में जानकारी ली, जिस पर मसूदा विधायक वीरेन्द्र सिंह कानावत व बोर्ड के अध्यक्ष ओमप्रकाश भडाना ने उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी को गांव की परम्पराओं एवं गांव के बसाए जाने को लेकर जानकारी दी। साथ ही भगवान देव नारायण को दिए गए वचनों के बारे में एवं आज तक वचनों के निर्वाह करने की परंपरा से भी अवगत कराया। वहीं उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी से देवमाली के विकास के लिए पर्यटन की दृष्टि से विकसित करने के लिए रोप-वे बनाने सहित देवमाली गांव के विकास को लेकर चर्चा की गई। जानकारी के अनुसार देवमाली धाम में रोजाना हजारों की संख्या में देश व प्रदेश से श्रद्धालु पहुंचते हैं जिसको लेकर विधायक ने देवमाली में सुविधा बढ़ाने के लिए भी चर्चा की। इस दौरान प्रशासनिक अधिकारी सहित देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष एवं प्रकाश बढ़ाना भी मौजूद रहे। देवमाली में विकास को लेकर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया। उसके पश्चात उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने पहाड़ी पर बने मंदिर में भगवान देव नारायण के दर्शन कर देश एवं राज्य में खुशहाली की कामना की। इस दौरान सरपंच पूजा गुर्जर, पीरू गुर्जर, भाजपा मंडल अध्यक्ष योगेन्द्रसिंह राठौड़, मनोज जेथलिया, रावत उपमहासभा के अध्यक्ष विजय सिंह रावत, नारायणलाल गुर्जर, भंवर लाल गुर्जर, कुलदीप सामरिया, कुलदीप व्यास सहित कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ग्राम देवमाली में उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी के पहुंचने पर ग्राम की सरपंच पूजा गुर्जर ने उपमुख्यमंत्री का चुनरी ओढाकर स्वागत किया। वहीं महिलाओं ने उपमुख्यमंत्री के टीका लगाकर एवं गुड़ खिलाकर अभिनंदन किया। दीया कुमारी ने भंवरलाल गुर्जर के निवास पर देवमाली सरपंच पूजा गुर्जर के हाथों से बना भोजन खाया। भोजन में बाजरे की रोटी दाल, मिर्ची के गट्टे व छाछ आदि का सेवन किया और गाय के बछड़े को दुलार किया कहा ऐसा अदभुत नजारा देख खुशी जाहिर की। वहीं भगवान देव नारायण मंदिर परिसर के बाहर भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी को मसूदा विधायक वीरेन्द्र सिंह कानावत ने भगवान राम का चित्र भेंट कर स्वागत किया। इस दौरान भाजपा मंडल अध्यक्ष योगेन्द्र सिंह राठौड़, कुलदीप सामरिया, पीरू गुर्जर, मनोज जेथलिया एवं पार्षद जसराज पंवार सहित कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ग्राम देवमाली में उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने सरपंच पूजा गुर्जर के घर पर गाय के बछड़े को दुलार किया।

- उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने सरपंच के हाथों से बने खाने का लुफ्त उठाया
- उपमुख्यमंत्री ने देवमाली को बेस्ट टूरिस्ट विलेज बनाए जाने पर बधाई दी

चिकित्सा विभाग में 4088 पदों पर नियुक्ति आदेश जारी

महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता के 4008, हॉस्पिटल केयर टेकर के 32 एवं अनुकम्पा नियुक्ति के 48 पदों पर पदस्थापन आदेश जारी

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल एवं चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देशन में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग में विभिन्न पदों पर भर्तियों के कार्य को मिशन मोड में पूरा किया जा रहा है। इसी कड़ी में चिकित्सा विभाग ने महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता के 4008 पदों पर नियुक्ति प्रदान करते हुए पदस्थापन आदेश जारी किए। साथ ही, हॉस्पिटल केयर टेकर 32 पदों पर एवं 48 मृतक आश्रितों को विभिन्न पदों पर अनुकम्पा नियुक्ति दी गई है। इस प्रकार विभाग में 4088 पदों के लिए पदस्थापन आदेश जारी किए गए हैं।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने बताया कि विभाग में विभिन्न पदों पर भर्ती प्रक्रिया को गति दी गई है। वर्तमान सरकार के कार्यकाल में 8 हजार पदों पर नियुक्ति दी जा चुकी है। विभिन्न प्रक्रियाओं को पूरा करते हुए महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता के 4008 पदों के लिए पदस्थापन आदेश जारी किए गए हैं। अभ्यर्थियों को उनकी मेरिट के आधार पर आनलाइन काउंसलिंग के माध्यम से पूर्ण पारदर्शिता रखते हुए पदस्थापन किया गया है। इसी प्रकार हॉस्पिटल केयर टेकर के 32 पदों पर तथा संवेदनशील निर्णय लेते हुए 48 मृत्तक आश्रितों को नियुक्ति प्रदान की गई है। निदेशक अराजपत्रित राकेश कुमार शर्मा ने बताया कि विधानसभा उपचुनाव की आचार संहिता प्रभावी होने के कारण 7 जिलों के 533 अभ्यर्थियों के पदस्थापन आदेश बाद में जारी किए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि चिकित्सा विभाग में राज्य परिवार कल्याण संस्थान के माध्यम से 20 हजार 500 से अधिक पदों पर भर्ती का कार्य सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ पूरा किया जा रहा है।

बुजुर्ग महिला से पर्स छीना

जयपुर। जवाहर सर्किल थाना इलाके में घर लौट रही एक बुजुर्ग महिला से बाइक सवार दो बदमाशों ने पर्स छीन लिया। महिला के साथ मौजूद बेटी ने बदमाशों का पीछा करने की कोशिश की, लेकिन भाग निकले। महिला बेटी के साथ बाजार से सामान खरीदकर घर लौट रही थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर घटना स्थल और उसके आस-पास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। पुलिस के अनुसार पीडिता के पति अजय कांत खंडेलवाल ने बताया किपत्नी रजनी खंडेलवाल और उनकी बेटी तन्वी खंडेलवाल रात करीब 8 बजे बाजार से सामन खरीद कर घर लौट रही थी। दोनों ने कॉलोनी में पैदल गणेश मेडिकल वाली गली से प्रवेश किया। अचानक मोटर साइकिल सवार बदमाश तेज गति से निकले। उसने रजनी खंडेलवाल के हाथ से पर्स छीन ले गया। इस पर बेटी तन्वी ने काफी शोर किया।

विश्व में भारत का गौरव बढ़ा रहे हैं प्रवासी : देवनानी

विधानसभाध्यक्ष वासुदेव देवनानी से सिंगापुर में शनिवार को मारवाड़ी मित्र मंडल से मुलाकात की।

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी शनिवार को सिंगापुर में मारवाड़ी मित्र मंडल के प्रतिनिधियों ने मुलाकात की। देवनानी का प्रतिनिधिमंडल ने सिंगापुर आने के लिए आभार जताते हुए उनका अभिनंदन किया।

देवनानी ने मंडल के सदस्यों से सिंगापुर में सनातन संस्कृति के प्रकल्प, वहां के व्यवसाय में भारतीयों के योगदान, भारत एवं सिंगापुर के व्यापारिक संबंध, सिंगापुर में रह रहे लगभग 4.50 लाख भारतीय प्रवासियों के संदर्भ में विस्तार से चर्चा की।

> ■ 'अपने गांव शहर प्रदेश और देश में भी निभाएं भागीदारी'

इस अवसर पर मंडल के अध्यक्ष सुनील गर्ग, उपाध्यक्ष प्रकाश कुमार, पीके जैन, महेश पाटोदिया सहित मंडल के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। देवनानी ने कहा कि प्रत्येक देश में प्रवासी भारतीय अग्रणी रहकर महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। भारतीय प्रवासी भारत को पूरे विश्व में गौरवान्वित कर रहे हैं। देवनानी ने कहा कि प्रवासी भारतीयों पर पूरे राष्ट्र को गर्व है।

देवनानी ने कहा कि प्रवासी भारतीय अपने गांव शहर प्रदेश और देश के लिए भी कार्य करें। जब भी उन्हें समय मिले वह अपने राष्ट्र के लिए सक्रिय भागीदार बने। देवनानी ने कहा कि मारवाड़ी समाज के लोगों का अंतरराष्ट्रीय व्यापार में महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने कहा कि विभिन्न देशों में रह रहे मारवाड़ी समाज के लोग राइजिंग राजस्थान में आवश्यक रूप से भाग ले और अपनी जड़ों के लिए कर्तव्य निर्वहन पर सोचें।

पुलिस अफसर को दो सप्ताह में पदोन्नति दें : हाईकोर्ट

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रार्थी पुलिस निरीक्षक की पदोन्नति व सेवा परिलाभ के रेट के 15 महीने पुराने आदेशों की पालना नहीं करने को गंभीरता से लिया है। इसके साथ ही राज्य सरकार व पुलिस विभाग को आदेश की पालना के लिए दो सप्ताह का समय दिया है। ऐसा नहीं होने पर डीजीपी को हाजिर होकर यह बताने के लिए कहा है कि उन्होंने आदेशों की पालना क्यों नहीं की। जस्टिस एनएस ढड्डा ने यह निर्देश चन्द्र प्रकाश की अवमानना याचिका पर दिया।

मामले से जुड़े अधिवक्ता आशीष शर्मा ने बताया कि रेट ने प्रार्थी की अपील मंजूर किया था।

मुम्बई में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का राजू मंगोड़ीवाला के नेतृत्व में स्वागत

मुम्बई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मुम्बई आगमन पर होटल सेफटॉल बीकेसी में भाजपा व्यावसायिक प्रकोष्ठ राजस्थान के प्रदेश संयोजक राजू मंगोड़ीवाला के नेतृत्व में राजस्थान निवासी प्रवासियों व व्यवसायियों के साथ स्वागत व अभिनंदन किया।

राजस्थान के उत्थान व नव निर्माण में मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के राईजिंग राजस्थान कार्यक्रम हेतु पूरी दुनिया से प्रोजेक्ट व इन्फ्रास्ट्रक्चर आमंत्रित कर नई दिशा देने का कार्य कर रहे हैं। व्यावसायिक प्रकोष्ठ राजस्थान के प्रदेश संयोजक राजू मंगोड़ीवाला ने राजस्थानी पगड़ी व दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया।मुख्यमंत्री ने अपने का पाकर उत्साहित होकर सबका धन्यवाद दिया। इस अवसर पर मुम्बई के बड़े उद्योगपति राजू खंडेलवाल, नरेन्द्र मूंदड़ा, भूपेश खंडेलवाल, अशोक मूंदड़ा, विनोद कुम्बट, राजेश धानुका, महेश गुप्ता, बृज किशोर सौंखिया, विकास डंगायच, अखिल काला व अतुल लाडीवाला सहित सैकड़ों व्यवसायियों की उपस्थिति रही।

मोदी के संदेश से गहलोत और विपक्ष को क्यों है ऐतराज? : मदन राठौड़

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने अशोक गहलोत के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस ने आजादी के पहले भी देश को बांटने का काम किया और आजादी के बाद भी धर्म के आधार पर देश को बांट रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के 140 करोड़ देशवासियों को अपना परिवार मानकर "एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे" का संदेश दे रहे है, तो विपक्ष को इसमें दिक्कत क्या है? यह समझ से परे है। अगर देशवासी बटेंगे तो निश्चित रूप से राष्ट्र को हानि होगी। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस संदेश को कौन किस नजरिये से देख रहा है, यह उस पर निर्भर करता है सबका नजरिया अलग-अलग रहता है। भाजपा का नजरिया स्पष्ट है कि एक रहेंगे तो देश की एकता सुदृढ़ होगी और देश सुरक्षित रहेगा।

> ■ 'पीएम मोदी देश के 140 करोड़ देशवासियों को अपना परिवार मानकर ''एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे'' का दे रहे है संदेश'

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ शनिवार को प्रेस से रूबरू हुए।

मदन राठौड़ ने कहा कि राजधानी जयपुर में एक वर्ग विशेष के मौलवी गहलोत के सामने कह रहे थे कि हम सड़कों पर उतर आए तो रूह कांप जाएगी और गहलोत ने इसका विरोध नहीं किया। 15 मिनट पुलिस हटा दो जैसे बयान पर गहलोत और कांग्रेसी नेताओं ने प्रतिक्रिया नहीं दी। ऐसे में इन लोगों को भाजपा के "एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे" पर आपत्ति हो रही है। किसी भी राजनेता को इस तरह की हरकत शोभा नहीं देती। हमें उनके पढ़ोगे तो आगे बढ़ोगे के नारे से कोई दिक्कत नहीं है, हम इसे स्वीकार करते हैं लेकिन उन्हें हमारे देशवासियों के एक रहने से ऐतराज क्यों है? यह विरोध कांग्रेसी नेताओं की मानसिकता को दर्शाता है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि उपचुनावों में मैंने कार्यकर्ताओं के साथ प्रत्येक बूथ एवं मंडल पर जाकर देखा है, इसलिए सात में से सात सीटों पर जीत के दावें कर रहा हूं। विपक्ष कुछ बूथ या एक दो विधानसभा क्षेत्र में गए, इसलिए उन्हें वहां की रिपोर्ट मिली। राठौड़ ने कहा कि भाजपा में सदस्यता अभियान और चुनाव अभियान सतत प्रक्रिया है। भाजपा सदस्यता अभियान के बाद बूथ समिति का चुनाव होगा, इसके बाद मंडल और फिर जिला अध्यक्ष का चुनाव होगा। इसके बाद प्रदेश अध्यक्ष के लिए भी चुनाव होगा। यह सतत प्रक्रिया है। भाजपा में प्रत्येक कार्यकर्ता को काम मिलेगा और प्रत्येक काम के लिए कार्यकर्ता भी होगा।

महाराष्ट्र में अपने सभी वादे पूरे करेगी महायुति सरकार : भजनलाल शर्मा

मिरा भाईंदर/महाराष्ट्र। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2014 के बाद देश में आया अभूतपूर्व बदलाव हम सभी ने देखा है। चाहे गरीब कल्याण और विकास की योजनाएं हों, चाहे देश में आतंकवाद और नक्सलवाद का खात्मा हो या दुनिया में भारत का बढ़ता गौरव हो, हम सभी देशवासी इस परिवर्तन के साक्षी बनें हैं। इसीलिए जनता को मोदी जी तथा भाजपा पर पूर्ण विश्वास है और आने वाले समय में देश में लंबे समय तक स्थायी रूप से भाजपा का ही शासन रहेगा। उन्होंने कहा कि केन्द्र की मोदी सरकार और महाराष्ट्र में भाजपा गठबंधन की डबल इंजन की सरकार ने महाराष्ट्र और मुम्बई में अभूतपूर्व विकास कार्य कराए हैं। इसको इस बात से समझा जा सकता है कि राजस्थान से मुम्बई आने में लगने वाला समय भी अब घटकर काफी कम हो गया है।

शर्मा ने शनिवार को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के तहत मुम्बई में महायुति गठबंधन के मिरा भाईंदर विधानसभा से प्रत्याशी नरेन्द्र मेहता, भिवंडी पश्चिम विधानसभा से प्रत्याशी महेश प्रभाकर चौघुले तथा भिवंडी पूर्व विधानसभा से प्रत्याशी संतोष मंजय शेट्टी के समर्थन में आयोजित राजस्थानी समाज सम्मेलनों को संबोधित किया। मिरा भाईंदर में आयोजित सम्मेलन में उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने अपने लम्बे शासनकाल में भारी भ्रष्टाचार कर देश को लूटा। उनके कार्यकाल में आए दिन आतंकवादी घटनाएं होती थी। जब हम ऐसे दु:खद समाचार पढ़ते थे।

बम से उड़ाने की धमकी देने वाले मामा-भांजे पकड़े

जयपुर। राजधानी जयपुर में छोटी चौपड़ और बड़ी चौपड़ को बम से उडाने की धमकी देने के मामले में विधायकपुरी थाना पुलिस ने मामा व दो भांजों को डिटेन किया है। पूछताछ में सामने आया कि जिन नम्बरों से बम से उडानें की धमकी दी गई थी वो फोन कुछ दिन पहले गुमशुदा हो गया था। पुलिस अब गुमशुदा फोन की लोकेशन के साथ कॉल करने वाले व्यक्ति की तलाश कर रही है। इस मामले की जांच विधायकपुरी थाना पुलिस कर रही है। इस मामले में विधायकपुरी थाने में मामला दर्ज करवाया गया है।

एसीपी अशोक नगर बालाराम ने बताया कि छोटी चौपड़ और बड़ी चौपड़ को बम से उडाने की धमकी देने के मामले में सिम के आधार पर मामा व दो भांजों को डिटेन कर पूछताछ की जा रही है। पूछताछ में तीनों ने कॉल करने से इंकार किया है। पूछताछ में तीनों ने बताया कि इस नम्बरों वाला फोन कुछ दिन पहले खो गया था। लेकिन उसकी गुमशुदगी पुलिस में दर्ज नहीं करवाई गई। एक भांजा नाबालिग है।

रेस्तरां में कहासुनी के बाद मारपीट

जयपुर। जवाहर नगर थाना इलाके में रेस्टोरेंट पर खाना लेने आए एक युवक के साथ वाहन को आगे-पीछे करने को लेकर कहासुनी हो गई। सात-आठ युवकों ने पीडित के साथ मारपीट की और पर्स के साथ सोने की चेन सहित अन्य सामान छीनकर ले गए। पुलिस के अनुसार जवाहर नगर निवासी सुरेंद्र सिंह ने मामला दर्ज करवाया कि वह जवाहर नगर स्थित एक रेस्टोरेंट पर खाना लेने गया था। वहां पर वाहन आगे-पीछे करने को लेकर दूसरे वाहन चालक से बहस हो गई। वहां पर मौजूद 7-8 युवकों ने उसके साथ मारपीट की और उसका पर्स , सोने की चेन, ब्रेसलेट छीनकर ले गए।

जवाहर कला केन्द्र में बुकरू चिल्ड्रन लिटरेचर फेस्टिवल का आगाज

> ■ बच्चों का रचनात्मक संसार हुआ साकार, 9 देशों के 28 एक्सपर्ट्स ले रहे सैशन
>
> ■ इस कार्यक्रम में 4 से 14 वर्ष के बच्चे ले सकते हैं निःशुल्क हिस्सा

जयपुर। 'सोने की चिड़िया', 'स्वर्ग का उपवन', सच्ची दोस्ती, नीलकमल और लाल कमल, ये कहानियां सिर्फ परी कथाएं नहीं बल्कि जिंदगी में सीख दे जाने वाले किस्से हैं। ऐसी ही अनोखी कहानियों, किस्सों और रचनात्मक गतिविधियों के जरिए बच्चों को किताबों से जोड़ने के लिए जवाहर कला केंद्र की ओर से आयोजित दो दिवसीय बुकरू चिल्ड्रन लिटरेचर फेस्टिवल के 5वें संस्करण की शनिवार को शुरुआत हुई। फेस्टिवल का उद्घाटन केंद्र की अतिरिक्त महानिदेशक श्रीमती अलका मीणा ने आर इज फॉर राजस्थान एक्टिविटी में राजस्थान के बारे में अपने मन के भाव उकेर कर किया। इस मौके पर बड़ी संख्या में बच्चों ने पैरेंट्स के साथ पहुंचकर इस उत्सव में हिस्सा लिया। फेस्टिवल में 9 देशों की 28 एक्सपर्ट्स बच्चों से रूबरू हो रहे हैं।

पहले दिन 28 सैशन व 2 ऑनगोइंग एक्टिविटी में बच्चों ने भाग लिया। जाहिर है बच्चों की अपनी एक अलग ही दुनिया होती है और उस दुनिया में जाने के लिए बच्चे बेहद उत्सुक दिखाई दिए। वह हंसते खिलखिलाते तैयार थे अपनी काल्पनिक दुनिया में जाने के लिए जहां सब वैसा है जैसा वो चाहते हैं। इसी कड़ी में सभी बच्चे अपनी आयु वर्ग के अनुसार विभिन्न सेशन में पहुंचे। कहानी ट्री में गीता रामानुजन ने बच्चों को बताया कि कैसे खुशियों ने एक राक्षस को अच्छा इंसान बना दिया, वत्सला जुत्शी ने अपने कहानी सुनाने के अंदाज से बच्चों को राजा-रानी की दुनिया में प्रवेश कराया और टीम प्रोग्रेसिव फोरम बच्चों को एक जादुई दुनिया में ले गए जहां से बाहर आने का किसी का मन ही नहीं किया। कहानी ट्री में प्रियंका चटर्जी, रचना छाबड़िया, शिल्पा मेहता, विनिथा ने भी अपने अनोखे अंदाज में कहानियां बच्चों के सामने रखी। कृष्णायन स्टूडियो में तब्दील हुआ जहां लेखक व कलाकार विनिथा ने बच्चों को जामिनी रॉय की तरह बनने के लिए प्रेरित किया, जो पूरे दिन कलाकारी करना चाहता था चाहे उसके पास कागज या पेंट हो या न हो बस वह अपने आप को आर्टिस्ट मान चुका था। मेघा गुप्ता के मोंटूज मॉन्स्टर सेशन में बच्चों ने अपने डर का सामना करके उसे हराना सीखा जिसमें बच्चों की उत्सुकता यह दर्शा रही थी कि उनकी काल्पनिक दुनिया में कुछ बातें हैं जो सिर्फ वही समझ सकते हैं, जिससे उन्हें खुद ही निपटना होगा। नंदिता दा और मैक्स एस्टेस के सेशन को भी बच्चों ने खूब एंजॉय किया।

रंगायन ऑडिटोरियम में हुए पहले सत्र में आनंद नीलकंठनने माही के सपनों वाली दुनिया से बच्चों को जोड़ा। जैल स्लीमन रायडिंग ए रॉयल एलिफेंट सेशन में भारत की यात्रा का अनुभव करवाया। प्रत्युष गुप्ता ने कलर्स ऑफ म्यूजिक सेशन में शास्त्रीय संगीत के सौंदर्य से बच्चों को रूबरू करवाया। क्राफ्टी कॉर्नर में बिम्ब्राह मार्क्स, सिमरन तापड़िया, लॉरेंस, अलंकृता अमाया ने बच्चों को अलग-अलग क्राफ्ट बनाना सिखाया।

'लोकतंत्र के चौथे स्तंभ मीडिया पर हमला करना निंदनीय'

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ आज शनिवार को देवली-उनियारा उपचुनाव के दौरान उपद्रव में घायल हुए न्यूज एजेंसी के वरिष्ठ पत्रकार अजीत सिंह शेखावत के आवास पर जाकर कुशलक्षेम पूछी और उनके साथी कैमरामेन धर्मेन्द्र कुमार के स्वास्थ्य की भी जानकारी ली। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने शेखावत को आश्वस्त किया कि सरकार की ओर से उन्हें हर संभव मदद की जाएगी। इस दौरान भाजपा अध्यक्ष मदन राठौड़ ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को भी टेलीफोन पर घटनाक्रम की जानकारी दी। राठौड़ ने कहा कि मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ है और मीडिया पर हमले कतई बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। पत्रकारों की सुरक्षा और इनके अधिकारों के लिए भाजपा सरकार सदैव तत्पर है। राठौड़ ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में कोटपूतली बहरोड के गोरधनपुरा निवासी पर्वतारोही रितिका यादव का एवरेस्टबेस कैंप की 18591 फीट की ऊंचाई पर तिरंगा फहराने पर सम्मान किया।

डॉ.काश्यप का कविता पाठ 17 को

जयपुर । वरिष्ठ कवि व गीतकार डॉ आनंद काश्यप आगामी रविवार 17 नवम्बर को अपनी कविताएँ और गीत सुनाएँगे। बोधि प्रकाशन , जयपुर द्वारा डॉ राधाकृष्णन राज्य केंद्रीय पुस्तकालय में आयोजित होने वाले इस एकल काव्य पाठ के कार्यक्रम में पूर्व आई ए एस शुचि शर्मा व कवि मायामृग डॉ काश्यप के साथ संवाद भी करेंगे।

बाड़मेर-जैसलमेर क्षेत्र के प्रसिद्ध लंगा मांगणियार कलाकारों ने किया मंत्रमुग्ध

जयपुर । रामनिवास बाग स्थित अल्बर्ट पर शनिवार की शाम जैसे-जैसे ढलने लगी, वैसे-वैसे पश्चिमी राजस्थान के विश्वप्रसिद्ध लंगा-मांगणियार कलाकारों का गायन-वादन श्रोताओं के सिर चढ़कर बोला। बाड़मेर-जैसलमेर क्षेत्र के प्रसिद्ध लंगा-मांगणियार कलाकारों ने गायन-वादन की प्रस्तुतियों से वातावरण गुंजायमान कर दिया। लोक गायकी के इन सुरीले हुनरबाज कलाकारों ने अपनी मधुर स्वर लहरियों से श्रोताओं मंत्रमुग्ध कर दिया। गायन वादान के बेहतरीन संयोजन से श्रोतागण झूम उठे। वंस मोर... वंस मोर की ध्वनियां हर प्रस्तुति के बाद गूंजने लगी। दर्शकों की डिमांड पर प्रसिद्ध लोक गीत "निम्बूड़ा" की आकर्षक प्रस्तुति दी गई। इन कलाकारों ने एक से एक अद्भुत लय ताल के साथ कर्णप्रिय गीतों से कल्चरल डायरीज के पन्नों पर यादगार छाप छोड़ दी।

दरअसल उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी की अभिनव पहल और निर्देश पर राजस्थान पर्यटन विभाग ने लोक कलाकारों को प्रोत्साहित करने और उनको नियमित रूप से आजीविका का अवसर दिलाने के लिए "कल्चरल डायरीज श्रृंखला" शुरू की है। जिससे राजस्थान की कला व संस्कृति से पूरी दुनिया परिचित होगी। इसी श्रृंखला में शुक्रवार-शनिवार को रामनिवास बाग स्थित सांस्कृतिक संध्या आयोजित की गई।

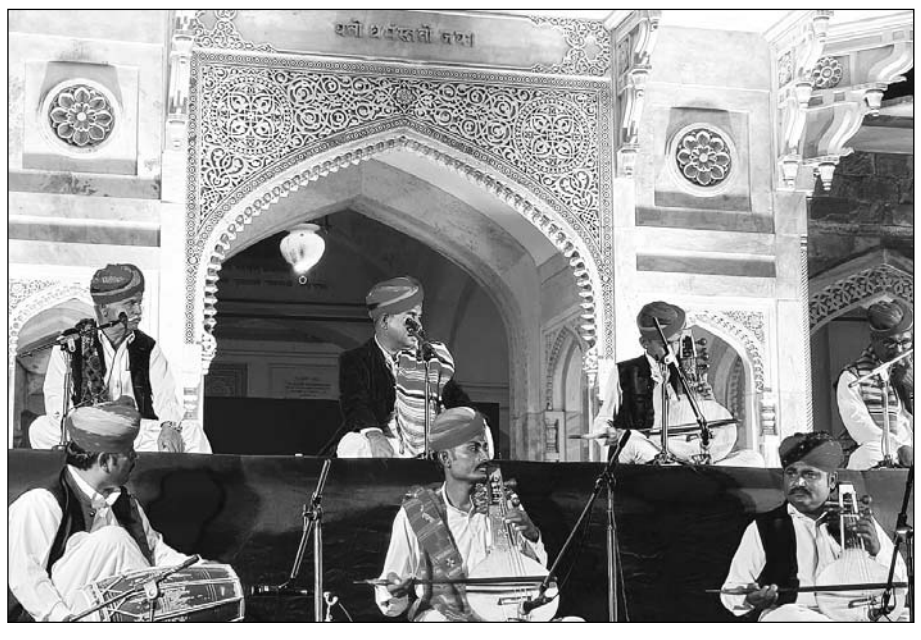

"कल्चरल डायरीज श्रृंखला" के तहत रामनिवास बाग स्थित अल्बर्ट हॉल पर शनिवार को दो दिवसीय सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया।

समारोह में ख्यातनाम लोक कलाकार देवू खान, बरकत खान, तालब खान, मुल्तान खान, हाकम खान, जावेद खान, रसूल, रोशन, लतीफ व जाकिर खान की टीम ने कमयाच -खड़ताल की धुन पर लोकगीतों का ऐसा समां बांधा कि श्रोता पूरे कार्यक्रम के दौरान मंत्रमुग्ध होकर सुनते रहे। जांगड़ा शैली में उन्होंने ढोलामारू, लूणाघाट, घोडलिया, केसरिया तिलकाणे, असपत री सुसवारी, पूरी अयोध्या राजा दशरथ घर, जीयो बणजारा आदि लोकगीत सुरीली आवाज और मधुर तान पर गाकर श्रोताओं का खूब मन मोहा। उनके कार्यक्रम में लगातार तालियों की गड़गड़ाहट होती रही।

कार्यक्रम की शुरुआत में 14 वर्षीय मांगणियार बाल कलाकार जावेद द्वारा कमायच वादन किया गया। केसरियों तिलकानों गीत की खमायची राग में प्रस्तुति दी गई। मांगणियार कलाकार हाकम खान ने ढोला मारु की प्रेम कथा आधारित मारु राग में गीत प्रस्तुत किया। मांगणियार कलाकार तालब खान ने सोरठ राग आधारित घोड़ालिया गीत की सुमधुर प्रस्तुति दी गई।

वरिष्ठ कलाकार बरकत खान और मुल्तान खान द्वारा बरसात के समय प्रीतम के घर आने का गीत लूणाघाट को बेहतरीन जुगलबंदी के साथ पेश किया गया। ख्यातनाम खड़ताल वादक देबू खान और युवा कलाकार जाकिर खान ने कर्णप्रिय खड़ताल वादन की जुगलबंदी से श्रोताओं में थिरकन स्फूरित कर दी। शानदार ताल संयोजन को सुन पूरी प्रस्तुति के दौरान करतल ध्वनि से श्रोता कलाकारों का उत्साहवर्धन करते रहे।

धार्मिक और वीररस से ओतप्रोत गीतों का गायन करने वाले मांगणियार कलाकारों ने लोक भजन "श्री राम चंद्र अवतार लियो" की भक्तिमय प्रस्तुति दी। जिसके पश्चात नागौर के वीर अमरसिंह राठौड़ की वीरता की गाथा को कहने वाला गीत "अमर सिंह की कटारी" की प्रस्तुति दी गई।

कार्यक्रम के अंत में रोशन खान, रसूल खान के क मायच वादन के साथ लतीफ खान की ढोलक की संगत के संग जियो बंजारा, लखी बंजारा और हेलो साम्भलो सहित तीन गीतों मधुर गीतों की सुरीली प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम के क्यूरेटर संदीप रत्नू रहे। इस श्रृंखला में अब कल्चरल डायरीज का अगला कार्यक्रम अगले पखवाड़े के शुक्रवार व शनिवार को होगा।

कल्चरल डायरीज के इस सांस्कृतिक कार्यक्रम में पुरातत्व निदेशक पंकज धरेंद्र, पर्यटन विभाग की संयुक्त निदेशक डॉ. पुनीता सिंह, विभाग के उपनिदेशक दलीप सिंह राठौड़, उपेन्द्र सिंह, नवल, फैडरेशन ऑफ होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष कुलदीप सिंह चंदेला, महासचिव तरुण बंसल के अलावा कई अधिकारी-कर्मचारी समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

गणेश पूजन के साथ 18 नवंबर को जयपुर समारोह का आगाज करेगा ग्रेटर नगर निगम

जयपुर (कासं)। ग्रेटर नगर निगम की ओर से जयपुर समारोह-2024 का आगाज 18 नवंबर से होगा। शनिवार को नगर निगम मुख्यालय पर आयोजित हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने 18 नवंबर से 18 दिसम्बर तक आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से बताया। महापौर ने सर्वप्रथम सभी पत्रकारों को राष्ट्रीय प्रेस दिवस की शुभकामनाऐं दी।

महापौर डॉ. सौम्या ने कहा कि जयपुर समारोह आमजन से जुड़ा हुआ आयोजन है। जयपुर 297वें वर्ष का हो गया है, इसी उपलक्ष्य में जयपुर समारोह के अन्तर्गत विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

जयपुर समारोह की सबसे खास बात यह है कि नगर निगम की टीमों द्वारा स्क्रैप को इकट्ठा कर उसे रिसाइकल कर उसमें बीज डालकर निमंत्रण पत्र बनाये जाएंगे, जिससे रिसाइकल पेपर जहां भी गिरे वहां उन बीजों से पौधे उग सके। इसके साथ ही 16 से 18 दिसम्बर तक मेयर समागम का आयोजन किया जायेगा, जिसमें देशभर के मेयर जयपुर आकर जयपुर की खुबसूरती को निहार सकेंगे। उन्होंने बताया कि किसी भी समारोह की स्वच्छता से की जाती है इसलिये स्वच्छता सप्ताह का भी आयोजन किया जायेगा। साथ ही कठपुतली नृत्य, कच्छी घोड़ी नृत्य, जयपुर का जायका सहित कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। कच्ची बस्तियों में जाकर आर.आर.आर. सेंटर पर आये हुये सामान को जरूरतमंद लोगों को उपलब्ध करवाया जायेगा।

ज्ञात रहे कि जयपुर शहर की स्थापना महाराजा सवाई जय सिंह द्वितीय ने 18 नवंबर 1727 को की थी। जयपुर नगर निगम द्वारा हर वर्ष जयपुर शहर की स्थापना की वर्षगांठ पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जाते है।

'अडानी का प्लांट तभी लगेगा, जब ओरण की जमीन मिलेगी'

विधायक रविंद्रसिंह भाटी ने ग्रामीणों के साथ रोष जताया

जैसलमेर, (निसं)। जैसलमेर जिले में 15 दिन से ओरण (संरक्षित जमीन) भूमि को बचाने के लिए ग्रामीण दो सप्ताह से धरने पर हैं। शुक्रवार को शिव से निर्दलीय विधायक रविंद्रसिंह भाटी भी मौके पर पहुंचे और धरने में शामिल हुए और ग्रामीणों के साथ धोरों में ही रात गुजारी। इससे पहले शुक्रवार दोपहर को पुलिस और भाटी में हल्की बहसबाजी भी हुई।

- **जैसलमेर के बईया गांव में निजी कंपनी ग्रिड सब स्टेशन का निर्माण कर रही है, ग्रामीणों का कहना है कि ओरण की जमीन को पहले सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज किया जाए**
- **अगर आप हमें लिखित में देते हैं कि ओरण जमीन को सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज किया जाएगा तो हम आपके सामने काम शुरू करवाएंगे : भाटी**

जैसलमेर के बईया गांव में निजी कंपनी ग्रिड सब स्टेशन का निर्माण कर रही है। वहीं, ग्रामीणों का कहना है कि ओरण की जमीन को पहले सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज किया जाए। विरोध-प्रदर्शन के बीच शनिवार सुबह रविंद्र भाटी कलेक्टर प्रतापसिंह से मिले। भाटी ने कलेक्टर से मुलाकात के बाद कहा कि जब तक संतोषप्रद जवाब नहीं मिलेगा, तब तक संघर्ष जारी रहेगा। पुलिस ने शुक्रवार को प्रदर्शन खत्म करवाने के लिए दो ग्रामीणों को जीप में बैठा लिया। पुलिस की कार्रवाई से नाराज विधायक भाटी ने दोनों को जबरन उतार लिया। भाटी ने कहा कि लोकतंत्र में विरोध करने का सबको अधिकार है, आप गिरफ्तार नहीं कर सकते। हालांकि पुलिस का कहना था कि दोनों ग्रामीणों को गिरफ्तार नहीं किया गया था। इससे पहले भी पुलिस ने 14 लोगों को पकड़ा था। इसे लेकर शिव विधायक ने थाने में धरना देकर लोगों को छुड़ाया था।

धरना स्थल पर बैठे भाटी ने अधिकारियों से पूछा कि ये जीएसएस आप किसके लिए बनवा रहे हैं? ये सरकार नहीं बना रही है। ये तो मल्टीनेशनल कंपनी बना रही है। यहां बिजली का संकट कितना है ये आपको पता है क्या? शिव विधायक ने प्रशासन से बात करते हुए कहा कि हमारा उद्देश्य कानून-व्यवस्था तोड़ने का नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर आप हमें लिखित में देते हैं कि ओरण जमीन को सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज किया जाएगा तो हम आपके सामने काम शुरू करवाएंगे, जब तक लिखित में नहीं देते हो यह काम शुरू नहीं होगा। आप जनता को लेकर जवाबदेह हैं या कंपनी को लेकर। राजस्थान में जितनी बिजली की खपत होती है उतनी बाड़मेर, जैसलमेर और बीकानेर का एरिया दे देता है। फिर भी यहां बिजली का इतना ज्यादा संकट है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जिला प्रशासन के निर्देशानुसार ग्राम गाले की बस्ती की निजी खातेदारी के खसरा नंबर 550 व 551 में कंपनी द्वारा स्विच यार्ड का काम शुरू करने के दौरान पुलिस जाब्ता भेजा गया था। इस बीच कुछ ग्रामीणों द्वारा विरोध करने का प्रयास किया गया। इस पर लोगों से समझाकर वहां से हटाया गया। निजी खातेदारी की जमीन पर कंपनी की ओर से जो निर्माण कार्य शुरू करवाया जा रहा है, वह नियमानुसार है।

वाइस प्रेसिडेंट, अडानी ग्रीन एनर्जी आलोक चतुर्वेदी ने बताया कि 9.62 एकड़ जमीन पर सब स्टेशन का काम शुरू होना है। सरकार की ओर से 3 हजार 304 एकड़ जमीन मिली है। यहां छह सौ मेगावाट का सोलर प्लांट लगेगा। 229 एकड़ जमीन निजी खातेदारी की है। प्रोजेक्ट मैसर्स अडानी सोलर एनर्जी बाड़मेर वन प्राइवेट लिमिटेड का है।

डेढ़ करोड़ का डोडा-चूरा पकड़ा, तीन गिरफ्तार

दुकान पर दबीश देकर 16 क्विंटल 42 किलो अफीम डोडा-चूरा मय ऑटो जब्त किया

उदयपुर, (कासं)। शहर के प्रतापनगर थाना पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए अवैध डोडा-चूरा तस्करी मामले में अन्तर्राज्यीय गिरोह के मुख्य सरगना सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर इनके कब्जे से डेढ करोड़ का अवैध डोडा-चूरा से भरा ऑटो जब्त किया।

- **मुर्गीदाना बताकर उदयपुर से पंजाब, हरियाणा, दिल्ली जाने वाली ट्रैवल्स बसों में रख तस्करी जरिये भेजा जाता था डोडा-चूरा**

जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा, पुलिस उप अधीक्षक छगन पुरोहित के सुपरविजन में चलाए जा रहे तलाशी अभियान के दौरान प्रतापनगर थानाधिकारी भरत योगी के नेतृत्व में गठित दल ने मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए अलख नयन हॉस्पीटल प्रतापनगर के सामने एक दुकान पर दबीश देकर अवैध अफीम डोडा-चूरा रख कर उसको पार्सल के रूप में पैक करते अन्तर्राज्यीय डोडा-चूरा तस्कर गिरोह के मुख्य सरगना लक्ष्मीपुरा थाना बड़ी सादड़ी चित्तौड़गढ़ निवासी विनोद धाकड़ पुत्र सुरेश धाकड़, उदयनाथ पुत्र नाथूनाथ निवासी साटोला थाना जालोद प्रतापगढ़ तथा पप्पुसिंह पुत्र बाघसिंह निवासी नाहरसिंह का खेड़ा बड़ी सादड़ी चित्तौड़गढ़ को गिरफ्तार किया। पुलिस ने इनके कब्जे से 16 क्विंटल 42 किलो अफीम डोडा-चूरा मय ऑटो जब्त कर प्रकरण दर्ज किया। आरोपी विनोद डोडा-चूरा तस्कर गिरोह का मुखिया होकर अपने साथियों पप्पुसिंह, उदयनाथ के साथ मिलकर बड़ी सादड़ी, चित्तौड़गढ़ की तरफ से भारी मात्रा में अवैध अफीम डोडा-चूरा उदयपुर अपने गोदाम पर लाकर कार्टून में भरकर पार्सल कर मुर्गीदाना बता कर उदयपुर से पंजाब, हरियाणा, दिल्ली जाने वाली ट्रावेल्स बसों में रख तस्करी जरिये भेजता है।

पूछताछ में पिछले दो वर्ष से मेवाड़, एमपी राज्य से सटे क्षैत्रों से अफीम डोडा-चूरा की तस्करी कर पंजाब, हरियाणा व दिल्ली तक भेजने की जानकारी सामने आई है। बरामद माल की बाजार कीमत करीब डेढ़ करोड़ रूपये बताई गई है। आरोपी विनोद धाकड़ उदयनाथ के खिलाफ पूर्व में एनडीपीएस एक्ट व आर्म्स एक्ट के प्रकरण विभिन्न थानों में दर्ज है तथा वह बड़ी सादड़ी थाने का वांटेड अपराधी है।

भरतपुर में जेवरात चोरी मामले में एक गिरफ्तार :- अटलबंद थाना पुलिस ने सोने-चांदी के जेबरात चोरी के मामले में एक और आरोपी गिरफ्तार किया। थानाधिकारी लक्ष्मण सिंह के नेतृत्व में बच्चू सिंह हैड कानि. मय जाप्ता द्वारा चोरी के मुकदमे में वांछित आरोपियों की धरपकड़ अभियान के तहत थाना अटलबन्द के प्रकरण के मामले में वांछित आरोपी निखिल पुत्र राकेश कुमार सुनार निवासी मंडी अटलबन्द थाना अटलबन्द को गिरफ्तार किया गया है। इस मामले में आरोपी वरूण उर्फ मन्नू पुत्र भालेन्द्र को पूर्व में गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी गये सोने की एक चूडी व 1 लाख 10 हजार रूपये को बरामद किया जा चुका है।

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने महेन्द्र सिंह मेवाड़ को श्रद्धांजलि दी

संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल ने भी श्रद्धाजंलि अर्पित की

उदयपुर, (कासं)। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी व संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल ने शनिवार को समोर बाग पहुंचकर महेन्द्र सिंह मेवाड़ को श्रद्धांजलि अर्पित की और शोक संदेवना प्रकट की।

समोर बाग में दिवंगत महेंद्र सिंह मेवाड़ को उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने श्रद्धासुमन अर्पित किये।

जानकारी के अनुसार उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी शनिवार को उदयपुर पहुंची थी, जबकि संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल शुक्रवार देर शाम उदयपुर पहुंच गए थे। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी एयरपोर्ट से सीधे समोरबाग पैलेसे पहुंचीं। यहां पर दीया कुमारी ने मेवाड़ के पूर्व राजपरिवार के सदस्य और पूर्व सांसद महेंद्र सिंह मेवाड़ को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान दीया कुमारी ने महेंद्र सिंह मेवाड़ के पुत्र नाथद्वारा विधायक विश्वराज सिंह मेवाड़ व बहू राजसमंद सांसद महिमा कुमारी और परिवार के अन्य सदस्यों से मुलाकात की। यहां कुछ देर मुलाकात के बाद दीया कुमारी मीडिया से रूबरू हुई।

उन्होंने बातचीत के दौरान कहा कि महेंद्र सिह मेवाड़ का हमेशा से उन पर आशीर्वाद रहा। जब मुझे राजसमंद से टिकट मिला, तब भी उनका आशीर्वाद लेने के लिए उदयपुर आई थी और उस दौरान आशीर्वाद के साथ बहुत सहयोग रहा। उनके निधन के बाद उनकी कमी सबको खलेगी। दीया कुमारी ने यह भी कहा कि महेन्द्र सिंह मेवाड़ के निधन से मेवाड़ और समाज को बहुत बड़ा नुकसान हुआ है। वहीं संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल ने भी महेन्द्र सिंह मेवाड़ की तस्वीर पर पुष्प अर्पित करने के साथ श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर उन्होंने विधायक विश्वराज सिंह मेवाड़ से मुलाकात की और शोक संवेदना प्रकट की।

ट्रेन के आगे आए युवक के हाथ-पांव कटे, मौत

पाटन, (निसं)। रेलवे स्टेशन डाबला पर शनिवार को एक युवक ने ट्रेन के आगे कूद कर सुसाइड करने का प्रयास किया, जिसमें युवक का एक हाथ और एक पैर कट गया। हादसे के बाद आसपास के लोग इकट्ठा हो गए और जीआरपी को सूचना दी गई। घायल युवक को एंबुलेंस की सहायता से पाटन के राजकीय अस्पताल ले जाएगा जहां से हालत गंभीर होने के कारण कोटपूतली के लिए रेफर कर दिया, जहां रास्ते में युवक ने दम तोड़ दिया। मृतक युवक के परिजनों ने मृतक युवक की पत्नी व ससुराल वालों के खिलाफ प्रताड़ित करने का मामला दर्ज करवाया है।

मृतक युवक राहुल के पिता बसंत कुमार निवासी नारनौल हरियाणा हाल निवास गुजरात ने पुलिस रिपोर्ट में बताया कि मेरे बेटे राहुल को उसकी पत्नी प्रिया व उसके ससुर सोमदत्त तथा उसकी सास प्रताड़ित करते थे जिसे परेशान होकर उसने उसने आज ट्रेन के सामने कूद कर आत्महत्या कर ली, जिसकी जेब में मिले सुसाइड नोट में भी यह लिखा हुआ है। नीमकाथाना जीआरपी एसएचओ हरविंदर सिंह ने बताया कि आज सुबह डाबला रेलवे स्टेशन पर एक युवक के ट्रेन की चपेट में आने की सूचना मिली। मौके पर पहुंचकर घायल युवक को एंबुलेंस की सहायता से पाटन अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से हालत गंभीर होने के कारण उसे रेफर कर दिया गया। रास्ते में घायल युवक ने दम तोड़ दिया जिसके शव को पाटना अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया।

अवैध कोयले से भरा ट्रक जब्त

लकड़ी का कोयला बनाकर हरियाणा ले जाया जा रहा था

खेतड़ी, (निसं)। मेहाड़ा पुलिस ने अवैध कोयले के परिवहन पर कार्रवाई करते हुए कोयले से भरे ट्रक को जब्त किया है। लकड़ी से कोयला बनाकर हरियाणा में ले जाया जा रहा था।

थानाधिकारी सरदारमल चौधरी ने बताया कि पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर क्षेत्र में अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने व सीमावर्ती क्षेत्र में अवैध पदार्थों की तस्करी पर रोक लगाने को लेकर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस को पिछले काफी समय से लकड़ी का कोयला बनाकर हरियाणा में ले जाने की शिकायत मिल रही थी। जिस पर सीकर एसपी भूवन भूषण यादव के निर्देश पर एक विशेष टीम का गठन कर सीमावर्ती क्षेत्र में होने वाले संगठित अपराधों पर कार्रवाई करने के लिए अभियान चलाया गया। इस दौरान पुलिस ने निजामपुर से खेतड़ी जाने वाली सड़क पर नाकाबंदी कर वाहनों की जांच की गई। नाकाबंदी के दौरान एक ट्रक आता हुआ दिखाई दिया। जब पुलिस टीम ने नाकाबंदी के दौरान ट्रक को रूकवाकर तलाशी ली गई तो उसमें लकड़ी से बने कोयले भरे हुए थे। जब ट्रक ड्राइवर से कोयले के बारे में पूछताछ की तो वह कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया। जिस पर पुलिस ने अवैध कोयले का परिवहन पर ट्रक को जब्त कर लिया।

इस दौरान वन विभाग की टीम को मौके पर बुलाया गया तथा मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम ने अवैध कोयले के परिवहन पर वन अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। थानाधिकारी ने बताया कि लकड़ी से कोयला बनाने के मामले में गहनता से जानकारी जुटाई जा रही है। इस दौरान कोई भी व्यक्ति इस संदिग्ध गतिविधियों में शामिल पाया गया तो उसके खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की जाएगी।

मेहाड़ा पुलिस ने अवैध कोयले के परिवहन पर कार्रवाई की।

कार खेत में पलटी, दो रशियन युवती घायल

गोवर्धन परिक्रमा कर जयपुर जा रही थी दोनों युवती

नदबई (निस)। क्षेत्र के गांव रायसीस के समीप सड़क पर आवारा जानवर को बचाने की चक्कर में में विदेशी पर्यटकों की कार असंतुलित होकर खेत में पलट गई, जिसके चलते कार में सवार दो रशियन युवती घायल हो गई। समीपवर्ती लोगों ने घायल युवतियों को गाड़ी से निकाल 108 एम्बूलेंस की सहायता से उपजिला चिकित्सालय में भर्ती कराया। बाद में पुलिस ने भी मौके पर जांच पडताल की। वहीं, विदेशी युवतियों को उपचार कर दूसरे वाहन की सहायता से जयपुर रवाना किया।

जानकारी के अनुसार रशिया निवासी ईरीना पुत्री यूरीयम अपनी साथी येकेचरीना के साथ गोवर्धन परिक्रमा कर जयपुर जा रही थी। इसी दौरान गांव रायसीस के समीप आवारा जानवर को बचाने की चक्कर में गाड़ी असंतुलित होकर खेत में पलट गई, जिसके चलते दोनों विदेशी युवती घायल हो गई। बाद में प्राथमिक उपचार कर दोनों विदेशी युवतियों को दूसरे वाहन से जयपुर रवाना किया।

महिला की मौत

भरतपुर, (निसं)। वीरमपुरा में एक लापरवाही से ट्रैक्टर-ट्रॉली चला रहे व्यक्ति ने एक महिला को टक्कर मार दी। जिसमें महिला की मौत हो गई। महिला के शव को जिला आरबीएम अस्पताल में रखवाया गया। वहीं पुलिस के द्वारा ट्रैक्टर-ट्रॉली को पकड़ा गया है। फिलहाल पुलिस मामले के अनुसंधान में जुटी हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार फरसो गांव निवासी महिला नवलदेई पास ही के गांव में तहसीलदार नाम के व्यक्ति के खेतों में निराई करने के लिए जा रही थी, जहां वीरमपुरा के पास उस महिला को एक तेज गति से लापरवाही से ट्रैक्टर चला रहे व्यक्ति ने टक्कर मार दी। जिसमें महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। वहीं महिला का पति गोपीचंद पीछे से आ रहा था। गोपीचंद ने नवलदेई को स्थानीय लोगों की सहायता से जिला आरबीएम अस्पताल पंहुचाया, लेकिन नवलदेई को बचाया नहीं जा सका।

महिला की कुएं में लाश मिलने से सनसनी फैली

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के उप नगर पुर की एक महिला शनिवार सुबह 11 साल के मासूम भांजे के साथ देवरे (मंदिर) पर जाने को घर से निकली, जिसकी बाद में कुएं में लाश मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। हालांकि मौत के वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही सामने आयेंगे।

पुर थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, उप नगर पुर में चुंगीनाका क्षेत्र में रहने वाली बाली (36) पत्नी स्व. नगजीराम रैगर के पति की छह साल पहले मौत हो चुकी है। बाली के कोई संतान भी नहीं है। ऐसे में वह अभी बालाजी का खेड़ा निवासी अपने पिता मांगीलाल पुत्र उदयराम रैगर के साथ पुर में ही रह रही थी। शनिवार सुबह बाली, देवरे पर जाने की बात कहके घर से अपने

- **मौत के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद लगेगा**

11 साल के भांजे के साथ निकली और कुछ दूरी पर ही भांजे को रास्ते से ही वापस घर भिजवा दिया। बाद में जब बाली घर नहीं लौटी तो पिता मांगीलाल, बेटी की तलाश करने अधरशिला के आगे देवरे पर गये, जहां बाली नहीं मिली। ऐसे में उसकी तलाश करते हुये पिता एक खेत पर बने कुएं पर पहुंचा, जहां बाली के चप्पल आदि कुएं के बाहर मिले।

इस पर पुर थाना पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को ग्रामीणों की मदद से कुएं से निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए एमजी अस्पताल की मोर्चरी में भिजवा दिया, जहां शव का पोस्टमार्टम करवाया गया। घटना की रिपोर्ट मृतका के पिता मांगीलाल रैगर ने पुलिस को दी। प्रथमदृष्टया पुलिस बाली की मौत को खुदकुशी मान रही है। हालांकि मौत के वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो पायेंगे।

विवाह स्थल से नगदी और जेवर से भरा बैग चोरी

अजमेर, (कासं)। सिविल लाइन थाना क्षेत्र में जयपुर रोड स्थित एक होटल में शुक्रवार को एक विवाह समारोह के दौरान एक चोरी का मामला सामने आया है। श्रीनगर रोड आर्य नगर निवासी कार्मेंद्र शर्मा की पुत्री का विवाह समारोह था, जिसमें महिला संगीत का आयोजन किया जा रहा था। इसी दौरान एक संदिग्ध युवक मौके का फायदा उठाकर नोटों और जेवरात से भरा बैग लेकर फरार हो गया। पुलिस के अनुसार चोरी हुए बैग में 3.25 लाख रुपये नगद, सोने के आभूषण और एक मोबाइल फोन था। परिवार वालों को जैसे ही चोरी की घटना का पता चला अफरा-तफरी मच गई और तुरन्त सिविल लाइन थाना पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की और मामला दर्ज कर लिया।

नकली उत्पाद बेचने वाला युवक गिरफ्तार

नामचीन ब्रांडेड कंपनियों के नकली उत्पाद बेचने पर कार्रवाई

भीलवाड़ा, (निसं)। भीलवाड़ा पुलिस ने नामचीन ब्रांडेड कंपनियों लिवाइस, जारा, टॉमी जैसे कई नामचीन ब्रांड के नकली उत्पाद बेचने वाले विरूद्ध कार्रवाई करते हुए एक युवक को गिरफ्तार किया है।

एसपी धर्मेन्द्र सिंह ने बताया कि नामचीन ब्रांडेड कंपनियों के नाम से नकली उत्पाद बेचने वाले अभियुक्त के खिलाफ गिरफ्तारी व त्वरित कार्रवाई हेतु निर्देश दिए गए व एएसपी पारस जैन के निर्देशन एवं मनीष बडगुर्जर वृताधिकारी वृत शहर के नेतृत्व में थानाधिकारी थाना कोतवाली राजपाल उ.नि. के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने प्रकरण में नीरज कुमार पुत्र नरेन्द्र कुमार जाट निवासी गोविन्दपुरम गाजियाबाद उतरप्रदेश हाल अधिकृत प्रतिनिधी की रिपोर्ट पर ब्रांडेड कंपनियों के नाम से नकली उत्पाद जैकेट, पेंट, शर्ट, मोजे, स्वेटर, लॉवर, टीशर्ट को बड़ी मात्रा में पंचवटी स्थित गोदाम से जब्त कर नकली उत्पाद बेचने वाले मैनेजर/सेल्समेन राहुल सोनी को गिरफ्तार कर प्रकरण दर्ज किया।

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को नशे के प्रति जागरूक किया

अंतर्राष्ट्रीय पुष्कर मेला-2024 में नशा मुक्त भारत अभियान के तहत कार्यक्रम आयोजित

अजमेर, (कासं)। अंतर्राष्ट्रीय पुष्कर मेला-2024 में नशा मुक्त भारत अभियान के तहत सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, अजमेर के तत्वावधान में अपना थिएटर संस्थान अजमेर द्वारा नशा मुक्त भारत जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया, जिसके अंतर्गत पुष्कर मेले में एक नाटक विकास प्रर्दशनी में एवं दो नुक्कड़ नाटक मेला ग्राउण्ड में प्रस्तुत किये गये।

इन नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से आमजन को नशे के खिलाफ जागरूक किया गया और लोगों को तंबाकू, बीड़ी, गुटखा, जर्दा, सिगरेट, अफीम, गांजा, शराब से होने वाले सामाजिक, आर्थिक, स्वास्थ्य, पारिवारिक नुकसान के बारे में बताया गया। वहीं किस तरह इस नशे को छोड़कर स्वस्थ समाज व स्वस्थ परिवार स्वस्थ राष्ट्र का निर्माण कर सकते हैं तथा निर्माण में अपना योगदान दे सकते हैं इसके बारे में बताया गया। यह सभी बातें नुक्कड़ नाटक में मनोरंजन और संवाद के माध्यम से बताया गया। उसके पश्चात एक प्रतिज्ञा दिलाई गई, जिसके अंतर्गत जीवन में कभी भी स्वयं नशा न करने और अपने परिवार अपने परिवार जनों को भी नशा नहीं करने के लिए आव्हान किया गया।

नशा मुक्त भारत अभियान के तहत नुक्कड़ नाटक का आयोजन हुआ।

- **जीवन में कभी भी स्वयं नशा न करने और अपने परिवार अपने परिवार जनों को भी नशा नहीं करने की प्रतिज्ञा दिलाई**

इसके पश्चात हस्ताक्षर अभियान चलाया गया जिसके अंतर्गत लोगों से हस्ताक्षर लिए गए कि जीवन में कभी नशा नहीं करेंगे। इस संपूर्ण कार्यक्रम में सामाजिक एवं न्याय अधिकारिता विभाग के संयुक्त निदेशक अनिल व्यास, प्रमोद कुमार उपस्थित रहे। नाटक का लेखन व निर्देशन योबी जॉर्ज ने किया, नाटक में जुम्मा खान, मनोज कड़ेड़े, तरुण कुमार, शब्बीर खान, शाहरुख आदि ने भूमिका निभाई।

ऋषभ पंत का एक बड़ा ऑपरेशन हुआ था और हर जगह टांके लगे थे। उस स्थिति से ठीक होकर क्रिकेट खेलना एक चमत्कार है।
- रवि शास्त्री

पूर्व भारतीय क्रिकेट कोच, ऋषभ पंत का दुर्घटना के बाद दोबारा क्रिकेट खेलने को चमत्कार बताते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ **सूर्यकुमार यादव**

टीम इंडिया को सफलता की राह दिखाने के लिए कप्तान को कभी आगे बढ़कर अगुवाई करनी पड़ती है तो कभी साथी खिलाड़ियों को मौका देने के लिए कुछ त्याग करने पड़ते हैं। ऐसा ही कुछ सूर्यकुमार यादव के साथ साउथ अफ्रीका सीरीज के दौरान हुआ। उन्होंने सीरीज के दौरान एक ऐसा त्याग किया जो टीम के लिए मास्टर स्ट्रोक बन गया। दरअल, चार मैच की इस सीरीज में टीम इंडिया ने साउथ अफ्रीका को 3-1 से हराया। पहले मुकाबलों के बाद सीरीज 1-1 की बराबरी पर थी, तब सूर्यकुमार यादव ने अपनी नंबर-3 की पोजिशन का त्याग करते हुए तिलक वर्मा को ऊपर खेलने का मौका दिया।

क्या आप जानते हैं ?... टेस्ट क्रिकेट इतिहास का पहला टेस्ट इंग्लैंड व ऑस्ट्रेलिया के मध्य 1877 में मेलबोर्न में खेला गया था। इसे ऑस्ट्रेलिया ने 45 रन से जीता था।

संजू सैमसन और तिलक के धमाकेदार शतक

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत ने जीती 3-1 से सीरीज

जोहान्सबर्ग, 16 नवम्बर। भारत ने संजू सैमसन और तिलक वर्मा की धमाकेदार नाबाद शतकीय पारियों की बदौलत शुक्रवार को यहां चौथे और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 138 रन से जीत हासिल कर श्रृंखला 3-1 से अपने नाम की। सैमसन (नाबाद 109) और वर्मा (नाबाद 120) के बीच दूसरे विकेट के लिए रिकॉर्ड 210 रन की अटूट साझेदारी से भारत ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए एक विकेट पर 283 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया।

यह भारत का टी20 अंतरराष्ट्रीय में अब तक का विदेशी सरजमीं पर और दक्षिण अफ्रीकी धरती पर किसी भी देश द्वारा बनाया गया सबसे बड़ा स्कोर है। अर्शदीप सिंह (20 रन देकर तीन विकेट) के शानदार शुरूआती स्पैल की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने 10 रन पर चार विकेट गंवा दिये थे और फिर पूरी टीम 18.2 ओवर में 148 रन पर सिमट गई। मैच के दौरान कई रिकॉर्ड टूटे जिसमें सबसे खास रिकॉर्ड दो भारतीय बल्लेबाजों का एक ही टी20 अंतरराष्ट्रीय पारी में शतक जड़ना रहा। सैमसन और वर्मा ने दूसरे विकेट के लिए सिर्फ 93 गेंद में बनी 210 रन की साझेदारी भारत के लिए इस प्रारूप में किसी भी विकेट के लिए सबसे बड़ी भागीदारी भी रही। हैदराबाद के 22 वर्षीय तिलक ने महज 47 गेंद में नौ चौके और 10 छक्के जड़े जिससे वह टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लगातार शतक जड़ने वाले दूसरे भारतीय बने। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने इस युवा प्रतिभा को मौका देने के लिए अपने पसंदीदा बल्लेबाजी स्थान को छोड़ने का फैसला किया जो उनकी नेतृत्व क्षमता दिखाता है।

पहले मैच में शानदार शतक जड़ने वाले सैमसन ने 56 गेंद का सामना करते हुए अपनी शतकीय पारी में छह चौके और नौ छक्के जमाये। वर्मा के साथ मिलकर सैमसन ने एक बार फिर दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों की धुनाई की। तीसरे नंबर पर वर्मा आत्मविश्वास और जोश से भरे दिखे। सैमसन ने पिछली पांच पारियों में तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक जड़े हैं जिसमें दो बार शून्य पर आउट होना भी शामिल हैं जबकि वर्मा ने लगातार दो टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक जड़े। दक्षिण अफ्रीका की शुरूआत ही काफी खराब हुई, उसने तीसरे ओवर में 10 रन पर चार विकेट खो दिये थे।

इस विशाल स्कोर का पीछा करते हुए बल्लेबाजों का दबाव में आना लाजमी था। दक्षिण अफ्रीका ने पारी की तीसरी गेंद पर अपने सलामी बल्लेबाज रीजा हैंड्रिक्स का विकेट गंवाया जो अर्शदीप सिंह का पहला शिकार हुए। दूसरे ओवर में आल राउंडर हार्दिक पंड्या ने रेयान रिकेल्टन को पवेलियन भेज दिया। दक्षिण अफ्रीका ने 10 रन के स्कोर पर ऐडन मार्करम और हेनरिच क्लासेन के विकेट गंवा दिये जिससे स्कोर 10 विकेट पर चार रन था। ऐसी शुरूआत के बाद दक्षिण अफ्रीकी पारी के जल्दी समाप्त होने की उम्मीद थी लेकिन टीम 18.2 ओवर तक खेलने में सफल रही।

अभ्यास के दौरान गिल की उंगली में चोट लगी

जोहान्सबर्ग, 16 नवम्बर। बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी से पहले टीम इंडिया को एक और झटका लगा है। बल्लेबाज शुभमन गिल भी चोटिल हो गए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, गिल को शनिवार को पर्थ में मैच सिमुलेशन के दौरान स्लिप में फील्डिंग करते समय उंगली में चोट लगी है। को एक सूत्र ने बताया, गिल के उंगली पर चोट लगी है, लेकिन पर्थ में नहीं खेलेंगे यह कहना अभी जल्दबाजी होगी। मेडिकल टीम उन पर नजर बनाए रखी है, 2-3 दिनों के बाद फैसला लिया जाएगा।

इससे एक दिन पहले केएल राहुल को भी गेंद लगी थी और वे प्रैक्टिस जारी नहीं रख सके थे। वहीं विराट कोहली ने भी स्कैन कराया था। हालांकि बाद में पता चला कि कोहली बिल्कुल ठीक हैं। भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे की शुरुआत 22 नवंबर से पर्थ में पहले टेस्ट के साथ करेगी। वहां भारतीय टीम को 5 टेस्ट मैचों की सीरीज खेलनी है। यह सीरीज वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के लिहाज से भारतीय टीम के लिए अहम है।

बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी से पहले टीम इंडिया को एक और झटका लगा है। बल्लेबाज शुभमन गिल भी चोटिल हो गए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, गिल को शनिवार को पर्थ में मैच सिमुलेशन के दौरान स्लिप में फील्डिंग करते समय उंगली में चोट लगी है। को एक सूत्र ने बताया, गिल के उंगली पर चोट लगी है, लेकिन पर्थ में नहीं खेलेंगे यह कहना अभी जल्दबाजी होगी।

जय शाह की एक कॉल... फ्लॉप हो गई पाक की नापाक हरकत

नई दिल्ली, 16 नवम्बर। चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर विवाद धम नहीं रहा है। हाल ही में आईसीसी ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चैंपियंस ट्रॉफी को विवादित पीओके के दौरे पर ले जाने के कदम पर बीसीसीआई की कड़ी आपत्ति के बाद इस पर रोक लगा दी। ये टूर्नामेंट पिछली बार 2017 में खेला गया था और अब तक अधर में लटका हुआ है। दरअसल, बीसीसीआई भारतीय टीम को पाकिस्तान भेजने से इनकार कर चुकी है। वहीं पाकिस्तान बोर्ड ने बीसीसीआई के दुबई मं अपने मैच खेलने के प्रस्तावित हाइब्रिड मॉडल को खारिज कर दिया है।

वहीं कहा जा रहा है कि, बीसीसीआई सचिव जय शाह ने शुक्रवार को आईसीसी के टॉप अधिकारियों से बात की और पाकिस्तान के इस कदम की निंदा की। इस घटनाक्रम की जानकारी रखने वाले बीसीआी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने गोपनीयता की शर्त पर पीटीआई को बताया कि, भारतीय बोर्ड के सचिव ने आईसीसी को फोन किया और पीओके के अंतर्गत आने वाले कई शहरों में ट्रॉफी का दौर कराने के पीसीबी के कदम की कड़ी आलोचना की। साथ ही उन्होंने आईसीसी से सख्त कार्रवाई करने को भी कहा।

ट्रॉफी का दौरान आईसीसी के प्रचार अभियान का हिस्सा है जिसमें अंतर्राष्ट्रीय संस्था और मेजबान देश के बीच चर्चा के अनुसार कई शहरों का दौरा शामिल होता है। हालांकि, पीसीबी ने सभी हितधारकों से पहले परामर्श किए बिना अपने आधिकारिक सोशल मीडिया पर इसकी घोषणा कर दी थी।

जब आईसीसी के एक सदस्य से संपर्क किया गया तो उन्होंने पीटीआई को बताया कि, ट्रॉफी दोरे पर चर्चा अभी भी जारी है। मुझे नहीं पता कि पीसीबी ने इन चार शहरों के बारे में सभी को जानकारी दी थी या नहीं। लेकिन अगर नहीं तो ये निश्चित रूप से सही नहीं था। मुझे लगता है कि आईसीसी पीसीबी को किसी विवादित क्षेत्र में ट्रॉफी ले जाने की अनुमति देगा। लेकिन पीसीबी के एक अधिकारी ने सूत्र से कहा कि ट्रॉफी दौरे की योजना आईसीसी से सलाह मशविरा करके और उसकी मंजूरी से बनाई गई थी और ये पाकिस्तान बोर्ड का एकतरफा फैसला नहीं था।

सचिन बैसोया ने जयपुर ओपन 2024 का खिताब जीता

राशिद खान दूसरे स्थान पर रहे

जयपुर, 16 नवंबर। सचिन बैसोया ने जयपुर के पार-70 रामबाग गोल्फ क्लब में खेले गए 1 करोड़ रुपये इनामी राजस्थान टूरिज्म प्रेजेंट्स जयपुर ओपन 2024 में राशिद खान के खिलाफ मैराथन प्लेऑफ में जीत हासिल करके शानदार

वापसी की। दिल्ली के दोनों पेशेवर खिलाड़ी सचिन बैसोया (65-65-64-64) और राशिद खान (64-68-61-65) ने रेगुलेशन 72 होल में 22-अंडर 258 का समान स्कोर बनाया और फिर एक दूसरे से भिड़ गए। यह मुकाबला पांच अतिरिक्त होल तक चला। 29 वर्षीय सचिन ने पार-3 के दूसरे होल पर बेहतरीन टी शॉट के बाद तीन फीट की बर्डी कन्वर्जन के साथ आखिरकार खिताब अपने नाम कर लिया। अपने पहले प्लेऑफ में शामिल बैसोया ने शनिवार को अपने करियर का तीसरा खिताब जीता, जिसके लिए उन्हें 15 लाख रुपये की पुरस्कार राशि मिली, जिससे वह टाटा स्टील पीजीटीआई रैंकिंग में छठे स्थान से पांचवें स्थान पर पहुंच गए। चंडीगढ़ के अक्षय शर्मा (67), हैदराबाद के मिलिंद सोनी (69) और दिल्ली के क्षितिज नवीद कौल (70) 16-अंडर 264 के स्कोर के साथ संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहे। जयपुर के प्रखर असावा तीन-अंडर 277 के स्कोर के साथ संयुक्त रूप से 43वें स्थान पर रहे। पहले तीन राउंड में लीडर रहे अर्जुन प्रसाद ने चौथे दिन 76 का स्कोर बनाया और 12 अंडर 268 के स्कोर के साथ 14वें स्थान पर रहे। सुखराज सिंह गिल, जिन्होंने गुरुवार को दूसरे राउंड में 11वें होल पर होल-इन-वन लगाया, ने अपने प्रयास के लिए निसान की हाल ही में अपडेट की गई नई मैग्नाइट जीती। सुखराज को शनिवार को टूर्नामेंट के पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान निसान इंडिया के मार्केटिंग कम्युनिकेशंस प्रमुख राजेश श्रीवास्तव से नई निसान मैग्नाइट की चाबी मिली।

संतोष ट्रॉफी में राजस्थान ने महाराष्ट्र को 2-1 से हराया

अमित गोदारा के बेहतरीन डी टॉप शॉट से, इमरान मानी ने हैड से गोल किया

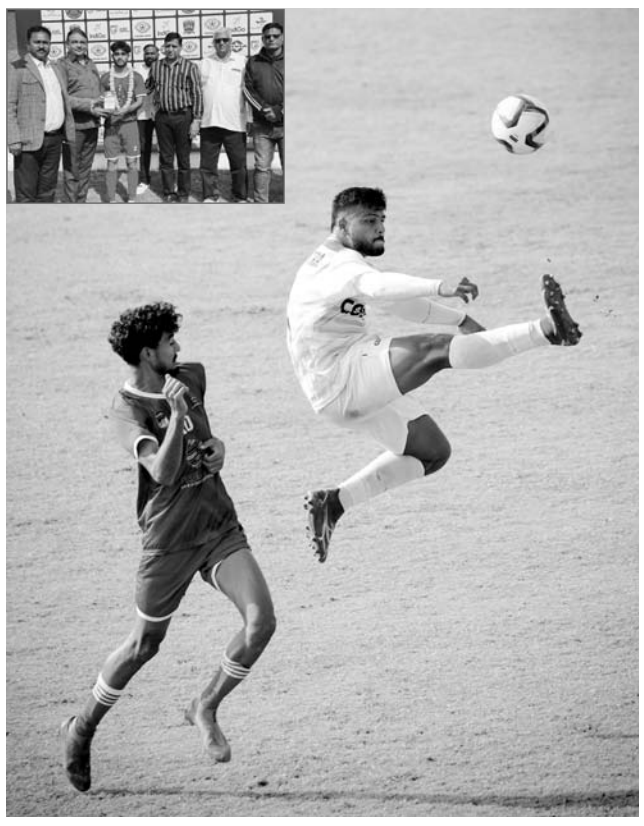

जयपुर, 16 नवंबर। अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ के तत्वाधान और राजस्थान फुटबाल संघ के द्वारा आयोजित हो रही 78 वीं संतोष ट्रॉफी के आज खेले ग्रुप "आई" के पहले मैच में आज राजस्थान ने महाराष्ट्र को एक के मुकाबले दो गोल से पराजित किया।

रॉयल फुटबॉल क्लब जयपुर में खेले गए रोमांचक मैच में दोनों ही टीम ने बहुत शानदार प्रदर्शन किया मध्यांतर तक दोनों टीम गोल रहित बराबर पर थी। मध्यांतर के बाद राजस्थान की टीम ने नई रणनीति के तहत विपक्षी टीम पर एक के बाद एक हमले करके दबाव बनाया जिसके फलस्वरुप राजस्थान की टीम की तरफ से इमरान मानी ने 49 मिनट में हेड से गोल कर अपनी टीम को बढ़त दिला दी

हैड करने में अच्छे अच्छे खिलाड़ी देश में हुए, लेकिन आज इमरान ने चोते की फुर्ती से झपटते हुए हैड से गोल किया। इसके बाद महाराष्ट्र की टीम ने जवाबी हमले किए और महाराष्ट्र की तरफ से मैच के 64 में मिनट में हिमांशु पाटिल ने गोल कर स्कोर एक-एक पर बराबर कर दिया मैच के 80 वें मिनट में राजस्थान के अमित गोदारा ने 25 गज की दूरी से बेहतरीन "डी टॉप शॉट" से गोल कर अपनी टीम को बढ़त दिलाई, जो अंत तक कायम रही। प्रतियोगिता में बी वाई बी वी की तरफ से मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को प्रोटीन सप्लीमेंट उपहार में दिए। मैच के मैन ऑफ द मैच राजस्थान के इमरान मानी रहे। आज के इस मैच के मुख्य अतिथि पचार ग्रुप के चेयरमैन जितेंद्र सिंह पचार और राजस्थान फुटबाल संघ के सचिव दिलीप सिंह शेखावत रहे। आज सांय कालीन सत्र में 3:00 खेलेंगे मैच में गुजरात टीम ने दादर नगर हवेली दमन दीप टीम को 3/0 से हराकर अपने तीन अंक अर्जित किए। इस मैच के मैन ऑफ द मैच गुजरात के अमन रहे।

रोनाल्डो के दो गोल से पुर्तगाल की बड़ी जीत

रोमानिया और कोसोवो का मैच रद्द

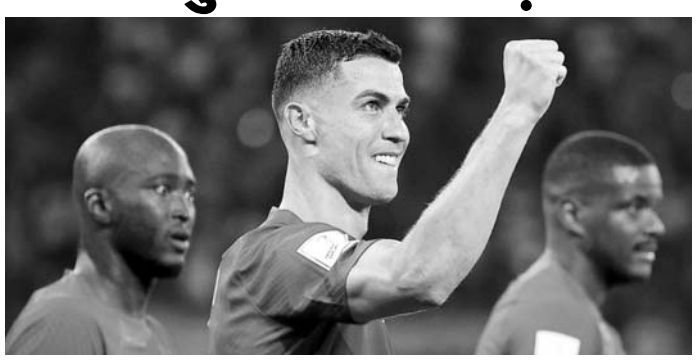

मैड्रिड, 16 नवम्बर। स्टार स्ट्राइकर क्रिस्टियानो रोनाल्डो के दो गोल के दम पर पुर्तगाल ने पोलैंड को 5-1 से हराकर नेशंस लीग फुटबॉल टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह सुनिश्चित की। स्कॉटलैंड ने क्रोएशिया को 1-0 से हराकर नौ मैचों में अपनी पहली जीत दर्ज करके टूर्नामेंट के शीर्ष स्तर पर बने रहने की अपनी उम्मीदें बरकरार रखीं। इस बीच बुखारेस्ट में रोमानिया और कोसोवो के बीच मैच को इंजरी टाइम में रोक दिया गया और बाद में इसे गोल रहित ड्रॉ पर रद्द कर दिया गया। दोनों टीमों के खिलाड़ियों के बीच हाथापाई हुई और कोसोवो के खिलाड़ी मैदान से बाहर चले गए।

यूरोपीय फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था यूईएफए ने यह नहीं बताया कि खेल को बीच में क्यों रोक दिया गया लेकिन कथित तौर पर कोसोवो के खिलाड़ी सर्बियाई समर्थक नारे सुनकर नाराज थे। इस फ़ुटबॉल संस्था ने अपनी वेबसाइट पर जारी बयान में कहा, "रोमानिया और कोसोवो के बीच यूईएफए नेशंस लीग मैच रद्द कर दिया गया है। यूईएफए उचित समय पर आगे की जानकारी देगा।"

ग्रुप ए4 में पहले ही अपना पहला स्थान सुनिश्चित कर चुके स्पेन ने कोपेनहेगन में डेनमार्क को 2-1 से हराया। फ्रांस, इटली, जर्मनी, स्पेन और पुर्तगाल क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर चुके हैं। रोनाल्डो ने पोर्टो में खेले गए मैच में शानदार प्रदर्शन किया और उन्हें मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। उन्होंने पेनल्टी किक पर अपने अंतरराष्ट्रीय करियर का 134वां गोल किया और फिर कुछ देर बाद ओवरहेड किक पर गोल करके पुर्तगाल की तरफ से अपने कुल गोल की संख्या 135 पर पहुंचा दी।

सैमसन ने मैच के दौरान लड़की को पहुंचाई चोट, फूट-फूटकर रोती दिखी

जोहान्सबर्ग, 16 नवम्बर। संजू सैमसन ने इससे पहले दो मुकाबलों में प्रदर्शन नहीं किया लेकिन इसमे मैच में उन्होंने 109 रन बनाए। वहीं इस दौरान उन्होंने एक छक्का लगाया जिससे मैच देखने आई लड़की को चोटिल हो गई। सैमसन ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ धमाका कर दिया। शतक जमाने के बाद लगातार दो मैचों में 0 पर आउट होने के बाद आखिरी टी20 मैच में उन्होंने वापसी की और छक्के के साथ अपनी पचास रन पूरे किए।

आईपीएल 2025 में 574 खिलाड़ियों के नाम पर लगेगी बोली

नई दिल्ली, 16 नवम्बर। बीसीसीआई ने आगामी आईपीएल 2025 ऑक्शन के लिए शुक्रवार को 574 खिलाड़ियों की सूची जारी कर दी है। इन खिलाड़ियों पर इसी महीने 24 और 25 नवंबर को जेद्दा में बोली लगने वाली है। वैसे तो मैगा ऑक्शन के लिए 1574 खिलाड़ियों ने रजिस्ट्रेशन कराया था, लेकिन 574 खिलाड़ियों को ही नीलामी के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया है। वहीं इन 574 खिलाड़ियों में से एक खिलाड़ी महज 13 साल का है तो एक 42 साल का उम्रदराज है। 2008 से शुरू हुई दुनिया की बड़ी और महंगी लीग आईपीएल में हर साल कुछ नया ही देखने को मिलता है। वहीं इस बार 24 और 25 नवंबर को होने वाली आईपीएल 2025 मेगा नीलामी में सबसे युवा और उम्रदराज खिलाड़ी के नाम पर बोली लग सकती है।

विश्व चैम्पियनशिप में डिंग के खिलाफ गुकेश जीत के दावेदार : कार्लसन

कोलकाता, 16 नवम्बर। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन का मानना है कि मौजूदा फॉर्म के आधार पर भारतीय स्टार डी गुकेश इस महीने के अंत में विश्व शतरंज चैंपियनशिप के मुकाबले में चीन के डिंग लिरेन के खिलाफ खिताब जीतने के प्रबल दावेदार हैं।

गुकेश 25 नवंबर से 15 दिसंबर तक सिंगापुर में होने वाली विश्व शतरंज चैंपियनशिप में मौजूदा चैंपियन डिंग से भिड़ेंगे। इस साल की शुरुआत में टोरंटो में आयोजित कैंडिडेट्स टूर्नामेंट को जीतने के बाद 18 साल के गुकेश ने फाइनल में जगह पक्की की थी।

कार्लसन ने यहां टाटा स्टील शतरंज इंडिया रैपिड टूर्नामेंट जीतने के बाद कहा, "मैं उस मुकाबले के बारे में कुछ खास नहीं कहना चाहता। मौजूदा फॉर्म के आधार पर हालांकि गुकेश का पलड़ा थोड़ा भारी है।" उन्होंने कहा, " मुझे लगता है कि शीर्ष स्तर पर शतरंज खेलने की क्षमता के आधार पर यह काफी हद तक बराबरी का मुकाबला होगा। डिंग अगर अपनी लय को हासिल करने में सफल रहे तो उसके पास भी जीतने का अच्छा मौका होगा। गुकेश अपने पिछले टूर्नामेंट में दबाव मे बिखर जा रहे थे।" कार्लसन ने कहा, " मुझे अगर भविष्यवाणी करनी हो तो मैं उस खिलाड़ी का नाम लेना चाहूंगा जिसका समग्र प्रदर्शन पिछले कुछ समय में अच्छा रहा है और इस मामले में गुकेश आगे हैं।

टायसन को 27 साल के जेक पॉल ने किया परास्त

टेक्सस, 16 नवम्बर। पूर्व हैवीवेट चैंपियन मुक्केबाज माइक टायसन अमेरिका के टेक्सस के में खेले गए साल के सबसे बड़े बॉक्सिंग में 27 साल के मुक्केबाज जेक पॉल से हार गए। 58 साल के टायसन आठों राउंड तक डटे रहे लेकिन आखिर में वह बाउट में हार गए। सबसे बड़ी बात ये है कि पॉल विपक्षी मुक्केबाजों को नॉकआउट करने लिए मशहूर हैं लेकिन वो टायसन को हिला नहीं पाए और वो आठवें राउंड तक डटे रहे। पॉल ने 8 राउंड के बाद 78 अंक हासिल किए जबकि टायसन को 74 पॉइंट मिले।

बता दें कि, पहले ये ब्लॉकबस्टर मुकाबला 20 जुलाई को खेला जाना था लेकिन मई के दौरान टायसन के मियामी से लॉस एंजिल्स की उड़ान के दौरान अल्सर की समस्या हो गई। जिस कारण इस बॉक्सिंग को रद्द करना पड़ा। 58 वर्षीय टायसन 11 जून 2005 को केविन मैकब्राइड से हारने के बाद से पेशेवर रूप से अपनी पहली लड़ाई के लिए रिंग में लौटे थे। टायसन ने हाल ही में 2020 के एक प्रदर्शनी मैच में रॉय जोन्स जूनियर का सामना किया था जिसमें उन्होंने अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया था।

यूट्यूबर से मुक्केबाज बने, 27 साल के जेक पॉल शनिवार को माइक टायसन के खिलाफ बाउट में उतरने से पहले एक ही मुकाबला हारे थे। पिचले साल फरवरी में टॉमी फ्यूरी के खिलाफ उन्होंने स्प्लिट डिसीजन से बाउट गंवाई थी। इस हार के बाद भी माइक टायसन को 20 मिलियन यूएस डॉलर मिलेंगे। वहीं रिपोर्ट्स के मुताबिक जेक पॉल को इस फाइट को जीतने पर करीब 40 मिलियन यानी करीब 337 करोड़ भारतीय रुपये मिले।

सब जूनियर राज्य स्तरीय वुशू प्रतियोगिता में जयपुर टीम का दबदबा

जयपुर, 16 नवंबर। राजस्थान वुशू संघ व श्रीगंगानगर वुशू संघ के तत्वावधान में दिनांक 15 से 17 नवम्बर 2024 तक पंचायती धर्मशाला, श्रीगंगानगर में चल रही 18वी राजस्थान सबजूनियर राज्य स्तरीय

(बालक/बालिका) वुशू प्रतियोगिता में तालू में जयपुर टीम का दबदबा रहा। हीरानन्द कटारिया, अध्यक्ष, राजस्थान वुशू संघ ने बताया की तालू में जयपुर टीम ने 13 स्वर्ण, 11 रजत व 06 कांस्य पदक जीत अपना दबदबा कायम रखा तथा अध्यक्ष ने बताया की कल प्रात: सत्र से संशोऊ के बालक व बालिका वर्ग के सभी भारवर्ग के सेमीफाइनल व फाइनल मुकाबले खेले जायेंगे।

राजस्थान के सुमित गोदारा का शानदार तिहरा शतक

राजस्थान-आंध्र अंडर 23 सी.के. नायडू ट्रॉफी मैच

जयपुर, 16 नवंबर। राजस्थान के लिए सुमित गोदारा तीसरे खिलाडी हैं जिन्होंने सी के नायडू ट्रॉफी में तिहरा शतक लगाया। बीसीसीआई के घरेलू क्रिकेट सत्र 2024-25 की राष्ट्रिय क्रिकेट प्रतियोगिता के जयपुर में के एल सैनी स्टेडयम पर राजस्थान क्रिकेट संघ की मेजबानी में खेले जा रहे राजस्थान -आंध्रा अंडर 23 सी के नायडू ट्रॉफी मैच के दूसरे दिन राजस्थान के बल्लेबाज सुमित गोदारा के शानदार तिहरे शतक की सहायता से राजस्थान ने आंध्रा के विरुद पहली पारी में विशाल स्कोर बनाया। सुमित गोदारा ने अपनी नाबाद 304 रनो की पारी में 459 गेंदों का सामना किया व 6 छक्के व 28 चोक्के लगाए। सुमित गोदारा से पूर्व राजस्थान के लिए आदित्य गढ़वाल 316 विरुद सौराष्ट्र (2017-18) जयपुर व रजत छपरवाल 306 विरुद त्रिपुरा (2017-18) जयपुर में तिहरा शतक लगाया था।

राजस्थान-महाराष्ट्र अंडर 19 कूच बिहार ट्रॉफी मैच ड्रा समाप्त (राजस्थान को पहली पारी में बढ़त)

राजस्थान के पार्थ यादव , मनय कटारिया, तोषित भाटिया , ध्रुव व जतिन का बढ़िया प्रदर्शन

राजस्थान क्रिकेट संघ की मेजबानी में जयपुर के सवाई मान सिंह स्टेडियम पर खेले जा रहे राजस्थान - महाराष्ट्र अंडर 19 कूच बिहार ट्रॉफी मैच ड्रा समाप्त हुआ , मैच में राजस्थान को पहली पारी में विशाल बढ़त प्राप्त हुई। राजस्थान के फील्डर सचिन शर्मा व मो अनस ने आज शानदार फील्डिंग करते हुए महाराष्ट्र के दो बल्लेबाजों को रन आउट किया।

राजस्थान पहले पारी 503 आल आउट (161.2 ओवर)

राजस्थान के सलामी बल्लेबाज पार्थ यादव ने शानदार दोहरा शतक 218 रन (405 गेंद, 1 छक्का व 29 चोक्के) व मनय कटारिया ने शानदार शतक 125 रन (370 गेंद , 1 छक्का व 11 चोक्के) पारी खेली। टीम के कप्तान तोषित भाटिया ने 96 रन (125 गेंद , 3 छक्के व 6 चौके) अपने शतक से चुके व जतिन 33 रनो का योगदान दिया।

राजस्थान-उत्तराखंड रणजी मैच ड्रॉ

देहरादून में खेला जा रहा राजस्थान - उत्तराखडं रणजी मैच आज अंतिम दिन ड्रा समाप्त हुआ, मैच में राजस्थान के महिपाल लोमरोर ने शानदार तिहरा शतक लगाया , कार्तिक शर्मा का रणजी पदार्पण मैच में आतिशी शतकीय पारी , भारत शर्मा का रणजी डेब्यू मैच में अर्धशतक , अनिकेत चौधरी , अजय सिंह कुकना व दीपक चाहर की बढ़िया गेंदबाजी मुख्य आकर्षण रहे।

उत्तराखंड दूसरी पारी 185/4

आज मैच के अंतिम दिन अपनी दूसरी पारी में फॉलोऑन खेलते हुए मैच समाप्त घोषित किये जाने तक उत्तराखंड ने अपनी दूसरी पारी में मैच ड्रा समाप्त घोषित किये जाने तक 4 विकेट के नुकसान पर 185 रन बना लिए थे। टीम के लिए समर्थ नाबाद 75 व युवराज चौधरी 78 रनो का योगदान दिया। राजस्थान के गेंदबाज दीपक चाहर 20/2, महिपाल लोमरोर 5/1 व अनिकेत चौधरी 20/1 विकेट प्राप्त किया।

जयपुर दोनों वर्गों के फाइनल में

जयपुर, 16 नवंबर। जयपुर के लड़के व लड़कियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए जालोर में खेली जा रही चार दिवसीय 29वी राजस्थान राज्य सब जूनियर हैंडबॉल प्रतियोगिता-2024-25 के दोनों वर्गों के फाइनल में प्रवेश कर लिया। रविवार को खेले जाने वाले खिताबी मुक़ाबलों में लड़कों में जहां जयपुर का मुक़ाबला श्रीगंगानगर से होगा, वही लड़कियों में जयपुर मुक़ाबला हनुमानगढ़ से होगा। इससे पहले बालक वर्ग में तीसरे स्थान के लिये सीकर का मुक़ाबला ज्ञान ज्योति हैंडबॉल अकादमी-श्रीगंगानगर से होगा। बालिका वर्ग में यह मुक़ाबला जोधपुर व चूरू के बीच होगा।

शनिवार को खेले गये सेमीफाइनल मुक़ाबलों में बालक वर्ग में जयपुर ने सीकर को 16-08 से तथा श्रीगंगानगर ने ज्ञान ज्योति हैंडबॉल अकादमी-श्रीगंगानगर को 15-07 से हराया। बालिका वर्ग में जयपुर ने जोधपुर को 18-05 से तथा हनुमानगढ़ ने चूरू को 18-11 से हराया।

इससे पहले खेले गये क्वार्टर फाइनल मैचेस के परिणाम : बालक वर्ग:- जयपुर ने एसटीसी नोजगे-श्रीगंगानगर को 18-8 से, श्रीगंगानगर ने चित्तौड़गढ़ को 15-10 से, सीकर ने माही हैंडबॉल अकादमी-बांसवाड़ा को 20-13 से व ज्ञान ज्योति हैंडबॉल अकैडमी ने महाराणा प्रताप हैंडबॉल अकैडमी को 12-8 से हराया। बालिका वर्ग:- जोधपुर ने श्रीगंगानगर को 13-8 से, हनुमानगढ़ ने भीलवाड़ा को 21- 14 से, जयपुर ने बाड़मेर को 10-2 से व चूरू ने झुंझुनू, को 12-2 से हराया।

प्रवासी राजस्थानियों ने दुनियाभर में फैलाई राजस्थान की खुशबू - भजनलाल

मुख्यमंत्री ने महाराष्ट्र के चुनावी दौरे में यह भी कहा कि प्रवासी राजस्थानी सामाजिक सरोकार में सबसे आगे हैं

मलाड/महाराष्ट्र, 16 नवम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के तहत, मुंबई के मलाड (पश्चिम) में आयोजित राजस्थानी समाज सम्मेलन को सम्बोधित किया। इस दौरान इन्होंने मलाड पश्चिम से महायुति प्रत्याशी विनोद शेलार को समर्थन देकर विजयी बनाने की अपील की।

मुख्यमंत्री ने अपने सम्बोधन में कहा कि कांग्रेस चुनाव आते ही झूठ और लूट की दुकान खोल देती है। उन्हें न तो राज्य और राष्ट्र से प्रेम है और न ही जनता के हितों से कोई सरोकार। उन्होंने कहा कि स्वार्थ की भावना से ओतप्रोत कांग्रेस और इनके सहयोगियों में गठबंधन नहीं, ठगबंधन की स्थिति है। ये लोग कभी विकास की बात नहीं करते। महाराष्ट्र की जनता अब इनके इरादों को समझ चुकी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में कांग्रेस की झूठ और लूट की दुकान बंद हो गई है। जनता जानती है कि विकास केवल मोदी के नेतृत्व में ही संभव है। लोगों में भाजपा के प्रति अति उत्साह और उमंग है तथा महाराष्ट्र में बहुत बड़े बहुमत के साथ महायुति की सरकार बनेगी।

■ **मुख्यमंत्री ने मुम्बई के मलाड (पश्चिम) में महायुति प्रत्याशी के समर्थन में राजस्थानी समाज सम्मेलन को सम्बोधित किया।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को गोरेगांव स्पोर्ट्स क्लब का मानद सदस्य बनाकर सम्मानित किया गया। समारोह में केन्द्रीय मंत्री पीयूष गोयल, पूर्व मंत्री शाहनवाज़ हुसैन, सांसद राजेन्द्र गहलोत तथा राजस्थान के मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग मौजूद थे।

शर्मा ने कहा कि कांग्रेस ने सिटिजनशिप अमैन्डमैंट एक्ट (सी.ए.ए.) तथा ट्रिपल तलाक समाप्त करने का विरोध किया और जब महायुति सरकार ने औरंगाबाद का नाम बदल कर छत्रपति संभाजी नगर रखा, तब भी महाविकास अघाड़ी इसका विरोध करते रहे। कांग्रेस केवल तुष्टीकरण की राजनीति करती है। इन्हें भोलीभाली जनता को फंसा कर अपना काम निकालना आता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने देश के विकास में कभी जाति को आधार नही माना। पी.एम. किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना सहित सभी जन कल्याणकारी योजनाओं में किसी भी व्यक्ति से जाति-धर्म नहीं पूछा गया। भारतीय जनता पार्टी "सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास-सबका प्रयास" की अवधारणा पर काम करती है।

हमारी सरकार जो कहती है, वह करके दिखाती है। राजस्थान में हमारी सरकार ने 11 माह के अल्पकाल में संकल्प पत्र के 50 प्रतिशत वादे पूरे कर दिये हैं। शर्मा ने कहा कि राष्ट्र के लिए, महाराणा प्रताप हों या छत्रपति शिवाजी, दोनों ने अपना सर्वस्व बलिदान किया। राष्ट्र को आगे बढ़ ाने की प्रेरणा हमें इन्हीं महापुरूषों से मिलती है।

उन्होंने कहा कि प्रवासी राजस्थानियों ने भी अपनी कर्मठता के दम पर राजस्थान की मिट्टी की खुशबू पूरे विश्व भर में फैलाई है। सामाजिक सरोकार के काम में राजस्थानी सबसे आगे रहते हैं। प्याऊ बनाने का काम हो या मंदिर के जीर्णोद्धार का अथवा व्यापार में पहचान बनाने का, मारवाड़ियों ने अपने कर्म से ही हर क्षेत्र में अपनी साख बनाई है।

मुख्यमंत्री ने प्रवासी राजस्थानियों को 9 से 11 दिसंबर तक राजस्थान में आयोजित होने वाले "राजस्थान राइज़िंग समिट" के लिए आंमत्रित करते हुए कहा कि वे राजस्थान में निवेश करें, उनके लिए राजस्थान के द्वार हमेशा खुले हैं। राज्य सरकार निवेशकों को हर संभव मदद करेगी। मुख्यमंत्री ने प्रवासी राजस्थानियों से आव्हान किया कि महाराष्ट्र की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने और समाज को समृद्ध बनाने के लिए एकजुट होकर महायुति को वोट दें। जनता के समर्थन से डबल इंजन की सरकार महाराष्ट्र के सपनों को साकार कर पायेगी। उन्होंने प्रत्याशी विनोद शेलार को अधिक से अधिक मत देकर विजयी बनाने की अपील की।

इससे पहले, शर्मा को गोरेगांव स्पोर्ट्स क्लब का मानद सदस्य बनाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री पीयूष गोयल, पूर्व केन्द्रीय मंत्री शाहनवाज हुसैन, सांसद राजेन्द्र गहलोत, राजस्थान के मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग सहित वरिष्ठ पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में प्रवासी राजस्थानी मौजूद थे।

सिंगापुर की...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रूप में पारस्परिक सम्बन्धों को बढ़ाने के साथ ही, प्रतिनिधिमंडल को भाजपा की संरचना, कार्यशैली तथा भविष्य को लेकर उसकी सोच की गहन जानकारी उपलब्ध कराना है।

'आयुर्वेद डॉक्टर भी 62 वर्ष तक सेवा में रह सकते हैं'

जयपुर, 16 नवंबर। राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ ने एलोपैथी डॉक्टर्स की तरह आयुर्वेदिक डॉक्टर्स को भी 62 साल की उम्र पूरी होने तक सेवा में बने रहने का हकदार माना है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह व वी.के. भारवानी की खंडपीठ ने यह आदेश आयुर्वेद डॉक्टर प्रभुदयाल शर्मा की याचिका पर दिया। याचिका में प्रार्थी ने उसके खिलाफ राज्य सरकार की भेदभावपूर्ण कार्रवाई को चुनौती दी थी।

याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता विजय पाठक ने बताया कि वह बारां जिले में वरिष्ठ आयुर्वेद डॉक्टर के पद पर कार्यरत था, लेकिन सुप्रीम कोर्ट व हाईकोर्ट के आदेश होने के बाद भी, उसे 31 अक्टूबर को 60 साल की आयु पूरी होने पर ही रिटायर कर दिया, जबकि उसने विभाग में प्रार्थना पत्र पेश कर उसे 62 साल तक सेवा में बनाए रखने का आग्रह किया था। इसलिए आयुर्वेद विभाग को निर्देश दिए जाएं कि वह उसे 62 साल तक सेवा में रखे। याचिका में कहा गया कि राज्य सरकार ने प्रार्थी को 60 साल में ही रिटायर कर दिया है, जबकि अन्य कार्मिक काम कर रहे हैं। इसलिए प्रार्थी को भी 62 साल की उम्र पूरी होने तक सेवा में बरकरार रखा जाए।

झांसी अग्निकांड की जांच के लिये 4 सदस्यीय समिति गठित

हाई पावर समिति के अलावा झांसी डिविज़नल कमिश्नर, डी.आई.जी तथा अग्निकांड विभाग भी जांच करेंगे

झांसी, 16 नवंबर। झांसी के महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज में आग लगने के घटना की जांच के लिए सरकार ने चार सदस्यों की कमेटी गठित की है। चार सदस्यों की यह कमेटी एक सप्ताह में अपनी रिपोर्ट सरकार को देगी। समिति को आग के कारणों की पहचान करने और यह निर्धारित करने का काम सौंपा गया है कि क्या इसमें कोई लापरवाही शामिल थी। कमेटी, भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सिफारिशें भी देगी। शासन की ओर से सात दिन के अंदर रिपोर्ट मांगी गई है।

सरकार की तरफ से जारी आदेश के अनुसार, महानिदेशक, चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण, निदेशक (स्वास्थ्य) चिकित्सा स्वास्थ्य सेवायें, अपर निदेशक, विद्युत, चिकित्सा स्वास्थ्य सेवायें, . महानिदेशक, अग्निशमन द्वारा नामित अधिकारी इस घटना की जांच करेंगे। कमेटी की अध्यक्षता महानिदेशक, चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण करेंगे। बाकी अन्य सदस्य के तौर पर काम करेंगे। कमेटी को जांच करके सात दिन में रिपोर्ट सरकार को सौंपने का आदेश दिया गया है।

■ **शनिवार को कड़ी सुरक्षा के बीच 7 बच्चों का पोस्ट मार्टम किया गया। तीन बच्चों का, माता-पिता की पहचान नहीं हो पाने के कारण पोस्ट मार्टम नहीं हो सका।**

घटना की त्रिस्तरीय जांच शुरू करने के निर्देश भी जारी किए गए हैं। झांसी मंडलायुक्त और पुलिस उप महानिरीक्षक (डीआईजी) को मामले की जांच करने के लिए कहा गया है, अग्निशमन विभाग भी इस पर गौर करेगा। घटना की मजिस्ट्रेटी जांच के निर्देश भी दिए गए हैं। ज्ञातव्य है कि झांसी जिले में शुक्रवार रात महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज में आग लगने से 10 शिशुओं की मौत हो गई। इस हादसे में घायल हुए 16 अन्य बच्चे जीवन के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

'लोक अदालत...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बोर्ड अध्यक्ष को निर्देश दिया था कि वे अतिक्रमण की शिकायत के बाद भी कार्रवाई नहीं करने के जिम्मेदार अफसर व कर्मचारियों पर तीन महीने में कार्रवाई करें। हाउसिंग बोर्ड ने हर्जाना राशि तो दे दी, लेकिन अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई नहीं करने वाले जिम्मेदार अफसरों पर कोई भी कार्रवाई नहीं की। लोक अदालत ने आदेश का पालन नहीं करने को गंभीर माना और कई बार उन्हें पत्र भेजकर आदेश की पालना करने के लिए कहा, लेकिन इसके बाद भी अध्यक्ष ने पालना नहीं की। इस पर स्थाई लोक अदालत ने हाउसिंग बोर्ड अध्यक्ष को व्यक्तिगत तौर पर पेश होकर मामले में स्पष्टीकरण देने के लिए कहा है।

मोदी, अमित शाह व राहुल गांधी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को आरक्षण देने के विरोधी थे--- राजीव गांधी ने ओ.बी.सी. को आरक्षण देने का विरोध किया था।"

कांग्रेस का कहना है कि मोदी की उपरोक्त बयानबाजी धार्मिक और जाति आधारित तनाव पैदा करने की कोशिश थी। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री मोदी की महाराष्ट्र के सोलापुर में की गई टिप्पणी "एक हैं तो सेफ हैं," भी आलोचना की। प्रधानमंत्री ने कहा था कि "अगर ओ.बी.सी. जातियों में बंट गए तो कांग्रेस को ऑक्सीजन मिलेगी। क्या आप कांग्रेस को इस षड्यंत्र में सफल बनाना चाहते हैं? एक हैं तो सेफ हैं।"

एक अन्य घटनाक्रम में मोदी ने कांग्रेस पर आरोप लगाया था कि धारा 370 पर कांग्रेस का रुख पाकिस्तान जैसा है और कांग्रेस पार्टी तुष्टिकरण की राजनीति में लगी हुई है। कांग्रेस पार्टी ने भाजपा के स्टार प्रचारक, केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर 12 नवम्बर को झारखंड के धनबाद में एक रैली के दौरान "झूठे, विभाजनकारी, दुर्भावनापूर्ण और निंदनीय" बयान देने का भी आरोप लगाया और कहा कि शाह की टिप्पणी ने आदर्श आचार संहिता और जनप्रतिनिधि अधिनियम 1951, का उल्लंघन किया है।

शिकायत में शाह के इस बयान पर विशेष जोर दिया गया है कि कांग्रेस शिड्यूल्ड कास्ट (एस.सी.), शिड्यूल्ड ट्राइब्स (एस.टी.) तथा अदर बैकवर्ड क्लासेज़ (ओ.बी.सी.) के खिलाफ है तथा आंतकवाद का समर्थन करती है। शाह ने कथित रुप से दावे के साथ कहा कि कांग्रेस का उद्देश्य एस.सी., एस.टी. तथा ओ.बी.सी. समुदायों को उनके आरक्षणों से वंचित करना है ताकि एक खास धार्मिक अल्पसंख्यक समुदाय को लाभ पहुँचाया जा सके। कांग्रेस ने इन बयानों को साम्प्रदायिक कलह को भड़काने तथा धार्मिक एवं जातिगत आधार पर वोट पक्के करने की कोशिशें बताया है।

कांग्रेस ने कुछ विशिष्ट कानूनों, जिनमें भारतीय न्याय संहिता की धाराएं 196, 197 तथा 299 भी शामिल हैं, का हवाला देते हुये, शाह पर आरोप लगाया है कि वे परस्पर शत्रुता बढ़ा रहे हैं, राष्ट्रीय एकता के प्रतिकूल बयान दे रहे हैं तथा धार्मिक भावनाओं को उभारने के कृत्य जानबूझ कर रहे हैं। शिकायत में शाह के भाषण तथा तत्सम्बंधी समाचारों की रिपोर्ट्स के एक वीडियो का भी हवाला दिया गया है।

'मीडिया आत्महत्या...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

फ्रीडम इंडैक्स में भारत लगातार नीचे जा रहा है और प्रैस की स्वतंत्रता की बात करें तो वहां भारत निचले स्तर पर है। मोईली ने युवा पत्रकारों व पत्रकारिता के विद्यार्थियों से कहा कि वे अपने भीतर निडरता से सवाल पूछने की क्षमता पैदा करें। उन्होंने कहा आप देश के लोकपाल हैं। उन्होंने कहा प्रैस को निष्पक्ष भूमिका निभानी चाहिए और निडरता से काम करना चाहिए। आज के मीडिया के सामने यही सबसे बड़ी चुनौती है। "सैनिक देश की सीमा की रक्षा करते हैं आप मीडिया वाले स्वतंत्रता के रक्षक हैं और देश में लोकतंत्र की रक्षा कर रहे हैं। संविधान अभिव्यक्ति और पसंद की आज़ादी देता है पर क्या आपको वह आज़ादी मिल रही है जो संविधान ने दी है। उन्होंने भावी पत्रकारों को पेशे से जुड़ी चुनौतियों के प्रति सतर्क किया। उन्होंने कहा मीडिया के सामने एक अन्य चुनौती यह है कि प्रधानमंत्री जानकारी साझा करने के लिए पत्रकारों से वार्ता करना भी पसंद नहीं करते हैं।

सत्यमेव जयते
Government of Rajasthan

RAJASTHAN GLOBAL BUSINESS EXPO
9-10-11 DEC 2024 • JAIPUR

SH. BHAJAN LAL SHARMA
Hon'ble Chief Minister, Rajasthan

SH. NARENDRA MODI
Hon'ble Prime Minister

GLOBAL PARTNERSHIPS
LOCAL OPPORTUNITIES

The Government of Rajasthan is organising Rising Rajasthan Global Investment Summit on 9-10-11 December 2024 at JECC, Jaipur. The 3-day Summit will string together 12 thematic sessions, partner country sessions, MSME Conclave and Pravasi Rajasthani Conclave bringing together thousands of people from across the globe.

A key highlight of the summit is the Rajasthan Global Business Expo featuring thematic pavilions such as the Rajasthan Pavilion, Partner Countries Pavilion and Startup Pavilion, and displays from leading companies and government departments.

Exhibit at Rising Rajasthan Global Business Expo, showcase your offering to the world.

KEY SECTORS

- Renewable Energy
- Auto & Auto Components
- Logistics & Warehousing
- Agri & Food Processing
- Handloom & Handicrafts
- Education & Skill
- Textiles
- Startups
- Chemicals & Petrochemicals
- Mines & Minerals
- Glass & Ceramics
- ESDM
- Tourism
- Gems & Jewellery
- IT & ITES

9 DEC Inauguration & Opportunity Showcase
10 DEC Pravasi Rajasthani Conclave
11 DEC MSME Conclave
16 Thematic & Country Sessions

For Booking, Contact
+91 9414069764 | +91 9910809453
+91 7726898789 | +91 9811844434

REGISTER NOW
rising.rajasthan.gov.in

Confederation of Indian Industry | Bureau of Investment Promotion Rajasthan | RIICO | Rajasthan Foundation

Department of Industries & Commerce, Government of Rajasthan

Rajasthan Samwad

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, जी-1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौन सिटी, जिला करौली से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2008/27147 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908